बहाने बनाकर मुआवजा देने से नहीं बच सकतीं बीमा कंपनियां - 6

यूपी वेस्ट सर्किल में जियो के 2.5 करोड़ से ज्यादा मोबाइल सब्सक्राइबर : ट्राई- 6

शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद ट्रंप ने चीन पर टैरिफ घटाकर 47 प्रतिशत किया - 7

सूर्यकुमार के फॉर्म में लौटने के बाद दूसरे मैच में भारत के हौसले बुलंद - 8

आज का मौसम

28.0° अधिकतम तापमान

19.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.23

सूर्यास्त 05.28

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी 10:03 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 341, पृष्ठ 12+4 मूल्य 6 रुपये

STATUE OF UNITY
एक भारत, श्रेष्ठ भारत

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

एकता दिवस

31 अक्तूबर

सरदार वल्लभभाई पटेल
की 150वीं जयंती के अवसर पर
कृतज्ञ राष्ट्र का शत-शत नमन

प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी
भारत के लौह पुरुष को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे
और उनकी स्मृति में राष्ट्र को संबोधित करेंगे

इस एकता दिवस पर, आइए अपने जिले में हो रही 'रन फॉर यूनिटी' में अधिक से अधिक संख्या में हिस्सा लें और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और मजबूत बनाएँ

एकता दिवस कार्यक्रम

- एकता परेड
- ब्रास बैंड प्रदर्शन
- घोड़े, श्वान और ऊँट के सैन्यदल
- महिला कलाकारों द्वारा मार्शल आर्ट का प्रदर्शन
- बीएसएफ डॉग शो (स्वदेशी नस्ल)
- डेयरडेविल राइडर्स का प्रदर्शन
- स्कूल बैंड प्रस्तुति
- भारतीय वायु सेना द्वारा एयर शो
- "लौह-पुरुष" - सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन पर आधारित एक नाट्य प्रस्तुति
- एकता प्रकाश उत्सव का आयोजन
- भारत पर्व के अंतर्गत 1 से 15 नवंबर तक राज्यों में प्रदर्शनियाँ

"राष्ट्र को एकजुट करने में सरदार पटेल के अमूल्य योगदान का राष्ट्रीय एकता दिवस सम्मान करता है। आइए, इस दिन हम अपने समाज में एकता के बंधन को और मजबूत बनाएं।"

-नरेन्द्र मोदी

CBC 19101/13/0022/2526

दिनांक : शुक्रवार, 31 अक्तूबर 2025

स्थान परेड ग्राउंड, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, एकता नगर, गुजरात

समय : सुबह 7 बजे से

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज पर किया जाएगा

प्रदेश में पश्चिम से पूरब तक चुनावी दिशा तय करता है गन्ना बेल्ट

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- सियासी मिठास लूटने की होड़ अखिलेश का दांव पड़ रहा उल्टा
- पश्चिमी यूपी, तराई और पूरब तक वोटबैंक साधने में जुटी भाजपा

अमृत विचार : पश्चिमी यूपी से लेकर तराई और पूरब के कई जिलों तक फैला गन्ना बेल्ट एक बार फिर राजनीति के केंद्र में है। योगी सरकार द्वारा राज्य परामर्शित मूल्य (एसएपी) में 30 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि चुनावी संदेश भी है कि किसान भाजपा की प्राथमिकता में हैं। पंचायत चुनाव से लेकर 2027 के विधानसभा चुनाव तक इस फैसले का असर तय माना जा रहा है।

भाजपा ने सपा सरकार पर हमला बोलते हुए प्रचार शुरू कर दिया है कि 'योगी सरकार ने चार बार गन्ना मूल्य बढ़ाया, मिलें खोलीं और समय से भुगतान कराया, जबकि अखिलेश सरकार रही जीरो।' पार्टी इसे किसान विश्वास पुनर्निर्माण अभियान के रूप में देख रही है। 2012-17 में अखिलेश यादव की सरकार ने गन्ना मूल्य में कोई वृद्धि नहीं की थी, जिससे किसानों का भरोसा कमजोर हुआ। अब योगी सरकार उसी भरोसे को फिर से मजबूत करने की कोशिश में है।

पश्चिमी यूपी की लगभग 45 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां गन्ना किसानों की संख्या निर्णायक है। 2017 में भाजपा ने किसानों के बकाए के शीघ्र भुगतान और मूल्य वृद्धि के वादे से इन सीटों पर बढ़त बनाई थी। इसका असर तराई, अवध और पूरब के गन्ना बेल्ट तक दिखा, कुल करीब 150 सीटों पर भाजपा को फायदा हुआ। किसान

आंदोलन के बावजूद 2022 के चुनाव में पार्टी ने पश्चिम में 65 फीसदी सीटों पर जीत दर्ज की। अब 2027 के मिशन के लिए गन्ना मूल्य वृद्धि को भाजपा ने सीधा राजनीतिक संदेश बना दिया है।

अखिलेश यादव को 2012 में सत्ता तक पहुंचाने में मुजफ्फरनगर-शामली के किसानों की बड़ी भूमिका रही थी, पर भुगतान में देरी और मूल्य वृद्धि न होने से वह समीकरण टूट गया। योगी सरकार ने इस बार केवल दर नहीं बढ़ाई, बल्कि सिस्टम सुधार को भी राजनीतिक विमर्श में शामिल किया है। गन्ना पर्ची ऑनलाइन व्यवस्था, एथेनॉल नीति और भुगतान पारदर्शिता को पार्टी किसान हितैषी शासन के उदाहरण के रूप में पेश कर रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि गन्ना अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक मुद्दा बन चुका है। किसान इसे अपनी मेहनत और सम्मान से जोड़ते हैं। यही कारण है कि हर चुनाव से पहले सरकारें गन्ना मूल्य बढ़ोतरी का ऐलान करती रही हैं। भाजपा के रणनीतिकार मानते हैं कि यह फैसला गन्ना बेल्ट में पार्टी के लिए दोबारा विश्वास बहाली का काम करेगा।

मुजफ्फरनगर, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर, शामली और सहारनपुर जैसे जिलों में पिछले दो साल से किसान संगठनों की नाराजगी बढ़ रही थी। इस बढ़ोतरी से सरकार ने उस असंतोष को कम करने की कोशिश की है। भाजपा को उम्मीद है कि यह कदम जाट और किसान वोट बैंक को फिर से अपने साथ जोड़ेगा। पंचायत चुनावों में यह रणनीति का पहला टेस्ट होगी, जो 2027 की तैयारी का संकेत देगी।

सरकारों ने कब बढ़ाया मूल्य

वर्ष	मुख्यमंत्री	वृद्धि (रु. प्रति क्विंटल)
2006-07	मुलायम सिंह यादव	10
2011-12	मायावती	40
2017-18	योगी आदित्यनाथ	10
2021-22	योगी आदित्यनाथ	25
2023-24	योगी आदित्यनाथ	20
2025-26	योगी आदित्यनाथ	30

आयुष यूजी की तीसरी काउंसिलिंग आज से

अमृत विचार, लखनऊ : आयुर्वेदिक, होम्योपैथी व यूनानी मेडिकल कॉलेजों में रिक्त स्तानक (बीएएमएस, बीयूएमएस, बीएचएमएस) सीटों पर दाखिले के लिए तीसरे चरण की काउंसिलिंग शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025 से शुरू होगी। पहले चार दिन पंजीकरण शुल्क जमा करने के साथ प्रपत्रों का सत्यापन कराने के बाद 3 नवंबर को ही अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी कर दी जाएगी।

यह जानकारी देते हुए काउंसिलिंग बोर्ड के सचिव एवं होम्योपैथी निदेशक डॉ.प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मेरिट सूची जारी होने के बाद क्रमवार अभ्यर्थियों से मनपसंद कॉलेज की प्राथमिकताएं 5 नवंबर तक ली जाएंगी, तत्पश्चात 6 नवंबर को सीट आवंटन के परिणाम घोषित किए जाएंगे। अगले दिन से दाखिले की प्रक्रिया शुरू कर 10 नवंबर 2025 तक पूरी करनी होगी।

नीट यूजी की तीसरी काउंसिलिंग स्थगित

अमृत विचार : नेशनल मेडिकल काउंसिलिंग कमेटी के निर्देश पर यूपी नीट यूजी 2025 की तीसरी काउंसिलिंग अगले आदेश तक स्थगित कर दी गयी है। उक्त क्रम में मेडिकल कॉलेजों एवं डेंटल कॉलेजों में एमबीबीएस व बीडीएस में सीट आवंटन के परिणाम घोषित नहीं किए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

फसलों की क्षति का सर्वे कर राहत देने के निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मोंथा के प्रभाव से तेज हवाएं, बारिश और जलभराव की स्थिति को देखते हुए संबंधित जिलों के अधिकारियों को राहत कार्य पूरी तत्परता से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी स्वयं प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का आकलन करें और राहत कार्यों की निगरानी करें। मुख्यमंत्री ने आपदा से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत राशि वितरित करने के आदेश दिए हैं, ताकि किसी भी पीड़ित परिवार को कठिनाई न हो। साथ ही, उन्होंने कृषि विभाग और राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे फसलों के नुकसान का शीघ्र सर्वे कराकर रिपोर्ट शासन को भेजें, जिससे आगे की कार्यवाही समय पर की जा सके।

दुग्ध उत्पादकों को मिलेगा गोकुल पुरस्कार

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने गोकुल पुरस्कार के लिए बजट स्वीकृत कर दिया है। दुग्ध विकास कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश के 75 जिलों में सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन व आपूर्ति करने वाले किसानों को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। राज्य सरकार के विशेष सचिव राम सहाय यादव ने गुरुवार को गोकुल पुरस्कार योजना के लिए स्वीकृत 55 लाख 73 हजार की धनराशि दुग्ध आयुक्त, दुग्धशाला विकास उप्र .को भेज दी है। उन्होंने आदेश में स्पष्ट किया है कि गोकुल पुरस्कार के तहत प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दुग्ध उत्पादक को दो लाख और द्वितीय स्थान पर रहने वाले को 1.5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा शेष 73 जिलों के विजेता दुग्ध उत्पादकों को 51,000 रुपये की नकद राशि तथा पीतल धातु की शील्ड प्रदान की जाएगी।

सत्यापन और सुनवाई के बाद नाम होगा शामिल

प्रदेश में मतदाता सूची का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 9 दिसंबर को ड्राफ्ट रोल, 8 जनवरी तक दावे-आपत्तियां

अमृत विचार : प्रदेश में मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक पारदर्शी और सटीक बनाना है, ताकि आगामी चुनावों में किसी पात्र मतदाता का नाम छूटे नहीं। जिन मतदाताओं का नाम पिछली सूची से मिलान नहीं हो पाएगा, उन्हें निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सुनवाई के लिए नोटिस भेजेंगे। सत्यापन और सुनवाई के बाद नाम शामिल होगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि सुनवाई में मतदाता को पहचान सिद्ध करने के लिए कोई एक प्रमाण पत्र जैसे पासपोर्ट, जन्म प्रमाण पत्र, सरकारी पहचान पत्र, पेंशन आदेश, शैक्षणिक प्रमाण पत्र या स्थायी निवास प्रमाण पत्र दिखाना होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन (ड्राफ्ट रोल) 9 दिसंबर, 2025 को किया जाएगा। दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 9 दिसंबर से 8 जनवरी, 2026 तक रहेगी। इन पर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी निर्णय लेंगे। उनके निर्णय से असंतुष्ट मतदाता जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रथम अपील और मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष द्वितीय अपील दाखिल कर सकते हैं।

घर जाकर बीएलओ भरवाएंगे गणना प्रपत्र

इस विशेष अभियान में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) का 27 अक्टूबर से ही अपने मतदेय स्थल के सभी मतदाताओं से घर-घर जाकर गणना प्रपत्र दो प्रतियों में भराने का कार्य शुरू हो गया है। रिणवा ने बताया कि बीएलओ कम से कम तीन बार घर जाकर प्रपत्र वितरण और संग्रहण का कार्य करेंगे। गणना प्रपत्र में मतदाता का नाम, एपिक नंबर, विधानसभा और भाग संख्या जैसी जानकारियां पहले से भरी होंगी। मतदाता चाहे तो अपना नया पासपोर्ट साइज फोटो भी चस्पा कर सकता है। गणना प्रपत्र में मतदाता को अपने परिवार और 2003 के विशेष पुनरीक्षण से जुड़े विवरण भरने होंगे। किसी प्रकार की कठिनाई होने पर मतदाता बीएलओ की सहायता ले सकता है।

अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 7 फरवरी को

अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 7 फरवरी, 2026 को किया जाएगा। रिणवा ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे गणना अवधि के दौरान बीएलओ द्वारा उपलब्ध कराए गए गणना प्रपत्र में अपनी प्रविष्टियां सही-सही भरकर समय पर जमा करें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदान अधिकार से वंचित न रह जाए।

गन्ना मूल्य बढ़ने पर योगी से मिलकर जताया आभार

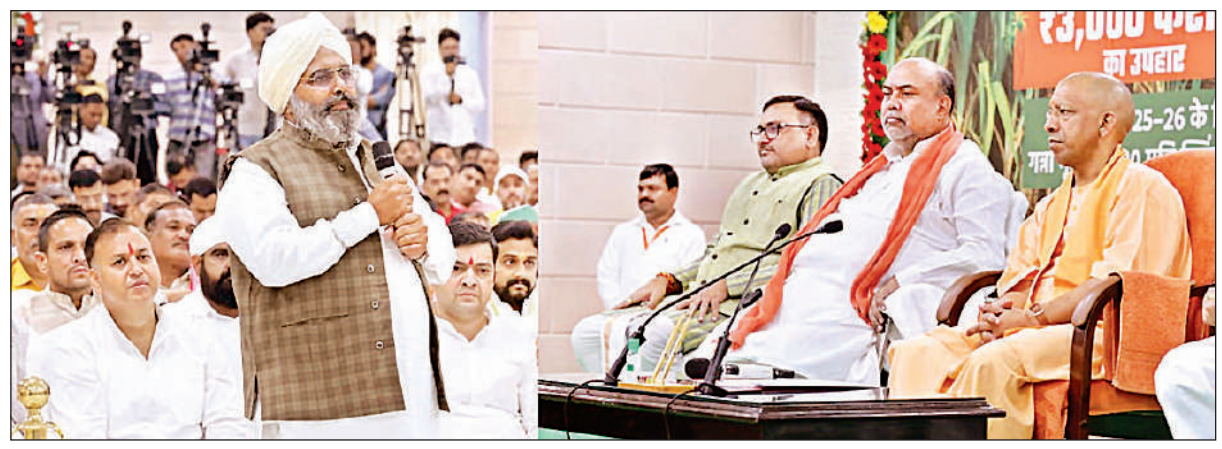

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सरकारी आवास पर गन्ना मूल्य में ऐतिहासिक वृद्धि पर कृषक बंधु से संवाद करते हुए। ● अमृत विचार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गन्ना किसानों के हित में किए गए निर्णय से प्रदेशभर के किसान उत्साहित हैं। पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की ऐतिहासिक वृद्धि के बाद गुरुवार को किसानों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आभार जताया। उन्होंने कहा कि योगी के कारण एक माह में दो बार दीपावली मनाने का अवसर मिला। किसानों ने कहा कि यह निर्णय न केवल आर्थिक राहत है, बल्कि अन्नदाता के परिश्रम का सम्मान भी है।

मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को यह घोषणा की थी कि अब सामान्य गन्ना मूल्य 380 प्रति क्विंटल, अगेती 390 रुपये और अनुपजाऊ 370 रुपये प्रति क्विंटल होगा। यह बढ़ोतरी प्रदेश के गन्ना बेल्ट में एक बड़ा संदेश मानी जा रही है। किसानों ने इस निर्णय को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की किसान-हितैषी नीतियों का परिणाम बताया।

क्लीन, ग्रीन और डिवाइन काशी का दर्शन कराएगी देव दीपावली : योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देव दीपावली काशी की सनातन परंपरा, गंगा आराधना और लोकआस्था का अद्वितीय संगम है। उन्होंने निर्देश दिए कि पूरी तैयारी 'क्लीन काशी, ग्रीन काशी, डिवाइन काशी' की परिकल्पना को साकार करने वाली हो। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना और अनुशासन का प्रतीक है। योगी ने गुरुवार को अपने आवास पर वाराणसी में 5 नवंबर को आयोजित होने वाले मुख्य आयोजन देव दीपावली 2025 और उससे पूर्व 1 से 4 नवंबर तक चलने वाले गंगा महोत्सव की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष का आयोजन ऐसा हो, जिससे विश्व काशी की दिव्यता, स्वच्छता और व्यवस्थापन क्षमता का अनुभव करे। उन्होंने निर्देश दिया कि भव्यता और अनुशासन का संतुलन बना रहे तथा सभी विभाग तय समय में गुणवत्तापूर्ण तैयारी सुनिश्चित करें। योगी ने कहा कि घाटों पर प्रकाश सज्जा, दीपदान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और पर्यटक सुविधाएं इस प्रकार विकसित की जाएं कि गंगा तट पर श्रद्धा और सौंदर्य का समरस दृश्य बने। उन्होंने स्पष्ट किया कि भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन सर्वोच्च प्राथमिकता पर रहें। सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करना होगा ताकि किसी स्तर पर अव्यवस्था न हो। मुख्यमंत्री ने पर्यटन, संस्कृति, पुलिस, नगर निगम, सिंचाई, पीडब्ल्यूडी और स्वास्थ्य विभागों को जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि घाटों पर स्मार्ट लाइटिंग, थीम-आधारित इंस्टालेशन, ड्रोन सर्विलांस और सीसीटीवी मॉनिटरिंग की सटीक व्यवस्था की जाए। घाटों, गलियों और मुख्य मार्गों की स्वच्छता और सजावट निरंतर बनी रहे।

पटेल जयंती पर पुलिस कर्मी लगाएंगे दौड़

अमृत विचार, लखनऊ: लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को पूरे प्रदेश में आयोजित में 'रन फॉर यूनिटी' में पुलिसकर्मी भागीदारी करेंगे। देश की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा को मजबूत करने के लिए पहले पूर्व गृहमंत्री सरदार पटेल की स्मृति में इसका आयोजन किया जा रहा है। इससे राष्ट्रीय एकता का संदेश प्रसारित किया जाएगा। आईजी कानून-व्यवस्था एलआर कुमार के मुताबिक, सभी कमिश्नरेट, जिलों के मुख्यालय व थानों पर रन फॉर यूनिटी का कार्यक्रम आयोजित होगा। यह थानों के प्रमुख चौराहे या लैंडमार्क से सुबह सात बजे से 10 बजे तक होगी। इसकी लंबाई एक से 1.5 किमी होगी।

10 मंडलों में उच्च शिक्षा के नए अधिकारी नियुक्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश सरकार ने किया बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने उच्च शिक्षा विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। शासन ने प्रदेश के दस मंडलों में नए क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारियों की नियुक्ति की है। इस संबंध में बुधवार देर शाम उच्च शिक्षा विभाग की ओर से विशेष सचिव गिरीजेश कुमार त्यागी ने आदेश जारी किया। आदेश के अनुसार, डॉ. सुषमा देवी को चित्रकूट मंडल, डॉ. चंद्र प्रकाश को विंध्याचल मंडल, डॉ. गुरसेब सिंह मोदी को अलीगढ़ मंडल, डॉ. रमेश कुमार सिंह को आजमगढ़ मंडल, डॉ.श्याम शंकर सिंह को अयोध्या मंडल, डॉ. जयप्रकाश सिंह को बस्ती मंडल, डॉ. सुधा पांडेय को प्रयागराज मंडल, डॉ. यशोधरा शर्मा को सहारनपुर मंडल, डॉ. सुमन गुप्ता को मुरादाबाद मंडल और प्रो. अतुल शर्मा को देवीपाटन मंडल का क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी बनाया गया है।

यह फेरबदल उच्च शिक्षा विभाग में प्रशासनिक कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने और मंडल स्तर पर निगरानी एवं समन्वय व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया है।

बहराइच : नदी में डूबे आठ लोगों की तलाश जारी

संवाददाता, बहराइच

- एनडीआरएफ, एसडीआरएफ फ्लड पीएसी व एसएसबी की 16 टीमें रेस्क्यू में जुटीं

अमृत विचार : तहसील मिहींपुरवा के ग्राम भरथापुर में बुधवार की देर शाम कौड़ियाला नदी में हुए नाव हादसे में लापता आठ लोगों की तलाश जारी है। घाघरा बैराज के गेट को बंद कर लगभग नौ किमी के दायरे में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फ्लड पीएसी व एसएसबी की 16 टीमें टीमें नदी में रेस्क्यू कर रही हैं। हादसे के 24 घंटे बाद भी नदी में डूबे लोगों का कोई सुराग नहीं लग सका है। मंडलायुक्त, आईजी देवीपाटन मंडल, डीएम, एसपी समेत अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

कतर्नियाघाट के ट्रांस गेरुआ क्षेत्र में बुधवार देर शाम कौड़ियाला नदी में 22 लोगों से भरी नाव पलट गई थी। 13 लोगों ने तैरकर अपनी जान बचाई थी। जबकि आठ नदी के तेज बहाव में बह गए थे। बुधवार की देर शाम रमजैया (65) पत्नी मटरू का शव नदी से बरामद हुआ था। उप जिलाधिकारी रामदयाल ने बताया कि गुरुवार शाम चार बजे से बारिश होने के कारण रेस्क्यू रोकना पड़ा।

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

रद्दी बिक्री हेतु निविदा सूचना

अमृत विचार प्रेस, रूहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज के सामने, नवादा जोगियान चक रोड, बरेली से रद्दी अखबार, मलाड एवं रद्दी कागज (स्वीपिंग) तथा रीलएंड (रीलकोर तथा बचा हुआ कागज) और अन्य स्क्रैप बिक्री हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। टेंडर के साथ अधोलिखित विवरण के अनुसार ऊपर दिये गये स्थान पर भेजें।

निविदा की शर्तें निम्न हैं

1. सभी रद्दी/स्क्रैप के मूल्य पर जीएसटी जो केन्द्र एवं राज्य सरकार के द्वारा लागू होगा अतिरिक्त देना होगा।
2. निविदा साफ-साफ हस्तलिखित या टाइप किया होना चाहिए।
3. रद्दी/स्क्रैप उठाने से पूर्व भुगतान नगद या ड्रॉफ्ट से करना होगा।
4. किसी भी तरह के विवाद का निपटारा बरेली स्थित न्यायाधिकरण के अंतर्गत होगा।
5. किसी भी निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार कम्पनी का होगा।
6. निविदा को सील बंद लिफाफे में 20.11.2025 तक कार्यालय भेजें।
7. जब टेंडर खुलेगा तब आपको सूचित करने के बाद आपको 50000 रू. जमा करने होंगे। नहीं तो आपका टेंडर निरस्त करने का अधिकार कंपनी का होगा।

स्क्रैप का विवरण निम्न प्रकार है।

1. अखबार रद्दी
2. मलाड
3. स्वीपिंग (रद्दी कागज)
4. डी.एन.पी. (थब्बा)
5. रीलएंड (रील कोर तथा बचा हुआ कागज)
6. स्क्रैप एल्यूमीनियम प्लेट
7. प्लास्टिक बाल्टी 20 किग्रा.
8. खाली कैन 20 लीटर।
9. ड्रम आयरन
10. ड्रम प्लास्टिक
11. सी.टी.पी. गत्ता

लखनऊ और बरेली के लिए सम्पर्क करें:- 9415232799

47वाँ स्थापना दिवस समारोह

विराट कुक्कुट मेला एवं कृषक संगोष्ठी

(रविवार, 2 नवम्बर, 2025)

cari

सुस्वागतम् सुस्वागतम्

मुख्य आकर्षण

● कुक्कुट प्रदर्शनी द्वारा मुर्गी, बटेर, टर्की, गिनी फाउल की प्रजातियों का प्रदर्शन ● नवीन उत्पादों-अंडे का पेड़ा, मीट बडियों, अंडी की रसमलाई, मीट बाईट आदि की जानकारी ● नवीनतम प्रोद्योगिकियों-कैरी एग शील्ड, कैरी ब्रूस्ट, कैरी टोक्सोमिन, कैरी हाई प्रोटीन एग ड्रिंक, कैरी कम्फर्ट, सस्ता मुर्गी दाना तैयार करना आदि की जानकारी ● सरकारी, गैर सरकारी व वित्तीय संस्थाओं द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी ● कृषक संगोष्ठी द्वारा पॉल्ट्री में आने वाली समस्याओं का समाधान ● कुक्कुट पालन में आने वाली बीमारियों की रोकथाम व उपचार की वैज्ञानिक जानकारी ● मुर्गी अंडा, माँस व अन्य पॉल्ट्री प्रोडक्ट्स का प्रदर्शन व बिक्री

स्थान : केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, पीलीभीत रोड, बरेली

समय : 10:00 प्रातः से 4:00 बजे सायं तक

आप सादर आमंत्रित हैं

भाकृअप-केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान

इज्जतनगर-243122, बरेली (उ.प्र.)

कार्यालय जिला पंचायत, पीलीभीत

पत्रांक: 1146/नि.अनु./जि.पं./2025-26 दिनांक: 30.10.2025

ई-निविदा सूचना

शासनादेश सं. 1488/33-2-2020-80 जी/2000 दिनांक 24 जुलाई 2020 पंचायतीराज अनुभाग-2 उ.प्र. शासन के अनुपालन में समस्त जिला पंचायतों में पंजीकृत ठेकेदारों के अतिरिक्त राज्य सरकार के सिंचाई विभाग एवं लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पंचम राज्य वित्त आयोग एवं पन्द्रहवां वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत प्राप्त अनुदान के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2025-26 की स्वीकृत 25 परियोजनाओं के प्रथम बार, निर्माण कार्य हेतु कार्यालय ई-निविदा सूचना संख्या- 1145/नि.अनु./जि.पं./2025-26 दिनांक 30.10.2025 द्वारा दिनांक 21.11.2025 को अपरान्ह 01:00 बजे तक ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है, जिन्हें दिनांक 21.11.2025 को ही अपरान्ह 03:00 बजे से कार्यालय जिला पंचायत पीलीभीत में गठित समिति द्वारा ऑनलाइन खोला जायेगा। ई-निविदा दिनांक 10.11.2025 को पूर्वान्ह 10:00 बजे से दिनांक 21.11.2025 अपरान्ह 02:00 बजे तक वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। ई-निविदाओं की तकनीकी एवं वित्तीय बिड ऑनलाइन खोलने के उपरान्त न्यूनतम निविदादाता द्वारा अपने समस्त मूल अभिलेख कार्यालय में प्रस्तुत किये जायेंगे। निविदादाता द्वारा वांछित मूल अभिलेख/स्वप्रमाणित प्रपत्र प्रस्तुत न किये जाने पर शासनादेशानुसार कार्यवाही की जायेगी।

मिठाई लाल	धर्मेन्द्र कुमार	डॉ. दलजीत कौर
अभियन्ता	अपर मुख्य अधिकारी	अध्यक्ष
जिला पंचायत, पीलीभीत	जिला पंचायत, पीलीभीत	जिला पंचायत, पीलीभीत

कार्यालय ग्राम पंचायत जगराजपुर विकास खंड भदपुरा जिला बरेली

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों एवं विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत जगराजपुर की कार्य योजना 2025-26 के अन्तर्गत मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न कार्यों को कराये जाने हेतु ईंट, रेता, रोड़ी, सीमेन्ट, बजरी, बजरफुट, पन्नी, सरिया इत्यादि सामान की आवश्यकता है। उक्त सामग्री की सीलबन्द निविदायें दिनांक 31.10.2025 से 1.11.2025 को ग्राम पंचायत कार्यालय पर दोपहर 2 बजे तक आमंत्रित की जायेगी जो उसी दिन दोपहर 3:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जायेगी। निविदा को स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का अधिकार केवल ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	हरदयाल के घर से मरघट तक सीसी रोड व नाली निर्माण कार्य	302185/-

ग्राम प्रधान-श्रीमती ओमशीला गंगवार सचिव-विवेक चौधरी

कार्यालय, उपनिदेशक, दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग, पलिया-खीरी।

पत्रांक 1783 /37-1 दिनांक पलिया-खीरी, माह अक्टूबर, 24/2025

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग, पलिया-खीरी के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत संचालित हो रही गौरीफण्टा कैंटीन 01 वर्ष के लिए, भीरा व मैलानी वे साइड एमिनिटी कैन्टीन पार्क खुलने से पार्क बन्द होने तक के लिए ही मान्य होगी। उक्त कैंटीनों की उपरोक्त अवधि तक संचालन हेतु खुली नीलामी की तिथि 07.11.2025 को अपरान्ह 01:00 बजे नियत की जाती है।

अतः इच्छुक पंजीकृत बोलीदाता पलिया स्थित उप निदेशक, दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग, पलिया-खीरी कार्यालय परिसर में खुली नीलामी में गौरीफण्टा कैंटीन का रू0 30000/- का नियत गेट पास तथा भीरा व मैलानी वे साइड एमिनिटी कैंटीन का रू0 10000/- का नियत गेट पास प्राप्त कर दिनांक 07.11.2025 को अपराहन 01.00 बजे प्रतिभाग कर सकते हैं। नीलाम की शर्तें किसी भी कार्यालय दिवस में नोटिस बोर्ड अथवा सम्बन्धित लिपिक से सम्पर्क कर देखी जा सकती हैं।

क्र0सं0	लाट संख्या	कार्य का विवरण	संचालन अवधि
01	02/2025-26	गौरीफण्टा कैंटीन	कार्यादेश जारी होने की तिथि से 01 वर्ष के लिए मान्य होगा।
02	03/2025-26	भीरा वे साइड एमिनिटी कैन्टीन	कार्यादेश जारी होने की तिथि से पार्क खुलने से पार्क बन्द होने तक ही मान्य होगा।
03	04/2025-26	मैलानी वे साइड एमिनिटी कैन्टीन	कार्यादेश जारी होने की तिथि से पार्क खुलने से पार्क बन्द होने तक ही मान्य होगा।

UP - 239623 दिनांक: 29/10/2025

विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(जगदीश आर0)
उपनिदेशक,
दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग,
पलिया-खीरी।

बहाने बनाकर मुआवजा देने से नहीं बच सकतीं बीमा कंपनियां
- 6

यूपी वेस्ट सर्किल में जियो के 2.5 करोड़ से ज्यादा मोबाइल सब्सक्राइबर : ट्राई- 6

शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद ट्रंप ने चीन पर टैरिफ घटाकर 47 प्रतिशत किया
- 7

सूर्यकुमार के फॉर्म में लौटने के बाद दूसरे मैच में भारत के हौसले बुलंद
- 8

आज का मौसम

28.0° अधिकतम तापमान

19.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.23

सूर्यास्त 05.28

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी 10:03 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 341, पृष्ठ 12+4 मूल्य 6 रुपये

AR GARMENTS
ROYAL BUSINESSES

इस सीजन की पहली वूलन सेल

सेल लगाना हमारा काम नहीं

@ROYALCOLLECTIONS8
Follow for more updates

पंजाब में बाढ़ के कारण सभी शोरूमों के आर्डर कैंसल

आर्डर पर तैयार किया हुआ न्यू फ्रेश स्टॉक अब डायरेक्ट कम्पनी द्वारा

लगभग करोड़ों रुपये कीमत तक के गारमेन्ट का समस्त स्टॉक

डायरेक्ट फैक्ट्री सेल में

सभी ब्राण्डेड गारमेन्ट पर

UPTO 85% OFF

50 टॉप क्लास ब्रान्डेड कम्पनियों के आइटम बेचे जायेंगे

बरेली के रोहिला होटल एवं स्वयंवर बैंकट हॉल में

सभी गारमेन्ट्स के रेट हमारे 100/- से 500/- तक रहेगा।

SALE सिर्फ 5 दिनों के लिए- 31 अक्टूबर, 01, 02, 03, एवं 04 नवम्बर 2025 तक

नोटः- इनके अलावा नये माल का भरपूर स्टॉक आप सेल में पायेंगे।
जीवन में ऐसा मौका बार-बार नहीं आता। अब नहीं तो फिर कभी नहीं।

हमारे यहाँ कश्मीरी शॉल, स्टॉल व लेडीज वूलन सलवार सूट के काउन्टर उपलब्ध हैं।

हमारे यहाँ VIP रेंज 600-1150 रुपये होगी। बिक्री समयः- सुबह 10 से रात 10 बजे तक GSTIN: 09ALDPR8360C1ZZ

हमारे यहां शादी व पार्टी के लिये कोट, पैन्ट, ब्लेजर के काउन्टर भी उपलब्ध है। सिलाई से कम दामों पर बेचे जायेंगे।

PARKING FREE

बिक्री स्थान-

होटल रोहिला
2 सिविल लाइन, नजदीक गांधी उद्यान, कंपनी गार्डन, बरेली

स्वयंवर बैंकट हॉल
निकट के.के. हॉस्पिटल, राजेन्द्र नगर, बरेली

ENTRY FREE

NSNH
NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL

न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल

डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन

डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ

डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन

डॉक्टर्स पैनल

डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन	डा. ओमवती एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ	डा. अहमद अली अंसारी एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ	डा. कुन्दन कुमार एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन	डा. अमन अग्रवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन	डा. निशान्त गुप्ता एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. प्रिया सिंह एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. रहबर इदरीश बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ	डा. राजा गुप्ता बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.

उपलब्ध सुविधायें :
• सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज • दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा • दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा • दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। • छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण • घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध • नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन • बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज • वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU

डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर

ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन

समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
24/7 EMERGENCY SERVICES

लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास,
निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली

हेल्पलाइन नं. : 8057953868

डीएसएम ग्रुप की चीनी मिलों पर कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही

संभल, अमृत विचार: धामपुर शुगर मिल ग्रुप की असमोली और रजपुरा स्थित शुगर मिलों पर आयकर विभाग की छापेमारी दूसरे दिन भी चलती रही। गुरुवार को मिल के कर्मचारियों को मिल परिसर में ड्यूटी पर काम करने की इजाजत दे दी। धामपुर शुगर मिल ग्रुप की धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स यूनिट असमोली और धामपुर शुगर मिल रजपुरा में दिल्ली और लखनऊ आये आयकर विभाग के 100 से अधिक अधिकारियों की टीम ने बुधवार सुबह 5 बजे से एक साथ कार्रवाई की थी। छापेमारी इतने गोपनीय तरीके से की गई कि किसी को भनक तक नहीं लगी।

सड़क, रेल व बस से मिलेगी सीधी, तेज और आरामदायक कनेक्टिविटी

नवनिर्मित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचना होगा आसान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : गौतम बुद्ध नगर के जेवर में बना नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अब यात्रियों के लिए और सुलभ होने जा रहा है। एयरपोर्ट की जल्द शुरुआत होनी है और इससे पहले सरकार ने यात्रियों, पर्यटकों और उद्योगों के लिए तेज, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल पहुंच सुनिश्चित करने हेतु मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी तैयार कर ली है।

एयरपोर्ट सीधे यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ा है, जबकि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे (बल्लभगढ़ लिंक) से हरियाणा और पश्चिम भारत से

पहुंचना और आसान होगा। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के जरिये गाजियाबाद, मेरठ और पलवल से सीधी राह मिलेगी। औद्योगिक और मालवाहक ट्रैफिक के लिए उत्तर और पूर्व एक्सेस रोड लगभग तैयार हैं, वहीं सेक्टर-28 की 60 मीटर चौड़ी सड़क को भी एक्सप्रेसवे से जोड़ दिया गया है। रेल मार्ग से भी एयरपोर्ट पहुंचने की तैयारी तेज है। दिल्ली से जेवर तक रीजनल रैपिड रेल परियोजना का डीपीआर मंजूर हो चुका है। साथ ही दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में जेवर स्टेशन का प्रावधान किया गया है। रेल मंत्रालय एयरपोर्ट को चोला-रुंधी लाइन से जोड़ने की योजना पर भी काम कर रहा है।

अंतिम माइल कनेक्टिविटी के लिए 500 इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी, जो नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना सिटी को एयरपोर्ट से जोड़ेंगी। राज्य सरकार और कई राज्यों के बीच अंतरराज्यीय बस सेवा की सहमति बन चुकी है। यात्रियों की सुविधा के लिए महिंद्रा लॉजिस्टिक्स की एनआईए ब्रांडेड कैब, साथ ही ओला, उबर, रैपिडो जैसी ऐप आधारित टैक्सी सेवाएं शुरू होने जा रही हैं। कार रेंटल और ड्राइवर सहित गाड़ियों की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

जेवर एयरपोर्ट पर लैंडिंग-टेकऑफ ट्रायल, एयरड्रोम लाइसेंस की तैयारी

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के संचालन की दिशा में बड़ा कदम गुरुवार से शुरू हो गया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की टीम यहां दो दिनों तक कैलिब्रेशन फ्लाइट ट्रायल करेगी। यह ट्रायल एयर नेविगेशन, संचार प्रणाली, रनवे लाइटिंग और सुरक्षा मानकों की जांच के लिए किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, दो दिनों में कुल पांच विमानों की टेकऑफ और लैंडिंग की जाएगी। इसमें रनवे, एप्रन, टैक्सीवे और एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम की कार्यक्षमता परखने के साथ सभी उपकरणों की सटीकता की जांच होगी। सफल ट्रायल के बाद एयरपोर्ट को एयरड्रोम लाइसेंस मिलने का रास्ता खुल जाएगा। जेवर एयरपोर्ट को नवंबर अंत तक औपचारिक रूप से शुरू करने की तैयारी है।

गंभीर कदाचार मामलों में विभागीय कार्रवाई पर रोक अनुशासन, दक्षता के लिए घातक

जब तक आपराधिक मुकदमा लंबित, तब तक कार्रवाई नहीं की जा सकती: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले में अपने आदेश में कहा कि यदि किसी सरकारी कर्मचारी पर गंभीर कदाचार के आरोप हों, तो उसके खिलाफ आपराधिक मुकदमे और विभागीय जांच दोनों कार्यवाहियां समानांतर रूप से चल सकती हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि दोषी कर्मचारी को बिना किसी परिणाम के सेवा में बने रहने की अनुमति देने से जवाबदेही की कमी की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और दोषी अधिकारी में उन्मुक्ति की भावना उत्पन्न होगी।

यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अजय भनोट की एकलपीठ ने भारत सरकार टकसाल, नोएडा में तैनात सहायक ग्रेड-III आनंद कुमार की याचिका खारिज करते हुए की। याची को 19 दिसंबर 2024 को सीआईएसएफ कर्मियों ने 20 रुपये के 13 सिक्के चुराते हुए पकड़ा था। उनके विरुद्ध 20 दिसंबर 2024 को एफआईआर दर्ज की गई और एक सप्ताह बाद निचली अदालत में आरोप पत्र दाखिल हुआ। इस बीच विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई और याची को निलंबित कर दिया गया। निलंबन को चुनौती देते हुए याची ने तर्क दिया कि जब तक आपराधिक मुकदमा लंबित है, तब तक अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की जा सकती। कोर्ट ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के हवाले से कहा कि आपराधिक मुकदमा और विभागीय जांच समानांतर रूप से चलाने पर कोई वैधानिक रोक नहीं है। विभागीय कार्यवाहियों का उद्देश्य संस्थागत अनुशासन और दक्षता बनाए रखना है, जबकि आपराधिक मुकदमे का उद्देश्य अपराध की सजा सुनिश्चित करना है। दोनों की प्रक्रिया, उद्देश्य और प्रमाण के मानक अलग-अलग होते हैं।आपराधिक मुकदमे की प्रक्रिया अधिक कठोर और विस्तृत होती है, जबकि विभागीय जांच में प्रमाण का मानक अपेक्षाकृत कम होता है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि विभागीय जांच को लंबा खींचा गया या आपराधिक मुकदमे की प्रतीक्षा में रोक दिया गया, तो दोषी कर्मचारी को लंबे समय तक वेतन लेते हुए कार्यरत रहने देने से विभागीय अनुशासन और छवि पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अंत में कोर्ट ने माना कि आपराधिक मुकदमे के लंबित रहने के आधार पर विभागीय कार्यवाही को रोकने से होने वाले दुष्परिणाम, उसे रोकने के लाभों से कहीं अधिक होंगे। कोर्ट ने आपराधिक मुकदमा और विभागीय जांच दोनों एक साथ चलाने तथा जांच तीन माह के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया।

मदरसों को शैक्षणिक मानकों से खिलवाड़ करने का लाइसेंस नहीं

प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गोरखपुर स्थित मदरसे में नीति विरुद्ध हुई नियुक्तियों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए स्पष्ट किया कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 30(1) के तहत अल्पसंख्यकों को अपने शैक्षणिक संस्थान स्थापित और संचालित करने का अधिकार अवश्य है, लेकिन यह अधिकार शैक्षणिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करने और शिक्षा के मानकों को बनाए रखने के लिए बनाए गए सरकारी नियमों से मुक्त होने का लाइसेंस नहीं है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकलपीठ ने गोरखपुर स्थित मदरसा अरबिया शम्शुल उलूम, सिकरीगंज एहता नवाब प्रबंध समिति की याचिका को स्वीकार करते हुए की, साथ ही प्रबंधक द्वारा सहायक अध्यापक के पांच और लिपिक के एक पद पर नियुक्ति हेतु जारी विज्ञापन को रद्द कर दिया।

अवैध कॉलोनी में दूरी नियम लागू नहीं

प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज की करेला बाग कॉलोनी में शराब की दुकानों को हटाने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज करते हुए कहा कि संबंधित क्षेत्र किसी "विधिवत स्वीकृत आवासीय कॉलोनी" के रूप में अधिसूचित नहीं है, इसलिए दूरी नियम लागू नहीं होते हैं। कोर्ट ने याचियों की तथ्यात्मक ईमानदारी से संतुष्ट होकर यह स्वीकार किया कि उन्हें किसी प्रकार के आर्थिक दंड से दंडित नहीं किया जा सकता है।

बाघों की दहाड़ सुनने को हो जाएं तैयार, कल खुलेंगे पीटीआर के द्वार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: बाघों की दहाड़ सुनने के शौकीनों के लिए पीलीभीत टाइगर रिजर्व के दरवाजे पहली नवंबर को खोल दिए जाएंगें। बाघों के लिए मशहूर इस जंगल में सैलानी न केवल जंगल की सैर कर सकेंगे, बल्कि यूपी के मिनी गोवा, जिसे चूका बीच के नाम से जाना जाता है, उसके दरवाजे भी सैलानियों के लिए खुल जाएंगें। चूका बीच समेत सप्त सरोवर की नेचुरल हटों में रात्रि विश्राम के साथ ही सैलानी पास के ही शारदा सागर डैम में मोटर वोट का भी लुत्फ उठा सकेंगे।

पड़ोसी देश नेपाल और उत्तराखंड से जुड़े पीलीभीत टाइगर रिजर्व का हरा-भरा जंगल अपनी समृद्ध जैव विविधता के चलते पूरी दुनिया में मशहूर है। वैसे तो पीलीभीत टाइगर रिजर्व अपने हृष्ट-पुष्ट कदकाठी के बाघों के लिए जाना जाता है। ठीक साढ़े चार माह बाद 1 नवंबर से पीलीभीत टाइगर रिजर्व में एक

मुस्तफाबाद में बना सेल्फी प्वाइंट।

बार फिर जंगल सफारी का रोमांच लौटेगा। यहां आने वाले सैलानी जंगल में हिरन, सफारी के रास्तों पर शावकों संग मस्ती करते बाघ-बाघिन और झीलों में रंग-बिरंगे प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट सुनकर रोमांचित होंगे।

पर्यटन सत्र को लेकर टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से लगभग सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पहली नवंबर को वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना नए बराही गेट से पर्यटन सत्र की शुरूआत करेंगे। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि तैयारियां पूरी हो चुकी है। 100 नेचर गाइडों को प्रशिक्षित किया गया है।

किशनपुर सेंचुरी में नि:शुल्क रहेगी पहली सफारी

भानपुर, अमृत विचार : अगर आप प्रकृति की गोद में कुछ पल सुकून से बिताना चाहते हैं या घने जंगलों में दुर्लभ वन्यजीवों को नजदीक से देखने का सपना देख रहे हैं, तो आपका इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। दुधवा टाइगर रिजर्व के भीरा स्थित किशनपुर रेंज में पर्यटन सत्र 1 नवंबर से शुरू हो रहा है। इस अवसर पर परंपरा के अनुसार पहली जंगल सफारी पूरी तरह नि :शुल्क रहेगी। किशनपुर रेंज अपनी प्राकृतिक सुंदरता, घने साल के जंगलों और वन्य जीवों की विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यहां आने वाले सैलानी न केवल बाघ, बारहसिंगा, तेंदुआ, हाथी, हिरण और विभिन्न प्रकार की तितलियां व पक्षी देख सकते हैं, बल्कि शांत वातावरण में प्रकृति के सान्निध्य का आनंद भी उठा सकते हैं।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

• 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
• बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
• आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
• कैशलेस ईलाज

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808

सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये नि:शुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

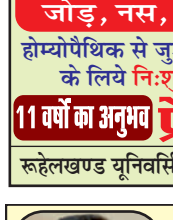

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
• प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) • गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) • गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) • पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170

डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पता:- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली

शेयर मार्केटिंग का झांसा देकर 2.95 लाख ठगे

किच्छा, अमृत विचार: सोशल मीडिया पर कम समय में ज्यादा पैसा कमाने का लालच युवक को महंगा पड़ गया। शेयर बाजार गोल्ड में पैसे लगाने का झांसा देकर तथा कथित युवती ने खुद को शेयर मार्केटिंग कंपनी का प्रतिनिधि बताकर युवक के साथ 2 लाख 95 हजार रुपये की साइबर ठगी कर दी। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई किए जाने की गुहार लगाई है।

शिकायत में कोतवाली परिसर किच्छा निवासी भुवन चंद आर्य ने बताया कि 15 सितंबर को टेलीग्राम ऐप पर रितिका_182 नाम की आईडी से युवती द्वारा खुद को शेयर मार्केटिंग कंपनी का प्रतिनिधि बताकर पैसे निवेश करने संबंधी मैसेज भेजा गया।

कृत्रिम बारिश एसओएस उपाय, मानव व पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं

संवाददाता, कानपुर/ नई दिल्ली

बारिश कराने के लिए रसायनों की बहुत कम मात्रा का होता है उपयोग

अमृत विचार: आईआईटी-कानपुर के निदेशक मनिंद्र अग्रवाल ने कहा है कि कृत्रिम बारिश (क्लाउड सीडिंग) अत्यधिक प्रदूषण से निपटने के लिए एक संकटकालीन (एसओएस) उपाय है और यह तकनीक मनुष्यों या पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं है, क्योंकि इसमें बारिश कराने के लिए रसायनों की बहुत कम मात्रा का उपयोग होता है।

अग्रवाल की टीम ने हाल ही में दिल्ली में कृत्रिम बारिश परीक्षणों का नेतृत्व किया था। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के निदेशक ने एक साक्षात्कार में कहा कि हालांकि दोनों प्रयासों से कृत्रिम वर्षा नहीं हुई, लेकिन इससे भविष्य के कार्यों के लिए मूल्यवान डेटा और वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई। उन्होंने कहा, इससे हमें कृत्रिम बारिश के लिए इस्तेमाल की गई सामग्री की मात्रा, बादलों की नमी और उनके जमीनी स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव के बीच के संबंध को समझने में मदद मिलती है। अग्रवाल ने बताया कि बादलों में नमी की मात्रा कम होने के कारण यह कवायद रोक दी गई।

आठ साल से लापता महंत मोहनदास को अब सीबीआई खोजेगी

विधि संवाददाता, नैनीताल

- न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की पीठ का अहम फैसला

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट ने अपने अहम फैसले में लगभग आठ साल से लापता महंत मोहनदास से जुड़े मामले की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की पीठ ने अपने फैसले में प्रदेश की जांच एजेंसियों की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं।

मामले के अनुसार, कनखल हरिद्वार राजघाट स्थित श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन के महंत और अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता महंत मोहनदास 16 सितंबर, 2017 को लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस से मुंबई की यात्रा करते हुए लापता हो गए थे। ट्रेन के भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंचने पर उनके शिष्य को महंत मोहनदास अपनी निर्धारित सीट पर नहीं मिले। इसके बाद, कनखल पुलिस स्टेशन में उनके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई। अदालत ने पाया कि लगभग आठ साल बीत जाने के बाद भी जांच एजेंसी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई और इस दौरान जांच को हस्तांतरित किया जाता रहा। यहां तक कि एक बार फाइनल रिपोर्ट भी लगा दी गई जिसे मजिस्ट्रेट ने खारिज कर दिया और पुनः जांच के आदेश दे दिए। इसके बाद सीबीआई जांच की मांग को लेकर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया गया। याचिकर्ता के अधिवक्ता ने दलील दी कि निष्पक्ष और उचित जांच हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और जांच एजेंसी की लापरवाही के चलते इस प्रकरण को सीबीआई को सौंपा जाना अनुच्छेद 14 और 21 के तहत आवश्यक है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
मैं रहनुमा ईनाज पत्नी श्री शुजा निजामी निवासी 58 खन्नू मोहल्ला किला बरेली की हूँ, मैं अपने वाद का निस्तारण कराने घर से व्यापार कर कार्यालय जा रही थी रास्ते में मेरा हैन्डबैग कही गिर गया जिसमें व्यापार कर से सम्बन्धित 4 फार्म - सी संख्या 0284597 से 0284600 और 1 फार्म -38 नं. EE2030263 था। जिनका प्रयोग गैर कानूनी होगा। रहनुमा ईनाज फर्म रहनुमा ट्रेडर्स मो. 7906349135

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मुझे पूर्व में सुशील कुमार के नाम से जाना जाता था। किन्तु अब मैंने अपना नाम बदलकर सुशील कुमार राठौर कर लिया है। भविष्य में मुझे अब सुशील कुमार राठौर के नाम से जाना व पहचाना जाये। सुशील कुमार राठौर पुत्र बदलू राम निवासी ग्राम मरखापुर, पो. ओयल, जिला लखीमपुर खीरी

आवश्यकता है
अनुभवी व्यक्तियों की
• लाइब्रेरियन (अनुभवी)
• लैब टेक्नीशियन (अनुभवी)
• ओ टी टेक्निशियन (फीमेल)
• नर्सिंग स्टाफ (मेल)
• कैंटीन (कुक)
• सफाईकर्मी/स्वीपर
वेतनः- योग्यतानुसार
सम्पर्क करें:-
रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड बरेली
मो:- 8077808309, 9837357497

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

बहाने बनाकर मुआवजा देने से नहीं बच सकतीं बीमा कंपनियां
- 6

यूपी वेस्ट सर्किल में जियो के 2.5 करोड़ से ज्यादा मोबाइल सब्सक्राइबर : ट्राई- 6

शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद ट्रंप ने चीन पर टैरिफ घटाकर 47 प्रतिशत किया
- 7

सूर्यकुमार के फॉर्म में लौटने के बाद दूसरे मैच में भारत के हौसले बुलंद
- 8

आज का मौसम
28.0° अधिकतम तापमान
19.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.23
सूर्यास्त 05.28

अमृत विचार
बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी 10:03 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082
शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 341, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

अमेरिका से बेहतर भारत निर्मित हार्ट स्टेंट, वैश्विक स्तर पर मान्यता

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी

- अंतर्राष्ट्रीय बाजार के अग्रणी स्टेंट की तुलना में उच्च जोखिम वाले रोगियों के लिए बेहतर कार्य किया है

भारत में निर्मित नई पीढ़ी के हार्ट स्टेंट ने अमेरिका में निर्मित अंतर्राराष्ट्रीय बाजार के अग्रणी स्टेंट की तुलना में उच्च जोखिम वाले रोगियों के लिए बेहतर कार्य किया है। इसके साथ ही संबंधित भारतीय चिकित्सा नवाचार ने वैश्विक स्तर पर एक बड़ी पहचान हासिल कर ली है।

बुधवार को यहां संपन्न हुए हार्ट रोग विशेषज्ञों के एक वैश्विक सम्मेलन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इसमें जाने-माने भारतीय हृदय रोग विशेषज्ञ एवं दिल्ली के बत्रा अस्पताल के चेयरमैन एवं डीन डॉ. उपेन्द्र कौल ने भारत में 'टक्सेडो-2' नामक एक परीक्षण के परिणाम प्रस्तुत किए, जिसमें भारत में निर्मित नई पीढ़ी के हार्ट स्टेंट 'सुप्राफ्लेक्स क्रुज' की तुलना अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अग्रणी अमेरिका के 'एक्सिएंस' नामक स्टेंट से की गई। डॉक्टर कौल के नेतृत्व में यह परीक्षण 66 भारतीय हृदय रोग केंद्रों में आयोजित किया गया। इसमें विशेष रूप से अत्यधिक जटिल स्थिति वाले रोगियों, जैसे मधुमेह व उन्नत बहु-वाहिका रोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा कि परीक्षण में शामिल 80 प्रतिशत लोगों को त्रि-वाहिका रोग था। भारतीय उपकरण के लिए परिणाम अत्यधिक सकारात्मक रहे।

भारत महिला विश्वकप के फाइनल में, द. अफ्रीका से होगा सामना

जेमिमा ने खेली 127 रन की नाबाद पारी

- सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से दी मात, 2 नवंबर को खेला जाएगा फाइनल

नवी मुंबई, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया से मैच जीतने के बाद जश्न मनातीं भारतीय महिला टीम के खिलाड़ी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रिकॉर्डबुक बदलने वाली ऐतिहासिक जीत के साथ महिला विश्व कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। जेमिमा रॉड्रिग्स ने सबसे बड़े मंच पर जीवन की यादगार पारी खेली।

उनकी नाबाद 127 रन की पारी की बदौलत भारत ने गुरुवार को सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर महिला विश्व कप के इतिहास में सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। अब 2 नवंबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच फाइनल खेला जाएगा। रॉड्रिग्स की 14 चौके जड़ित नाबाद शतकीय पारी ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड के शतक पर भारी पड़ गई जिससे भारत ने नौ गेंद रहते 341 रन बनाकर महिला वनडे में रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा कर गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पराजित कर दिया। रॉड्रिग्स को कई बार जीवनदान मिला और उन्होंने इनका पूरा फायदा उठाते हुए कप्तान हरमनप्रीत कौर (89 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 167 रन की साझेदारी निभाई जिसकी बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया के दो चरण में 15 मैच से चले आ रहे अपराजित अभियान को समाप्त किया। जीत के बाद कप्तान हरमनप्रीत और रॉड्रिग्स की आंखों में खुशी के आंसू थे। (विस्तृत खेल पेज)

मुझे टीम पर गर्व : हरमनप्रीत

जीत के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि मुझे इस टीम पर गर्व है। मेरे पास बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं। आज हम यही चर्चा कर रहे थे कि कैसी भी परिस्थिति हो टीम के लिए डटे रहना है। जेमिमा वैसी खिलाड़ी हैं जो हमेशा टीम के लिए बेहतर करना चाहती हैं। जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे तो वो मेरे लिए कैलकुलेशन कर रही थी। वो मेरा भी हौसला बढ़ा रही थीं और इसका श्रेय उन्हें जाता है।

ब्रीफ न्यूज

सीबीएसई : 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने गुरुवार को बोर्ड परीक्षाओं की तिथियों की घोषणा करते हुए बताया कि 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी 2026 से शुरू होंगी। सीबीएसई ने पहली बार परीक्षा शुरू होने से 110 दिन पहले डेटशीट जारी की है। दसवीं की परीक्षा 17 फरवरी से 10 मार्च तक और 12वीं की 17 फरवरी से 09 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। सीबीएसई ने कहा कि दोनों कक्षाओं में विद्यार्थियों द्वारा लिए जाने वाले दो विषयों के बीच पर्याप्त अंतराल दिया गया है। मूल्यांकन के दौरान, सभी विषयों के शिक्षक एक साथ और लंबे समय तक अपने विद्यालय से दूर नहीं रहेंगे।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत अगले सीजेआई नियुक्त

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति सूर्यकांत को गुरुवार को भारत का 53वां प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया गया और वह 24 नवंबर को पदभार ग्रहण करेंगे। केंद्रीय कानून मंत्रालय के न्याय विभाग ने एक अधिसूचना जारी करके उनकी नियुक्ति की घोषणा की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति गवई का स्थान लेंगे, जो 23 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत अगले 15 महीने तक प्रधान न्यायाधीश के पद पर रहेंगे।

शौर्य व संस्कृति का प्रेरणास्थल बनेगा शिवाजी महाराज संग्रहालय : योगी

मुख्यमंत्री ने की संस्कृति विभाग की समीक्षा, जनवरी तक निर्माण पूरा करने के निर्देश

- 7डी तकनीक से दिखेगी शिवाजी की 'ग्रेट एस्केप' गाथा, आधुनिक प्रस्तुति में झलकेगा स्वतंत्रता संग्राम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

संस्कृति विभाग के मंत्री और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आगरा में बन रहा छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय भारत के शौर्य, स्वाभिमान और सांस्कृतिक वैभव का प्रेरणास्थल बनेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि भवन निर्माण कार्य जनवरी तक हर हाल में पूरा किया जाए, ताकि संग्रहालय का स्वरूप समय से निखर सके।

योगी ने गुरुवार को अपने आवास पर संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि यह संग्रहालय केवल इतिहास का स्थिर प्रदर्शन न होकर भारत की गौरवगाथा का जीवंत अनुभव होना चाहिए। हर गैलरी ऐसी थीमैटिक और इंटरएक्टिव हो, जहां दर्शक सिर्फ देखने वाले न रहकर भारत की आत्मा को महसूस करने वाले सहभागी बनें। योगी ने 'शिवाजी एवं द ग्रेट एस्केप गैलरी' में 7डी तकनीक, डिजिटल साउंड और विजुअल इफेक्ट्स के माध्यम से आगरा किले से शिवाजी महाराज की ऐतिहासिक मुक्ति का सजीव चित्रण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह अनुभाग शिवाजी महाराज के स्वराज्य संकल्प और वीरता का प्रतीक बने। मुख्यमंत्री ने संस्कृति विभाग और निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिया कि परियोजना की साप्ताहिक समीक्षा करते हुए सभी कार्य निर्धारित समय सीमा और गुणवत्ता में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय आगरा की पहचान को नई ऊंचाई देगा और उत्तर प्रदेश के सांस्कृतिक गौरव का जीवंत प्रतीक बनेगा।

मुख्यमंत्री ने 'अग्रदूतों की गैलरी' में 1857 के अमर सेनानियों रानी लक्ष्मीबाई, नाना साहेब, तात्या टोपे जैसे वीरों की गाथा आधुनिक तकनीक से प्रदर्शित करने को कहा। उन्होंने कहा कि यह गैलरी उन अग्रदूतों को समर्पित होगी, जिन्होंने स्वतंत्रता की नींव रखी। इसी तरह, 'त्योहारों की गैलरी' में काशी की देव दीपावली, ब्रज का रंगोत्सव और प्रयागराज का महाकुंभ जैसे प्रमुख पर्वों को ध्वनि, संगीत, प्रकाश और रंगों के माध्यम से जीवंत रूप में दिखाया जाएगा। 'नदियों की गैलरी' में गंगा, यमुना, सरयू जैसी नदियों से जुड़ी आस्था और लोक जीवन का चित्रण होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संग्रहालय का हर स्थापत्य तत्व उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक आत्मा का प्रतिनिधि बने। उन्होंने 'आगरा गैलरी' में शहर की स्थापत्य और सांस्कृतिक विरासत को प्रमुखता से प्रदर्शित करने और 'ओरिएंटेशन गैलरी' को संग्रहालय की प्रस्तावना के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। योगी ने कहा कि संग्रहालय अतीत का संग्रह नहीं, बल्कि भविष्य के लिए प्रेरणा केंद्र बनेगा।

संग्रहालय की विशेष गैलरियां

- **शिवाजी एवं द ग्रेट एस्केप गैलरी :** 7डी तकनीक से शिवाजी की वीरता का सजीव चित्रण
- **अग्रदूतों की गैलरी :** 1857 के सेनानियों की गाथा आधुनिक तकनीक से
- **त्योहारों की गैलरी :** देव दीपावली से महाकुंभ तक, उत्सवों का जीवंत अनुभव
- **नदियों की गैलरी :** गंगा और यमुना की आस्था और लोक जीवन का सजीव चित्रण
- **आगरा गैलरी :** मुगल स्थापत्य से आधुनिक आगरा तक की झलक

कांग्रेस-राजद नेता छठी मैया का कर रहे अपमान

छपरा/मुजफ्फरपुर, एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को संरक्षण देने का लगाया आरोप
- मुजफ्फरपुर और छपरा में अपनी रैलियों में विपक्ष पर जमकर बरसे मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को बिहार में विपक्षी दल कांग्रेस-राजद गठबंधन पर छठी मैया का अपमान करने, अयोध्या में राम मंदिर से समस्याएं होने और वोट बैंक तथा तुष्टिकरण की राजनीति के लिए घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने मुजफ्फरपुर और छपरा में अपनी रैलियों में यह टिप्पणी की।

उनका यह बयान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा बुधवार को यह आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद आया है कि प्रधानमंत्री ने छठ पूजा के अवसर पर दिल्ली में यमुना में डुबकी लगाने की योजना बनाकर नाटक करने की कोशिश की, लेकिन यह बात उजागर होने के बाद इसे स्थगित कर दिया गया कि नदी अस्वच्छ होने के कारण एक गड्ढा बनाकर उसमें साफ पानी भरा गया है।

प्रधानमंत्री ने राज्य के लोगों से 'नरेन्द्र-नीतीश' गठबंधन में अपना विश्वास बनाए रखने का आग्रह किया। उनका स्पष्ट इशारा जद(यू) अध्यक्ष की ओर था, जो बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे हैं। मुजफ्फरपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, छठ पूजा अब दुनिया भर में प्रसिद्ध है और छठ के बाद यह बिहार का मेरा पहला दौरा है। यह पर्व न केवल भक्ति का प्रतीक है बल्कि समानता का भी प्रतीक है। यही कारण है कि मेरी सरकार इस पर्व को यूनेस्को विरासत का दर्जा दिलाने का प्रयास कर रही है। मोदी ने कहा, मैं यात्रा के दौरान छठ के गीत सुनता हूं। एक बार नागालैंड की एक लड़की द्वारा गाए गए इन गीतों में से एक को सुनकर मैं भावुक हो गया था। लेकिन जब आपका यह बेटा यह सुनिश्चित करने में व्यस्त है कि छठ को उसका उचित सम्मान मिले तब कांग्रेस-राजद के लोग इस पर्व का उपहास उड़ा रहे हैं और इसे नाटक, नौटंकी कह रहे हैं।

दरअसल कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को जिले में एक चुनावी रैली की थी और दिल्ली में यमुना के किनारे छठ पूजा के आयोजन का हवाला देते हुए कहा था कि एक तरफ यमुना नदी में गंदा पानी था और बगल में साफ पानी का तालाब बनाया गया था ताकि प्रधानमंत्री उसमें नहाकर 'ड्रामा' कर सकें, जबकि उन्हें छठ पूजा से कोई लेनादेना नहीं है। गांधी ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री वोट के लिए कुछ भी कर सकते हैं, यहां तक कि नाच भी सकते हैं।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर 1 से 15 नवंबर तक मनाया जाएगा भारत पर्व

गुजरात : राष्ट्रीय एकता दिवस परेड को लेकर फुल ड्रेस रिहर्सल करती पुलिस बल की टुकड़ी।

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास पुलिस टुकड़ियों की लेंगे सलामी

सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में देश में एक से 15 नवंबर तक 'भारत पर्व 2025' मनाया जाएगा। नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड की तर्ज पर हर साल 31 अक्टूबर को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्मस्थली गुजरात के एकता नगर में भव्य परेड के साथ मनाया जाएगा।

यह परेड मूलरूप से भारत की एकता की परेड होगी, जो देश के सर्वोच्च आदर्शों को जमीन पर उतारने का एक माध्यम होगी। यह वार्षिक कार्यक्रम देश के युवाओं को सरदार पटेल के सिद्धांतों और राष्ट्र के लिए उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के बारे में शिक्षित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। शुक्रवार को होने वाले समारोह के दौरान प्रधानमंत्री मोदी 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास से मार्च करती विभिन्न पुलिस टुकड़ियों की सलामी लेंगे। शुक्रवार की परेड में महिला पुलिस अधिकारी टुकड़ियों का नेतृत्व करेंगी, तथा विभिन्न राज्यों और अर्धसैनिक बलों के कर्मी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण टीम एक शानदार 'एयर शो' प्रस्तुत करेगी, जो परेड का मुख्य आकर्षण होगा। देश भर से 900 कलाकार अपनी सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने पेश करेंगे।

ऑडिशन के बहाने 17 बच्चे बनाए बंधक, आरोपी ढेर

मुंबई, एजेंसी

- मुंबई में 15 वर्ष की आयु के लड़कों और लड़कियों को आरोपी ने बुलाया था

पवई इलाके में गुरुवार को एक स्टूडियो के अंदर बंधक बनाए गए 17 बच्चों और दो व्यक्तियों को मुक्त करा लिया गया और इस अभियान के दौरान पुलिस गोलीबारी में घायल हुए आरोपी ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। बच्चों को बंधक बनाने के आरोपी की पहचान 50 वर्षीय रोहित आर्य के रूप में हुई।

आर्य पर पुलिस ने उस समय गोली चलाई जब वह 'एयर गन' से बच्चों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस उपायुक्त दत्ता नलावडे ने बताया कि टीम ने बचाव अभियान चलाया और सभी बच्चों को सुरक्षित मुक्त करा लिया। गुरुवार दोपहर एलएंडटी बिल्डिंग के पास आर ए स्टूडियो में एक घंटे से ज्यादा समय तक नाटकीय स्थिति बनी रही। आर्य ने 15 वर्ष की आयु के लड़कों और लड़कियों को एक वेब सीरीज के 'ऑडिशन' के लिए बुलाया था।

आरोपी ने वीडियो किया था जारी

पुलिस के स्टूडियो में घुसने से पहले, आर्य ने एक वीडियो जारी किया जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। आर्य ने कहा, मैं रोहित आर्य हूं। आत्महत्या करने के बजाय, मैंने एक योजना बनाई और कुछ बच्चों को बंधक बना लिया। मेरी बहुत ही साधारण मांगें हैं। बहुत ही नैतिक मांगें। मेरे कुछ सवाल हैं। मैं कुछ लोगों से बात करना चाहता हूं और उनके जवाबों के आधार पर, अगर कोई प्रति-प्रश्न हों, तो मैं उनसे पूछना चाहता हूं। तुम्हारी तरफ से जरा सी भी गलती मुझे इस पूरी जगह को आग लगाने के लिए मजबूर कर सकती है, मैं मरूं या न मरूं, बच्चों को बेवजह चोट पहुंचेगी।

कार सवार दंपत्ति ने 2 किमी दौड़ाकर गिग वर्कर को कुचला

- बेंगलुरु में दिल दहला देने वाली वारदात, टक्कर मारने के आरोप में दंपति गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु में कार सवार दंपत्ति ने जान बूझकर स्कूटी सवार एक 24 वर्षीय गिग वर्कर टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दंपत्ति ने टक्कर मारने के लिए उसका दो किमी तक पीछा किया था। गिग वर्कर्स उन श्रमिकों को कहा जाता है जिनका काम अस्थायी होता है।

हादसे में उसका दोस्त घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि बदला लेने की इस घटना को जानबूझकर अंजाम दिया गया था। 25 अक्टूबर को रात साढ़े 11 बजे पुट्टेनहल्ली थानाक्षेत्र में हुई इस घटना के सिलसिले में पति-पत्नी को गिरफ्तार किया गया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोपहिया वाहन सवारों ने पहले कार को टक्कर मारी थी, जिससे उसका साइड मिरर टूट गया था। गुस्से में आकर दोपहिया वाहन का पीछा किया था।

चेताया — पाकिस्तान से तनाव के बीच विदेश मंत्रालय का बड़ा बयान

अफगानिस्तान की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के लिए भारत प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी

- जम्मू कश्मीर पर ओआईसी के बयान को सिरे से खारिज किया

भारत ने गुरुवार को कहा कि वह अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत का यह बयान अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते संघर्ष के बीच आया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, पाकिस्तान इस बात से नाराज है कि अफगानिस्तान अपने क्षेत्रों पर संप्रभुता का उपयोग कर रहा है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान को लगता है कि उसे दंड से मुक्ति के साथ सीमा पार आतंकवाद को अंजाम देने का अधिकार है। उन्होंने कहा, इसके पड़ोसी इसे अस्वीकार्य मानते हैं। भारत अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस महीने की शुरुआत में काबुल पर पाकिस्तानी हवाई हमले के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष शुरू हो गया था। अफगानिस्तान ने हमले का कड़ा जवाब दिया जिसके बाद संघर्ष बढ़ गया।

वहीं, भारत ने जम्मू कश्मीर के बारे में इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के बयान को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि संगठन को भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि उन्हें भारत के आंतरिक मामलों पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उल्लेखनीय है कि ओआईसी ने हाल ही में एक बयान में जम्मू कश्मीर पर पाकिस्तान का राग अलापते हुए कहा था कि भारत ने जम्मू कश्मीर पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है।

चाबाहर बंदरगाह पर अमेरिकी प्रतिबंधों में भारत को मिली 6 माह की छूट

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता को लेकर चल रही कवायद के बीच चाबहार बंदरगाह पर प्रतिबंध के मामले में भारत को अमेरिका से बड़ी तात्कालिक राहत मिली है जिसमें अमेरिका ने बंदरगाह के संचालन पर लगाए गए प्रतिबंधों में छह महीने की छूट दे दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा, अमेरिका ने पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र की ईरान पर परमाणु कार्यक्रम को लेकर लगायी गई पाबंदियों के मद्देनजर भारत के चाबाहार बंदरगाह के संचालन को लेकर प्रतिबंधों की घोषणा की थी। भारत ने इस बंदरगाह को संचालन के लिए 10 वर्ष को लीज पर लिया हुआ है।

दो रूसी तेल कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभावों का अध्ययन जारी

नई दिल्ली। कच्चे तेल की उसकी खरीद किफायती कीमतों पर विविध स्रोतों से ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने पर आधारित है और वह रूसी तेल कंपनियों 'लुकोइल' तथा 'रोसनेफ्ट' पर अमेरिका द्वारा लगाए गए नवीनतम प्रतिबंधों के प्रभावों का अध्ययन कर रहा है। रणधीर जायसवाल की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब संकेत मिल रहे हैं कि भारतीय रिफाइनरी धीरे-धीरे सब्सिडी वाले रूसी कच्चे तेल की खरीद कम कर रही हैं और अमेरिका से पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर विचार कर रही हैं।

अमृत विचार

बरेली , शुक्रवार,31 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

सरदार पटेल जयंती पर होगी रन फॉर यूनिटी दौड़

आंवला ,अमृत विचार : लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर शुक्रवार को कस्बे में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा। श्री सुभाष इंटर कॉलेज मैदान में विशाल जयंती महोत्सव मनाया जायेगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने इफको अतिथि गृह में अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। दौड़ शुक्रवार को सुबह 10 बजे पुरैना चौराहे से शुरु होकर रानी अवंतीबाई लोधी तिराहा होते हुए सुभाष इंटर कॉलेज तक यह दौड़ आयोजित की जाएगी।

आठ माह से फरार तस्कर गिरफ्तार

फतेहगंज पश्चिमी ,अमृत विचार : पिछले आठ महीने से फरार चल रहे 25 हजार के इनामी वांछित शातिर स्मैक तस्कर भिटौरा निवासी अजय सिंह को मुखबिर की सूचना पर बुधवार आधी रात के बाद गिरफ्तार करके जेल भेज दिया।उसके पास से 98 ग्राम स्मैक बरामद की गई है।उसके खिलाफ 4 स्मैक तस्करी के मुकदमे दर्ज है।जबकि उसका वांछित ईनामी भाई फरार है।

कोर्ट के आदेश पर 9 माह बाद 3 पर रिपोर्ट

शीशगढ़,अमृत विचार : गत 28 फरवरी को कस्बा निवासी फिराशुद्दीन का शव बीसलपुर गांव के पास कुल्ली नदी में उतराता मिला था। इस मामले में मृतक की मां की शिकायत पर 9 माह बाद कोर्ट के आदेश पर कस्बे के अब कोर्ट के आदेश पर थाना शीशगढ़ में ताजीर उर्फ भूरा,जफीर व एक अज्ञात व्यक्ति सहित 3 लोगों के खिलाफ हत्या के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है।और पुलिस ने जाँच शुरू कर दी है।

आपसी विवाद में चले ईंट-पत्थर

भुता,अमृत विचार : :पड़ोली गांव में बिना वजह गाली देने का विरोध करने पर आपस के ही परिवारों में ईट पत्थर चल गये। मामले की तहरीर पुलिस को दी गई है। पीड़िता सोमवती में बताया गुरुवार दोपहर गांव के श्री कृष्णा व अमरपाल बेवजह उसे गाली देने लगे। इसका विरोध किया तो गांव निवासी वीरपाल व उसकी पत्नी टकोली देवी ने उसके ऊपर ईंट पत्थर फेंकने लगे जिससे वह घायल हो गई है। शोर शराबा सुन आसपास के लोगों ने बचाया । मामले का वीडियो भी वायरल है। पीड़िता ने चारों आरोपियों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है।

दो को आएगी डीएपी खाद की खेप

शीशगढ़ ,अमृत विचार : मोहल्ला कंचन कुआं निवासी नाजमा द्वारा कोर्ट को दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर थाना में रिपोर्ट दर्ज की गई है। खाद के लिए महिलाओं को भी घंटों तक लाइन में खड़ा रहना पड़ा। बाद में पता चला कि डी ए पी खाद नहीं है। सेंटरों पर एन पी के उपलब्ध है। ए आर कोआपरेटिव बृजेश सिंह ने बताया कि डीएपी की नई खेप 2 नवंबर तक आ जाएगी।

शौच को गई छात्रा से छेड़छाड़, रिपोर्ट

क्योलड़िया ,अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव के में कक्षा 10 की छात्रा सुबह शौच को गन्ने के खेत में गई थी। वहीं पर गांव का आरोपी दीपक पहले से घात लगाए बैठा था । उसने छात्रा को जबरन दबोच लिया और उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। आरोपी से छूटकर दलित छात्रा ने घर पहुंचकर घटना की जानकारी परिजन को दी। पिता ने आरोपी के खिलाफ नामजद तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं।

अवैध संबंधों को लेकर पत्नी करती थी शक, इसलिए मार डाला

फुफेरे भाई की साली से एक साल पहले ही किया था प्रेम विवाह,पुलिस कर रही पूछताछ

संवाददाता, नवाबगंज

मृतक अनीता

अरोपी पति अनिल

आरोपी देवर सचिन

- मृतका के भाई ने पति समेत पांच के खिलाफ दर्ज कराई थी रिपोर्ट

अमृत विचार : नवाबगंज थाना क्षेत्र के ओम सिटी कॉलोनी में अनीता की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उसके पति अनिल कुमार ने अपने छोटे भाई सचिन के साथ मिलकर की थी। सचिन ने भाभी को पकड़ा था, जबकि, पति अनिल ने हंसिया से उसका गला रेत कर हत्या की थी। ऐसा इसलिए किया गया क्यों कि अनिता पति अनिल पर अवैध संबंधों को लेकर शक करती थी। आए दिन घर में विवाद होता रहता था। ऐसा कहना हत्यारोपी पति अनिल का है। पुलिस दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

हाफिजगंज के कमुआ गांव निवासी अनिल ने पिछले साल नवंबर में अनीता से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद दोनों अनिल के छोटे भाई सचिन के साथ कॉलोनी में किराए के मकान में रहने लगे थे। आरोप है कि फुफेरे भाई की साली अनीता से एक वर्ष पूर्व हुए प्रेम विवाह के बाद से ही मृतका के ससुराल पक्ष के लोग कार की मांग कर विवाहिता को प्रताड़ित करते थे, जबकि मृतका के भाई ने अपनी जमीन बेच कर विवाह में 14 लाख रुपये खर्च किए थे। इनमें 10 लाख रुपये नकद और 4 चार लाख रुपये अन्य कार्यों में खर्च किए गए थे। मृतका का पति उसे धमका कर कई बार हजारों रुपये भी ऐंठ चुका था और मांग पूरी न होने से खिन्न होकर ही ससुरालियों ने उसकी गला रेत कर हत्या कर दी।

उधर, पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान आरोपी अनिल ने बताया कि उसकी पत्नी आए दिन उस पर शक करती थी। इसके कारण घर में रोजाना विवाद होता था। वह उसे सफाई पेश करता था मगर वह एक भी न सुनती थी, इसलिए उसने अनीता को रास्ते से हटाने का मन बनाया। थाना प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि हत्या के बाद उसे लूट का रंग देने के लिए गेट में ताला डालकर दोनों आरोपी भाई मौके से फरार हो गए। आस पड़ोस में आबादी न होने के कारण किसी को इसकी भनक नहीं लगी। दोनों ने अनीता की हत्या के बाद अनीता का मोबाइल किसी रोडवेज की बस में फेंक दिया था। इसकी बरामदगी का पुलिस प्रयास कर रही है। पुलिस का कहना है कि मोबाइल की काल डिटेल निकलवाई जा रही है, जिससे मामला और साफ हो सके। पुलिस को मिले सुरागों से पता चला कि अनीता शारीरिक रूप से काफी मजबूत थी और पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही थी। घर में बिखरा सामान और मुड़ा हुआ हंसिया बयां कर रहा है कि उसने आखिरी सांस तक हमलावरों से मुकाबला किया था।

बिजलीघर में आग, 50 गांवों की बिजली गुल

आंवला,अमृत विचार: गुरुवार की दोपहर को बिजली घर की मशीन में आग लगने से ग्रामीण क्षेत्र के करीब 50 गांवों की सप्लाई गुल हो गयी। जिससे उपभोक्ताओं को पानी समेत विभिन्न आवश्यक वस्तुओं को लेकर परेशानियों का सामना करना पडा।

आंवला 132 केवी उपकेन्द्र परिसर में ही ग्रामीण विधुत उपकेन्द्र संचालित है। जिसमें 5 पोषकों से आंवला तेल डिपो, 50 से अधिक गांव और नलकूपों को सप्लाई दी जाती है। दोपहर करीब एक बजे अचानक इनकमिंग में फ्लैश ओवर हुआ तो सप्लाई बंद कराई और आग बुझाई तब तक एक पोषक और केबल बॉक्स भी जल गया। बिजली घर के टांडा, सेंधा पोषक से जुडे टांडा, दलीपपुर, देवपुर, सेंधा, सेंधी, मोतीपुरा, पथरी, मोहम्मदपुर पथरा, नगरिया देहजब्ती, हरुनगला, नैनपुर, अतरक्षेडी, सादुल्लागंज, ढकौरा, जगमनपुर, करपिया ब्रह्मानन, मेंहदी नगला आदि गांवों को सप्लाई दी जाती है।

दूसरे दिन भी आयकर टीम की चली पड़ताल

सम्भल जिले के नंबर की कार चीनी मिल में जाते हुए। ● अमृत विचार

संवाददाता, मीरगंज:

अमृत विचार : धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स चीनी मिल में बुधवार से चल रही आयकर विभाग की पड़ताल गुरुवार को भी जारी रही। इस दौरान राजस्थान से आए सरिया भरे ट्रक को मिल में प्रवेश दिया गया।

पिछले 38 घंटे से निरंतर शिफ्टों के हिसाब से फाइनेंस अकाउंटसों के अभिलेखों को चैक कर जांच की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि आयकर अधिकारियों ने बुधवार की रात चीनी मिल के सभी विभागों के अधिकारियों को अपने साथ रखा। बुधवार की रात आयकर अफसरों ने वीआईपी गेस्ट हाउस और कुछ अफसरों ने अकाउंट्स रूम व चालकों ने वीआईपी रूम के बगल में बने बैचलर में रात बिताई। पड़ताल अभी जारी है।

सूत्रों की माने तो टीम ने टैक्स और जीएसटी से जुड़े कई अभिलेखों, लेनदेन और बही खातों को कब्जे में लिया है। जांच कई चरणों में चल रही है, जिसमें रात्रि और दिन दोनों समय अलग-अलग टीमें शिफ्टों में काम कर रही हैं। अब तक आयकर विभाग की ओर से मीडिया को किसी भी प्रकार का आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। मिल की ओर से भी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

नये कानून में संबंधित नहीं, किसी भी थाने में दर्ज करवा सकते हैं रिपोर्ट

संवाददाता, बरेली

- पुलिस ने कानून एवं अधिकारों के प्रति चलाया जागरूकता अभियान

अमृत विचार : कानून एवं अधिकारों के प्रति युवाओं को सचेत करने के उद्देश्य से जिले में पुलिस विभाग ने विशेष कानूनी जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत अधिकारी स्कूलों और कॉलेजों में जाकर विद्यार्थियों को नए कानूनों, साइबर सुरक्षा, महिला अधिकारों और सामाजिक अपराधों के प्रति सजग रहने की जानकारी दे रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि विद्यार्थी समाज का भविष्य हैं, इसलिए उन्हें अपने अधिकारों व कर्तव्यों की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। स्वयं जागरूक बनें और दूसरों को भी जागरूक करें— यही अभियान का मुख्य संदेश है।

फरीदपुर में गुरुवार को किसान इंटर कॉलेज में हुए कार्यक्रम में सीओ संदीप सिंह व इंस्पेक्टर राधेश्याम ने नये तथा संशोधित हुए कानूनों व उनके नियमों के बारे में छात्रों को जागरूक किया। सीओ ने बताया कि नए कानून व्यवस्था में लिंगभेद को भी समाप्त किया गया है। पहले जहां किसी भी घटना के संदर्भ में संबंधित थाने परही फिर दर्ज करने को जाना होता था अब व्यक्ति घटना होने पर जीरो अथवा घर बैठे ही यूपी कॉप एप के माध्यम से ई एफआईआर कर सकता है। विशेष परिस्थितियों में जीरो एफआईआर का भी प्रावधान है

फतेहगंज पूर्वी में बच्चों को नए कानून की जानकारी देते पुलिस अफसर।

सीओ ने बच्चों को पढ़ाया कानून का पाठ

मीरगंज में गुरुवार को संत मंगलपुरी इंटर कॉलेज में क्षेत्राधिकारी अजय कुमार, थाना प्रभारी प्रयागराज सिंह तथा कस्बा इंचार्ज पंकज कुमार ने छात्र-छात्राओं को कानून का पाठ पढ़ाया तथा छात्र-छात्राओं को आईपीसी तथा बीएनएस के संबंध में जानकारी दी। कानून संबंधी जागरूकता शिविर में कॉलेज के उप प्रबंधक बाबा अरविंद गिरी, प्रधानाचार्य सोनू गुप्ता, उप प्रधानाचार्य सुभाष गंगवार, शेर सिंह आदि ने भाग लिया।

फतेहगंज पूर्वी में इंस्पेक्टर ने स्कूली बच्चों को यातायात के नियमों का भी उल्लेख करते हुए उनका पालन करने की अपील की । इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य के अलावा समस्त स्टाफ तथा दरोगा सुनील चौधरी,लक्ष्मी नारायण सिंह समेत पुलिस बल भी मौजूद रहा ।

भुता में थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने चौधरी हरनाम सिंह महाविद्यालय में एक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर एक जुलाई से प्रभावित तीन नए कानूनों की जानकारी दी।

शेरगढ़ में थाना पुलिस ने नये आपराधिक कानूनों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया। मंडल विद्यालय व लाजपत राय इंटर कॉलेज में छात्र-छात्राओं को जागरूक किया।

टीम के साथ पहुंचे इंस्पेक्टर क्राइम सत्य सिंह ने छात्र-छात्राओं को मेहनत के साथ शिक्षा ग्रहण करने को प्रेरित करते हुए राष्ट्र निर्माण में भागीदारी की अपील की। इस मौके पर प्रधानाचार्य डॉ कल्याण राय श्रीवास्तव संजीव कुमार शर्मा,राहुल पुंडीर, राजबाला, शिव ओम सिंह, सपना देवल, शिखा गंगवार, सोनी देवल, अलका गंगवार आदि रहे।

मोपेड पर सवार महिला की ट्रक से कुचलकर मौत

फरीदपुर, अमृत विचार। रिश्तेदारी से पति व पोती के साथ मोपेड पर वापस लौट रही महिला को ट्रक ने कुचल दिया इससे मौके पर ही महिला की मौत हो गई। कस्बे के मोहल्ला नहर कोठी निवासी अफजल मजदूरी करते हैं। वह पत्नी व पोती के साथ आंवला क्षेत्र में स्थित रिश्तेदारी में गए थे। जहां से गुरुवार की सुबह वह सभी को लेकर वापस लौट रहे थे। बुखारा मोड़ पर पहुंचते ही उनकी मोपेड ट्रक की चपेट में आ गई। इससे तस्मीलन(58) ट्रक के पहिये के नीचे आ गई और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। अफजल व पोती को भी चोटें आईं। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया।

पति को खाने में नशा देकर दुल्हन सामान सहित फरार

फरीदपुर,अमृत विचार : पति को खाने में नशा देकर नई नवेली दुल्हन रात में घर के जेवरात और नगदी लेकर फरार हो गई। होश आने पर पीड़ित ने डायल 112 पर सूचना दर्ज कराने के बाद कोतवाली फरीदपुर में भी तहरीर दी है। फरीदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम खल्लपुर निवासी सचिन पुत्र गंगाराम ने बताया कि वह लगभग दो माह से देहरादून में मिस्त्री के साथ मजदूरी करता है वहां उसकी मुलाकात अलका नाम की महिला से हुई उसने मीनाक्षी से 26 अक्टूबर को उसकी शादी करवाई। मीनाक्षी भी देहरादून की रहने वाली थी। शादी के बाद हुई दावत के लिए 70 हजार रुपये अलका ने लिये थे। जब वह नई दुल्हन को घर लाया। बुधवार को पति पत्नी ने साथ खाना खाया और सो गया। रात एक बजे उसकी आंख खुली तो दुल्हन बिस्तर से गायब थी। घर में देखा तो सोने और चांदी के आभूषण सहित मंगलसूत्र, बाली,कुंडल, पायल, 2900 नगद भी ले गई।

पुलिस व बैंकिंग क्षेत्र में करियर बनाने के दिए टिप्स

संवाददाता, भोजीपुरा

अमृत विचार: राजकीय हाईस्कूल अलीनगर में करियर मेले का भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख भोजीपुरा योगेश पटेल ने किया।

मेले में विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में करियर की संभावनाओं और उन्हें हासिल करने के मार्गों की जानकारी दी गई। साथ ही सरकारी एवं निजी नौकरियों की उपलब्धता, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और कौशल विकास के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

कार्यक्रम में उपनिरीक्षक अरुण कुमार , इंडियन बैंक प्रबंधक , अश्विनी कुमार, डा अरुण यादव, डा. रविंदर गंगवार, स्टाफ नर्स विनीता सिंह तथा डॉ. संदीप आर्य ने विद्यार्थियों को पुलिस विभाग बैंकिंग विभाग एवं चिकित्सा विभाग में करियर बनाने के संबंध में प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि सही दिशा में सतत प्रयास और दृढ़ संकल्प से सफलता निश्चित मिलती है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. हरीशंकर गंगवार ने विद्यार्थियों को करियर निर्माण के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिए। ब्लाक प्रमुख ने कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए लक्ष्य निर्धारण और योजनाबद्ध प्रयास आवश्यक हैं।

इस अवसर पर कमलेश कुमारी गंगवार, प्रधान करम खान, बीडीसी मोहम्मद अफजल खान, आदि रहे।

कालेज में हुआ स्वच्छता ही सेवा है कार्यक्रम

मीरगंज, अमृत विचार : राजेंद्र प्रसाद डिग्री कॉलेज में स्वच्छता ही सेवा 2025 विशेष अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्राचार्य प्रोफेसर एस के सिंह ने किया, जिन्होंने स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया और छात्रों से इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी बी के प्रधान और रोवर्स एवं रेंजर्स प्रभारी डॉ ममता रंजन के निर्देशन में रोवर्स एवं रेंजर्स के छात्रों ने कॉलेज परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। छात्रों ने परिसर के विभिन्न हिस्सों में जाकर सफाई की, कूड़ा इकट्ठा किया और स्वच्छता का संदेश फैलाया।

चरागाह की भूमि से अवैध कब्जा हटवाया

नवाबगंज,अमृत विचार : क्षेत्र के गेला टांडा गांव में चरागाह के नाम से सुरक्षित पड़ी कृषि भूमि पर खड़ी गन्ने की फसल को गुरुवार को तहसील प्रशासन ने कटवा डाला और उसे अपने कब्जे में लेकर जल्द ही उसकी नीलामी कराने की बात कही। गांव की इस चरागाह की भूमि को गांव के दबंग लोगों ने सांठ गांठ कर अपने नाम दर्ज करा लिया था तहसील दिवस में इसकी शिकायत देवेंद्र गिरी और कृष्णा गिरी ने की थी। गुरुवार को नायब तहसीलदार दिवाकर सिंह ने राजस्व टीम के साथ गांव पहुंचकर चरागाह की जमीन में खड़ी गन्ने की फसल को कटवा दिया।

मंगलसूत्र छीन कर भाग रहे युवक को महिला ने दौड़ाकर पकड़ा

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : साप्ताहिक बाजार में मंगल सूत्र तोड़कर भाग रहे युवक को महिला ने खुद दौड़कर पकड़ा। उससे मंगलसूत्र छीना और युवक को पुलिस के हवाले कर दिया।

गांव बल्लिया निवासी सोनी पति के साथ साप्ताहिक बाजार में खरीददारी करने आई थी।खरीददारी करते समय एक स्नेचर युवक महिला के गले से मंगल सूत्र तोड़कर भागने लगा। सोनी ने दौड़कर युवक को पकड़ लिया। युवक ने खुद को छुड़ाने का प्रयास किया लेकिन गोद में बच्चा होने के बाद भी युवक महिला के चंगुल से छूट नहीं पाया। सोनी युवक को घसीटकर पास में स्थित पुलिस चौकी ले आई और वहां युवक को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस पूछताछ कर रही है।

न्यूज डायरी

हिटर्स इलेवन ने स्पार्टन स्ट्राइकर्स को हराया,बनी चैंपियन

बिथरीचैनपुर, अमृत विचार : भरतौल में चल रहे भरतौल प्रीमियर लीग (बीपीएल) सीज़न-3 का फाइनल मैच वेहद रोमांचक रहा।फाइनल मैच में हिटर्स इलेवन ने स्पार्टन स्ट्राइकर्स को 105 रनों से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया।पहले बल्लेबाज़ी करते हुए हिटर्स इलेवन की ओर से विपिन पटेल ने नाबाद 111 रन बनाए। उनके बाद सचिन पटेल ने भी 47 रनों का अहम योगदान दिया। टीम ने निर्धारित 12 ओवरों में 186रन बनाए।जबकि, स्पार्टन स्ट्राइकर्स की टीम केवल 87 रन पर ही सिमट गई। मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान प्रवेश कुमारी ने विजेता टीम हिटर्स इलेवन को 11 हजार रुपये एवं ट्रॉफी। फाइनल में पहुंची स्पार्टन स्ट्राइकर्स को 5 हजार रुपये मेडल एवं ट्रॉफी दीं। मैन ऑफ द मैच एवं मैन ऑफ द सीरीज़ सचिन पटेल को साईकल दी गयी। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज़ विपिन पटेल,गेंदबाज़ विशाल अग्निहोत्री, फील्डर अतुल पटेल रहे। इस दौरान विवेक गंगवार (सचिव), कमल किशोर (डीपीआरओ), महेन्द्र सिंह (उपनिदेशक पंचायत, बरेली) उपस्थित रहे।

मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण अभियान के बारे में दिया गया प्रशिक्षण

नवाबगंज, अमृत विचार : गुरुवार को मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत तहसील सभागार में बीएलओ को प्रशिक्षण दिया गया। एसडीएम उदित पवार ने बीएलओ से बूथ स्तर पर सत्यापन कार्य गंभीरता से करने व पात्र मतदाताओं के नाम शामिल करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र नागरिक वोट से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम में निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी व सभी बीएलओ उपस्थित रहे। उन्होंने यह भी कहा कि वोट बनाने के दौरान बीएलओ किसी के दबाव में आकर काम न करें।

फसल लागत का डेढ़ गुना मूल्य घोषित करने की मांग

मीरगंज, अमृत विचार : तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के किसानों की गुरुवार को पंचायत कर गन्ना पेराई सत्र 2025-26 के लिए घोषित मूल्य को किसानों के हित में न बताते हुए इसका विरोध दर्ज कराया। किसानों ने अपनी आठ सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम आलोक कुमार को सौंपा। पंचायत की अध्यक्षता हरवीर सिंह ने की और संचालन हरपाल सिंह ने किया। ज्ञापन में कहा गया है कि सरकार द्वारा घोषित गन्ना मूल्य किसानों की लागत के अनुरूप नहीं है।किसानों ने स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार फसलों के लिए डेढ़ गुना लागत मूल्य घोषित करने की मांग की। ज्ञापन में किसानों नेकहा है कि समाज सेवी समूह कहलाने वाले सांसद, विधायक और मंत्रियों द्वारा जनता से लिए गए टैक्स के धन के अनुचित उपयोग पर रोक लगाई जाए। किसानों के लिए किसान वेतन आयोग के गठन और एमएसपी कानून को लागू करने की भी मांग की। इस मौके पर शोभा धरम, शंकर गौतम, रौशनलाल, सुरेंद्र प्रताप सिंह समेत कई किसान नेता मौजूद रहे।

नगरिया कलां में भागवत कथा से पहले यज्ञ में डाली आहुति

शेरगढ़ अमृत विचार : के ग्राम नगरिया कलां में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन बृहस्पतिवार को फिरोजाबाद से पधारीं कथावाचक पूनम शास्त्री ने शिव विवाह का प्रसंग सुनाया। इस दौरान मनमोहक झांकियों के बीच कथा का प्रसंग सुनाया। राम विवाह और राम वन गमन की कथा का करुणामई प्रसंग सुनकर श्रोतागण भाव-विभोर हो गए। सुबह की बेला में आयोजित होने वाले यज्ञ को आचार्य आदेश शास्त्री ने मंत्रोचारण के साथ विधि विधान से पूजा अर्चना कर संपन्न कराया। यज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पुण्य आहुति दी। । इस दौरान श्रद्धालुओं ने परिक्रमा कर आरती उतारी और भगवान शिव से सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर चौधरी जसवंत सिंह, कल्याण राय श्रीवास्तव, पवित्र श्रीवास्तव, पप्पू प्रजापति, सत्यपाल शर्मा, सरोज शर्मा, सर्वेश कुमारी, सुंदरी शर्मा, देवेंद्र राठौर, नत्थूलाल कश्यप, रमेश चंद्र श्रीवास्तव, छदम्मी लाल राठौर, प्रदीप सिंह, भुवन चंद्र राठौर आदि रहे।

परेशानी | बहेड़ी-शीशगढ़ मार्ग पर चलने वाली 14 बसों के पहिये थमे, लोगों को आवाजाही में हो रही है दिक्कत

अवैध ऑटो की बढ़ती संख्या ने बसों का संचालन किया बंद

संवाददाता, मानपुर

अमृत विचार: शीशगढ़ बहेड़ी रोड पर बढ़ते अवैध टैंपो और ई - रिक्शा के बढ़ते संचालन ने इस मार्गपर चलने वाली बसें चलन से बाहर हो गई हैं। बसें नहीं चलने से बस चालक परिचालको, क्लीनर के सामने रोजी का संकट खड़ा हो गया है। बस के नहीं चलने से सरकार को हर साल मिलने वाला लाखों का राजस्व भी नहीं मिल पा रहा है।

शीशगढ़ से बहेड़ी की दूरी 23 किमी है। इस मार्ग पर आमजन की सुविधा के लिए 14 बसों का संचालन होता था। अब इस मार्ग पर अवैध टैंपो के संचालन व बढ़ते ई - रिक्शा से बसों को सवारियां मिलना बंद हो गई जिससे बस स्वामियों का घाटा होने लगा था। इससे चलने वाली सभी 14 बसों का संचालन बस मालिकों ने बंद कर दिया है।

स्कूल प्रबंधक धर्म सिंह बताते हैं कि बसों का संचालन बंद होने से आमजन को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बसों का संचालन जल्द शुरू होना चाहिए।

मानपुर के प्रधान प्रताप सिंह शीशगढ़ - बहेड़ी रोड पर चलने वाले अवैध वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही कर बसों का संचालन शुरू होना चाहिए जिससे यात्री सुरक्षित यात्रा कर सकें।

सालाना 14 लाख रुपये के राजस्व का नुकसान, चालक व परिचालक भी हुए बेरोजगार

शीशगढ़ : बहेड़ी बस यूनियन अध्यक्ष शकील अहमद ने बताया कि सरकार को प्रत्येक वर्ष सभी 14 बसों से फिटनेस, बीमा व टैक्स आदि के रूप में लगभग 14 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त होता है। विभागीय अधिकारियों से शिकायत के बाद भी अवैध टैंपोओ के विरुद्ध कार्यवाही के नाम पर मात्र खानापूर्ति कर दी गई। बस संचालन बंद होने से सरकार को हर साल मिलने वाला राजस्व भी बंद हो गया है। यूनियन के सचिव मौलाना तौकीर अहमद जाफरी ने बताया कि प्रत्येक बस पर तीन लोगों (चालक, परिचालक व क्लीनर) का स्टाफ काम करता है। एक वर्ष से अधिक से बसों का संचालन बंद होने से स्टाफ सहित बस स्वामियों के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है जिससे स्टाफ मजदूरी करने को मजबूर है।

मीरगंज से बरेली तक इलेक्ट्रिक बसें चलाने की उठाई मांग

मीरगंज : कस्बे से सीधे कोई समुचित साधन न होने की वजह से लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बृहस्पतिवार को एसडीम आलोक कुमार को लादेन मंसूरी ने मीरगंज से बरेली तक इलेक्ट्रिक बस चलाने की मांग करते हुए प्रार्थना पत्र दिया है। बताया कि बरेली से मीरगंज की दूरी 42 किलोमीटर है। बरेली से फतेहगंज पश्चिमी तक सिटी बस चलाई जा रही हैं मीरगंज से बरेली रोजाना छात्र-छात्राएं और महिलाएं दिहाड़ी मजदूर वर्ग और अधिवक्ता और शिक्षक कर्मचारी रोज अप डाउन (आते जाते) करते हैं। मीरगंज मुख्यालय पर तहसील, सीएचसी, गन्ना शुगर मिल, बीएड, आईटीआई, बीटीसी व अन्य दर्जनों कॉलेज हैं। उन्होंने मीरगंज में कोई पैसेंजर ट्रेन नहीं होने की बात कहते हुए मीरगंज-बरेली- मीरगंज तक इलेक्ट्रिक बसें चलाने की मांग की है।

न्यूज ब्रीफ

महिषासुर वध का प्रसंग सुनाया

बरेली, अमृत विचार : डेंटल कॉलेज रोड स्थित निर्वाण नगर में मां मनोकामना वैष्णो धाम मंदिर में चल रही नौ दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत कथा के सातवें दिन गुरुवार को कथा व्यास पंडित त्रिपुष्कर शास्त्री ने नर-नरायण, भक्त प्रहलाद, भगवती के द्वारा महिषासुर का वध करने का प्रसंग सुनाया। राजेश प्रकाश अग्रवाल, मुक्त सक्सेना, विकास वर्मा, कमल प्रकाश अग्रवाल, अजय कुमार शर्मा, वैभवदीप गुप्ता, राजकुमार अग्रवाल, दीपक शंखधार आदि मौजूद रहे।

पटेल जयंती पर होंगे भव्य कार्यक्रम

आज रन फॉर यूनिटी का होगा आयोजन, सीडीओ ने बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती पर जिले में भव्य कार्यक्रम होंगे। इस संबंध में सीडीओ देवयानी ने गुरुवार को विकास भवन में बैठक कर कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने अफसरों से कहा कि सरदार पटेल की जयंती सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का पर्व है। युवाओं को उनके विचारों से जोड़ना आज के समय की जरूरत है। सीडीओ ने कहा कि शहर में देश की एकता, अखंडता का संदेश देने के लिए शुक्रवार सुबह 9 बजे पटेल चौक से रन फॉर यूनिटी का शुभारंभ होगा, जो पटेल चौक से निकलकर चौकी चौराहा, गांधी उद्यान होते हुए बरेली कॉलेज में जाकर समाप्त होगी। जिसमें स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राएं, युवक मंगल दल, एनसीसी कैडेट्स, सामाजिक संगठन और शहर के लोग शामिल होंगे। समापन पर बरेली कॉलेज में मुख्य कार्यक्रम होगा, जहां स्वदेशी मेला, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाएगा। कॉलेज परिसर में प्रदर्शनी भी आयोजित होगी। इस मौके पर निबंध, भाषण, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन होगा। 31 अक्टूबर से 25 नवंबर तक पूरे जनपद में विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों की श्रृंखला चलेगी। सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह, एडीएम सिटी सौरभ दुबे, एसपी ट्रैफिक मो. अकमल खान, जिला विकास अधिकारी दिनेश कुमार यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक अजीत सिंह, उपायुक्त उद्योग विकास यादव, उपनिदेशक माई भारत पुष्पा सिंह आदि मौजूद रहे।

विकास भवन में अधिकारियों के साथ बैठक करतीं सीडीओ देवयानी। ● अमृत विचार

इस्कॉन मंदिर में गोमाता की पूजा और अर्चना की

रिठौरा। मुंडिया अहमदनगर स्थित इस्कॉन मंदिर स्थित गोशाला में वृहस्पतिवार को हिंदू जागरण मंच के दर्जनों गो सेवकों ने गोशाला में विशेष गो पूजन कर गोवंश को गुड़ खिला कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर आशीष पटेल,गोपी पटेल,अभिषेक कश्यप,सुरेंद्र पटेल,कमल भास्कर,तरुण गुप्ता,सुरेंद्र गंगवार, शिवम पटेल,विवेक आदि रहे।

संगठन सदस्यों ने गाय को गुड़ खिलाई।

सिटी गोशाला की अधूरी चहारदिवारी बनाई जाएगी

सिटी गोशाला में आयोजित कार्यक्रम में बेहतर प्रस्तुति पर पुरस्कार प्रदान करते विधायक।

बरेली, अमृत विचार : बरेली गोशाला समिति की ओर से संचालित सिटी गोशाला में गुरुवार को गोपाष्टमी के मौके पर हवन पूजन हुआ। मुख्य अतिथि कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने पूजन करने के बाद गोमाता की पूजा की। विधायक ने गोशाला की अधूरी पड़ी चहारदिवारी के कार्य का शिलान्यास किया।

बाकरगंज स्थित गोशाला में राधा संकीर्तन मंडल के सेवादारों ने भजन कीर्तन किया। राधा माधव पब्लिक स्कूल की छात्र-छात्राओं ने भगवान श्रीकृष्ण व राधा की वेशभूषा में नृत्य प्रस्तुत किया। विधायक ने गोसेवकों को सम्मानित किया। वनमंत्री डॉ. अरुण कुमार ने टीम को गोपाष्टमी की बधाई दी। विधायक ने राधा माधव पब्लिक स्कूल के बच्चों को पुरस्कृत किया। गोशाला समिति अध्यक्ष राजीव बूबना आदि रहे।

विदेशी सामान का करें बहिष्कार, स्वदेशी अपनाएं

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : महिला आयोग की प्रदेश अध्यक्ष डा. बबीता सिंह चौहान ने महिलाओं को स्वावलम्बी होने के साथ प्रधानमंत्री के वोकल फार लोकल अभियान की सफलता के लिए विदेशी सामान का बहिष्कार कर स्वदेशी अपनाने का नारा दिया । श्रीमती चौहान ने कहा कि महिलाओ को अपनी शक्ति को पहचानना होगा और इस अभियान में बढ़चढ़ कर भागीदारी कर सभी को स्वदेशी अपनाने के लिए प्रेरित करना होगा ।

स्टेशन रोड स्थित बारात घर में हुए सम्मेलन में महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में महिला आयोग की सदस्य कविता पाण्डेय, विधायक डा. एम पी आर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, नीरेन्द्र सिंह राठौर, पालिकाध्यक्ष प्रेमलता राठौर , ब्लाक प्रमुख प्रज्ञा गंगवार, डा. एके गंगवार, कार्यक्रम संयोजक डा. मीनाक्षी गंगवार, महिला मोर्चे की . जिलाध्यक्ष स्वाति गंगवार, श्रुति गंगवार, दमखोदा प्रमुख स्नेहलता, किरन पटेल, सुभाषिनी जैसवाल, डा0 पूजा गंगवार, चौधरी देवेन्द्र सिंह , अंकित शुक्ला, विमला शुक्ला, मीरा गंगवार,पूरन लाल लोधी, सभासद कविता शर्मा, अनामिका गुप्ता, प्रशंसा शर्मा, सविता उपाध्याय, केशव गुप्ता, नीतिश उपाध्याय, अरविन्द शुक्ला व सरला गंगवार आदि रहीं।

कार्यक्रम को सम्बोधित करतीं महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ .बबिता सिंह

14 लाख का बैग लौटाने वाला परिवार सम्मानित

आंवला, अमृत विचार : लठैता मोहल्ला निवासी एक परिवार ने करीब 14 लाख रुपये कीमत के जेवर और नकदी से भरे बैग को लौटाने का काम करने पर गुरुवार को आंवला बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने घर पहुंचकर परिवार को सम्मानित किया।

तीन दिन पूर्व मोहल्ला कालीधाम निवासी भोलेराम पुरैना से घर लौट रहे थे। रास्ते में उनका बैग गिर गया था। बैग में करीब 10 तोला सोने, आधा किलो चांदी के जेवर और 40 हजार रुपये नकद थे। वह बैग मोहल्ला लठैता निवासी सपले सिंह चौहान को मिला। उन्होंने भोलेराम को सूचित किया और घर बुलाकर बैग लौटा दिया। इस ईमानदारी के कार्य के बाद बार एसोसिएशन के अधिवक्ता अतुल सिंह, मनोज चौहान, इंद्रभान सिंह सहित अन्य सदस्यो ने सपले सिंह व उनकी पत्नी निर्मला चौहान को सम्मानित किया।

अधिवक्ताओं ने दंपती को सम्मानित किया।

राधा रानी दया कीजिए, बरसाना बुला लीजिए

बरेली, अमृत विचार : अखिल भारतीय श्री राधा माधव संकीर्तन मंडल की ओर से गुरुवार को सुबह का सत्र श्री हरि मंदिर में और शाम को अंतिम विदाई सत्र स्पर्श लान में हुआ। बाहर से आये भक्तों और संतों का रवि छाबड़ा ने स्वागत किया। डॉ. मनमोहन गोस्वामी ने गोपाष्टमी पर बताया कि गोचरण भी एक गायत्री मंत्र है, ठाकुर जी गो चरण लीला करते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ सुनील मलिक ने गणेश वंदना और हरी नाम संकीर्तन कर किया। सोनीपत से आए राजीव शास्त्री ने आईना देखकर घनश्याम मुस्कुराने लगे, अमृतसर से आए जतिन ने राधा रानी दया कीजिए, बरसाना बुला लीजिए आदि भजन गाए। मीडिया प्रभारी जगदीश भाटिया ने बताया यह वार्षिक संकीर्तन महोत्सव देश में सभी जगह-जगह होते रहते हैं, जहां पर बाहर से आए हुए लोग अपने भजनों के माध्यम से हाजिरी लगाते हैं ।

आरती कर प्रसाद का वितरण किया गया। गिरधर गोपाल खंडेलवाल, सुनील मलिक, युधिष्ठिर मलिक, चमन लाल वर्मा, शिव कुमार अग्रवाल, संजय मेहरोत्रा, राधेश्याम पांडे आदि ने भी भजन गाए।

हरि मंदिर में अखिल भारतीय श्री राधा माधव संकीर्तन मंडल के 58 वें वार्षिक उत्सव में मौजूद श्रद्धालु। ● अमृत विचार

आनंद आश्रम में मनाया गोपाष्टमी पर्व

बरेली, अमृत विचार: रामपुर गार्डन स्थित आनंद आश्रम में गुरुवार को गोपाष्टमी पर्व मनाया गया। पंडित सचिन ने पूजन करवाया। गोशाला में गायों को गुड़, चना, हरा चारा, केले खिलाने के बाद उनकी आरती उतारी गई। मंत्री अनिल अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, प्रेम शंकर अग्रवाल, अजय मेहरोत्रा, विवेक अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

गोपूजन करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

कार्तिक महोत्सव में पंजाब के गायकों ने भजनों से बांधा समा

बरेली, अमृत विचार : मॉडल टाउन स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर में चल रहे कार्तिक महोत्सव के पांचवें दिन गुरुवार को पंजाब से आए भजन गायक यशु बजाज और लवी ने एक शाम ठाकुर-ठकुरानी के नाम भजन संध्या में प्रस्तुति दी। उन्होंने चलो मन बरसाने की ओर, किथों ने रंगइया अंखिया पुछदिया सारिआं, आपसे श्याम सुन्दर गिला क्या करे, आप तो हमको हरदम बुलाते रहे आदि भजन प्रस्तुत किए, जिसे सुनकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। इससे पहले शाम को आंवला नवमी मंदिर के मुख्य पुजारी नरेश मिश्रा ने आंवला के वृक्ष का विधि विधान से पूजन करवाया। सह सचिव अजय अरोरा ने बताया शुक्रवार को दिल्ली से आ रहे मनीष चौहान भाग दौड़ के जीवन में कैसे जीवन जिएं के विषय पर चर्चा की जाएगी। उमेश धमीजा, संजीव चांदना, राकेश नरूला, हरीश खन्ना, पवन कुमार, पुनीत अरोरा आदि मौजूद रहे।

आंवला में श्रीमद्भागवत कथा का हुआ समापन

आंवला, अमृत विचार : महाराज पुरम कॉलोनी स्थित गायत्री शक्ति पीठ स्थल पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का सातवें दिन समापन समारोह सम्पन्न हुआ। कथा के अंतिम दिन कथा व्यास आचार्य सुशील मिश्र ने श्रीमद्भागवत कथा के गूढ़ महत्व पर प्रकाश डाला।

ठेकेदार पर बकाया मजदूरी न देने का आरोप

बिशारतगंज। मूसाझाग बदायूं के गांव टिकलापुर निवासी मजदूरों ने बताया कि उसने अपने 8 साथियों के साथ बिशारतगंज के गांव परा वाहउद्दीनपुर निवासी एक ठेकेदार के कहने पर हरदोई जनपद के नीट गांव में ओवरहेड टैंक निर्माण कार्य में मजदूरी की थी 9 लोगों की दो लाख सात हजार रूपये की मजदूरी बकाया है।

शूटिंग : अभय ने नॉर्थ जोन व प्री नेशनल के लिए क्वालीफाई किया

बरेली, अमृत विचार : बरेली के युवा शूटर अभय रस्तोगी ने राजस्थान में आयोजित शूटिंग प्रतियोगिता में 93.25 प्रतिशत अंक हासिल कर शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने नॉर्थ जोन और प्री-नेशनल चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई किया है।

उत्तर प्रदेश राइफल एसोसिएशन की ओर से आयोजित यूपी राइफल शूटिंग गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद अभय को राजस्थान के जगतनपुरा रेंज में राज्य स्तरीय मुकाबले में हिस्सा लेने का अवसर मिला, जहां उन्होंने लगातार तीन मैचों में शानदार स्कोर कर फाइनल स्टेज तक अपनी जगह बनाई। फाइनल में उन्होंने 93.25 प्रतिशत का प्रभावशाली स्कोर हासिल कर निर्णायकों का ध्यान खींचा।

युवा शूटर अभय रस्तोगी।

● राजस्थान में शानदार प्रदर्शन करने पर राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मिला अवसर

अभय की यह उपलब्धि केवल खेल की नहीं, बल्कि उनके संघर्ष की कहानी भी है। पिता के घायल होने और आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद अभय ने शूटिंग का सपना नहीं छोड़ा। सीमित संसाधनों में अभ्यास जारी रखते हुए उन्होंने फिर से शूटिंग में वापसी की। समाज और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से उन्हें आवश्यक राइफल और किट की व्यवस्था कराई गई, जिसके बाद उन्होंने जून में नेशनल क्वालीफिकेशन चैंपियनशिप में भी शानदार प्रदर्शन किया।

अक्षय नवमी पर निकाली संकीर्तन प्रभात फेरी

परिक्रमा मार्ग पर प्रभात फेरी निकालती महिलाएं। ● अमृत विचार

बरेली, अमृत विचार : अक्षय नवमी पर मॉडल टाउन स्थित चारों मंदिरों की धार्मिक सेवा समिति ने सामूहिक रूप से क्षेत्र में परिक्रमा मार्ग पर हरिनाम संकीर्तन प्रभात फेरी निकाली। सुबह 6 बजे से प्रभात फेरी का शुभारंभ श्री दरगाह मंदिर से हुआ, जो श्री सनातन धर्म मंदिर, श्री रामायण मंदिर होते हुए श्री हरि मंदिर मॉडल के मुख्य द्वार पर पहुंची। प्रभात फेरी में सभी मंदिरों के समिति के सदस्यों ने सामूहिक रूप से भाग लिया। संकीर्तन करते हुए मॉडल टाउन परिक्रमा मार्ग पर प्रभात फेरी निकाली गई। मंदिर के पुजारी नरेश चंद्र मिश्रा ने अक्षय नवमी के बारे में बताया। हरि मंदिर समिति के अध्यक्ष सुशील अरोड़ा, श्री रामायण मंदिर समिति के अध्यक्ष अनिल अरोरा, श्री सनातन धर्म मंदिर समिति अध्यक्ष कमल नयन सपरा, संजीव चांदना, आदि रहे।

सिटी डायरी

गोपाष्टमी पर आईएमए ने गो सेवा में दिया योगदान

बरेली, अमृत विचार : गोपाष्टमी पर आईएमए ने सिटी शमशान भूमि स्थित गो सेवा केंद्र में गायों की सेवा की। आईएमए के पदाधिकारियों ने गायों को हरी घास और गुड़ खिलाया और हवन में भाग लेकर सभी के कल्याण की कामना की। आईएमए की ओर से गो सेवा केंद्र को 51 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की गई। कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, पीलीभीत नगरपालिका की अध्यक्ष आस्था अग्रवाल, अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की अध्यक्ष श्रुति गंगवार, डा. विमल भारद्वाज, डॉ. हिमांशु अग्रवाल, डॉ. आर. सोमेश मल्होत्रा, डॉ. शालिनी महेश्वरी, डा. कामेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

वय वंदन योजना के तहत गांधीपुरम में लगाया आयुष्मान शिविर

बरेली, अमृत विचार : गांधीपुरम जनकल्याण सेवा समिति ने गुरुवार को वरिष्ठ नागरिकों के लिए वय वंदन योजना तहत आयुष्मान कार्ड शिविर गांधी पुरम स्थित रानी महालक्ष्मी बाई इंटर कॉलेज में लगाया। वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार और भाजपा नेता एडवोकेट अनिल ने शिविर में बने आयुष्मान कार्ड लोगों को वितरित किए। समिति के अध्यक्ष संदीप अग्रवाल ने कहा कि हमें खुशी है कि वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना से जोड़ पाए। मीडिया प्रभारी सौरभ जैन ने बताया कि शिविर में 50 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों ने पंजीकरण कराया। संरक्षक अनिल सक्सेना, संयोजक प्रकाश चन्द्र शर्मा, मोहन भट्ट, पराग रस्तोगी, राजीव सक्सेना, बनारसी दास शाक्य, राजेश कुमार सक्सेना, दिनेश जौहरी, सर्वेश सक्सेना आदि मौजूद रहे।

220 घंटे लगातार पढ़कर विश्व रिकार्ड बनाने का होगा प्रयास

बरेली, अमृत विचार : लगातार 220 घंटे पढ़ाई करके विश्व रिकार्ड बनाने की तैयारी की जा रही है। सीबीगंज क्षेत्र के नई बस्ती निवासी शंकर लाल गंगवार ने गुरुवार को एक प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि उनका बेटा आदित्य गंगवार 1 नवंबर सुबह 9 बजे से 220 घंटे लगातार बोलकर पढ़कर विश्व रिकार्ड बनाने का काम करेगा। इस संबंध में उन्होंने पुलिस- प्रशासन व मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सूचना दे दी है।

भाजपा संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह ने पूर्व मेयर को दी श्रद्धांजलि

बरेली, अमृत विचार : भाजपा के संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह ने पूर्व मेयर स्वर्गीय कुंवर सुभाष पटेल की प्रथम पुण्यतिथि पर नेकपुर स्थित निवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा, पवन शर्मा भी मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने स्वर्गीय पटेल के योगदान को याद किया और उनके परिवार के प्रति सहानुभूति जताई।

महिलाओं ने कान्हा गोशाला में की गोसेवा

आंवला में महिलाओं ने गोशाला में गोसेवा की। ● अमृत विचार

आंवला, अमृत विचार गोपाष्टमी पर महिलाओं ने श्रद्धा और भक्ति के साथ गोसेवा कर गौसंवर्द्धन का संदेश दिया। महिलाओं ने गोवंशो को केले, गुड हरा चारा खिलाया।

पालिका परिषद की सभासद सपना अग्रवाल के नेतृत्व में महिलाओं का समूह गुरुवार को रेलवे स्टेशन रोड स्थित कान्हा गोशाला पहुंचा। उन्होंने गोवंश को केले, हरा चारा और गुड़ खिलाया। इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने पहली बार गौवंश का पालन किया था, इसलिए इस पर्व पर गौमाता की सेवा और पूजन का धार्मिक महत्त्व है। इस दौरान शुचि अग्रवाल, आंचल अग्रवाल, सीमा शर्मा, मेहा अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, रानी अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, निहार शर्मा, नन्टू शर्मा, आर्यन अग्रवाल, धरा अग्रवाल, अरनव अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

चौबारी मेले में लगातार बढ़ रहीं दुकानें, मुख्य मार्ग हुआ दुरुस्त

संवाददाता, कैंट

अमृत विचार : चौबारी में कार्तिक पूर्णिमा को रामगंगा घाट पर होने वाले गंगा स्नान के उपलक्ष्य में लगने वाले 9 दिवसीय मेला में भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। गुरुवार तक सैकड़ों की संख्या में दुकाने पहुंच चुकी हैं। दर्जनों की संख्या में झूले लगाए जा चुके हैं। मुख्य सड़क पीडब्ल्यूडी द्वारा दुरुस्त कर दी गई है। अस्थाई मार्गों तथा स्नान घाट स्थल को समतल किया जा रहा है। धूल को मद्देनजर रखते हुए पानी का छिड़काव कराया जा रहा है।

गुरुवार को एसपी सिटी मानुष पारीक तथा एसपी यातायात मो० अकमल खान ने भारी पुलिस फोर्स के साथ चौबारी मेला स्थल का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों

चौबारी मेले में पहुंचीं दुकानें। ● अमृत विचार

● अस्थायी मार्गों के गड्ढे भरवा कर कराया जा रहा समतल

ने दुकानदारों तथा मेला प्रबंधकों को सड़क किनारे दुकान न लगाए जाने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में मेला प्रबंधकों के साथ हुई बैठक के बाद मेला प्रबंधन का गतिरोध समाप्त हो गया है।

नखासा मेला के लिए शाम तक 45 घोड़े पहुंच चुके थे। अग्निशमन विभाग ने मेला प्रबंधकों को नोटिस जारी करते हुए खानपान की दुकानें, गैस भट्टी इत्यादि का इस्तेमाल होने वाली जगहों पर अग्निशमन उपकरण के साथ बालू, रेता इत्यादि की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये हैं।

अमृत विचार

शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025

शहादत कुछ खत्म नहीं करती, वो महज शुरुआत है।
–**इंदिरा गांधी**, पूर्व प्रधानमंत्री

प्रशंसा के निहितार्थ

डोनाल्ड ट्रंप की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बार-बार की जाने वाली प्रशंसा के निहितार्थ गहरे हैं। यह पहली नजर में दोस्ती और सहयोग का संकेत लगती है, लेकिन इसके भीतर कूटनीतिक स्वार्थ और घरेलू राजनीति के समीकरण हैं। ट्रंप ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के संधि-विराम में अपनी भूमिका का दावा किया। भारत–पाक झड़पों में विमानों के गिराए जाने तक के बयान दिए, साथ ही 'मोदी एक महान मित्र हैं', जैसी टिप्पणियां भी बार-बार दोहराईं, परंतु उसी सांस में वे भारत पर दबाव भी डालते हैं। पाकिस्तान की नीतियों को सहलाते हैं और भारत के हितों के विपरीत निर्णय लेते हैं। यह दोहरा रुख अमेरिकी राजनीति की पुरानी परंपरा है, जहां 'इंडिया' को नहीं, 'अमेरिकन इंटरेस्ट' को प्राथमिकता दी जाती है। ट्रंप का मोदी की प्रशंसा के साथ पाकिस्तानी मुनीर की तारीफ भारतीय जनमत को भ्रमित करने और दक्षिण एशिया में अपनी भूमिका को निर्णायक दिखाने की रणनीति है।

यह ट्रंप ही थे, जिन्होंने 2019 में भारत को जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज से बाहर कर दिया था और तब देश के निर्यात पर तकरीबन छह अरब डॉलर की आंच आई थी। अब उनका दावा है कि अमेरिका भारत के साथ 'महान ट्रेड डील' करने वाला है, बेशक ट्रेड डील होगी, पर अमेरिका अपनी शर्तों पर दबाव डाल कर देरी कर रहा है। भारत के साथ अमेरिका का द्विपक्षीय व्यापार 2024-25 में 195 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जिसमें अमेरिका का घाटा लगभग 45 अरब डॉलर का है। वे इसे कम करना चहते हैं, जिसके लिए उनकी जिद है कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों, चिकित्सा उपकरणों और डिजिटल सेवाओं के लिए अपना बाजार खोले, जबकि भारत की प्राथमिकता है फार्मा, आईटी सेवाओं, स्टील-एल्युमिनियम पर लगे अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ को हटवाना और एच-वन बी वीजा नियमों में राहत। यदि ट्रंप 'दोस्त' हैं, तो उन्हें भारत पर लगाए गए 25 फीसद अतिरिक्त टैरिफ हटाने और बेजा शर्तों पर दबाव बनाए बिना अपने टैरिफ को 20 फीसदी के भीतर लाना चाहिए। ट्रंप व्यक्तिगत मित्रता की भाषा बोलते हैं, पर नीतिगत स्तर पर 'अमेरिका फर्स्ट' से कभी नहीं हटते, इसलिए भारत को भी 'इंडिया फर्स्ट' के सिद्धांत पर अडिग रहना होगा।

ट्रेड डील के मामले में भारत को 'समानता और पारस्परिकता' के सिद्धांत पर टिके रह कर उन शर्तों से बचना होगा, जो उसकी कृषि सुरक्षा, डेटा संप्रभुता और स्थानीय उत्पादन नीति को कमजोर करे। अमेरिकी कंपनियों की मनमानी से बचाव के लिए भारत को अपने ई-कॉमर्स और डिजिटल डेटा नियमन को समझौते का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। विदेश नीति के स्तर पर भारत को ट्रंप के बयानों पर भावनात्मक नहीं, रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। अमेरिका महत्त्वपूर्ण साझेदार है, पर भारत की विदेश नीति 'बहु-ध्रुवीय संतुलन' की है, जिसमें वाशिंगटन के साथ ही मास्को, पेरिस व टोक्यो के साथ भी समान दूरी और सहयोग बना रहना चाहिए। ट्रंप द्वारा की गई प्रधानमंत्री की तारीफें व्यक्तिगत व क्षणिक हैं, जबकि राष्ट्रीय हित शाश्वत। भारत को उनकी मित्रता का स्वागत तो करना चाहिए, पर देश और सरकार को भरोसा केवल अपने सामरिक विवेक और आर्थिक आत्मनिर्भरता पर रखना होगा।

प्रसंगवश

अखंड भारत के शिल्पकार सरदार बल्लभभाई पटेल

किसी राष्ट्र की एकता और अखंडता उसके सशक्तिकरण का मूल परिचय है। सरदार बल्लभभाई पटेल इस सूत्र को भलीभांति समझते थे, इसीलिए स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजादी के बाद तक उन्होंने देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया था। सरदार पटेल का जन्म गुजरात के नडियाद में 31 अक्टूबर सन् 1875 में हुआ था। स्वतंत्रता आंदोलन की दिशा में उनका पहला महत्वपूर्ण योगदान खेड़ा संघर्ष था, जिसे खेड़ा सत्याग्रह के नाम से भी जाना जाता है। बात 1918 की है।

गुजरात के खेड़ा जिले के किसानों की फसलें चौपट हो गई थीं और ब्रिटिश सरकार उन पर लगान का बोझ अलग से थोप रही थी, जिसे देने में किसान सक्षम नहीं थे। ऐसे में गांधी जी के नेतृत्व में

रमा निवास तिवारी
लेखक

सरकार के विरुद्ध किसानों की लड़ाई सरदार पटेल ने लड़ी। युवाओं को एकजुट करके उन्होंने सरकार को अपना फैसला बदलने पर मजबूर कर दिया। इसी सत्याग्रह के बाद से वे गांधी जी और जनता दोनों के ही घनिष्ठ संपर्क में आ गए। देश की आजादी के लिए उन्होंने बड़ा काम किया था। विशाल भारत बनाने का श्रेय पटेल जी को जाता है।

आजादी मिलने के पूर्व से ही वे तमाम देशी रियासतों को भारत में विलय कराने में लग गए थे। सरदार पटेल ने पीवी मेनन के साथ मिलकर इन रियासतों के राजाओं को समझा-बुझाकर भारत में विलय करने पर राजी करा लिया था। केवल हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ इन तीन रियासतों को छोड़कर सभी रियासत के राजाओं ने विलय के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था। ये सभी रियासतें स्वायत्त थीं और इनकी अपनी स्वतंत्र संप्रभुता थी। यह सरदार पटेल की देन थी, जो भारत की भौगोलिक सीमा का विस्तार हो पाया। आजादी मिलने तक लगभग सभी रियासतें भारतीय संघ का हिस्सा बन चुकी थीं। भारतीय संघ में विलय को लेकर जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध वहां की जनता ने विद्रोह कर दिया, जिससे नवाब पाकिस्तान भाग गया।

पटेल ने मौका अनुकूल जानकर जूनागढ़ को भारतीय संघ में मिला लिया। हैदराबाद के निजाम ने विलय के प्रस्ताव को अस्वीकार किया तो वहां सेना भेजकर सरदार पटेल ने उसका आत्मसमर्पण करा लिया। इस प्रकार सरदार पटेल ने लगभग छह सौ के आसपास छोटी-बड़ी रियासतों का विलय भारत में कराया। उनकी सूझबूझ और दूरदर्शिता का अंदाजा इस घटना से लग जाता है, जब देश आजाद हुआ तो लक्षद्वीप समूह को पाकिस्तान अपने कब्जे में न ले ले, इसलिए उन्होंने आजादी मिलने के दस-पंद्रह दिन बाद वहां भारत का झंडा फहराया। बाद में पता चला कि पाकिस्तान के नौसैनिक जहाज में सवार होकर वहां अपना झंडा फहराने आए थे, लेकिन भारत का झंडा लगा देख, वे वापस लौट गए।

सरदार पटेल स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री थे। इरादों के मजबूत और नीतिगत दृढ़ता के धनी होने के नाते महात्मा गांधी ने सरदार बल्लभभाई पटेल को लौहपुरुष की संज्ञा दी थी। जनता की समस्याओं को लेकर वे जनता की आवाज बन जाते थे, इसलिए लोग उन्हें सरदार भी कहने लगे थे। सरदार से उनका अभिप्राय मुखिया या प्रमुख हुआ करता था। बारदोली सत्याग्रह की सफलता के बाद उनका यह नामकरण हुआ था। सरदार पटेल को अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने में बड़ा वक्त लगा। 22 वर्ष की अवस्था में उन्होंने दसवीं उत्तीर्ण की। परिवार में आर्थिक तंगी के कारण कालेज नहीं जा सके तो किताबें खरीदकर स्वयं से अध्ययन किया। 36 वर्ष की अवस्था में वे वकालत की पढ़ाई करने इंग्लैंड गए।

धरती पर बढ़ रहा संकट, समझें कुदरत के इशारे

विवेक सक्सेना
अयोध्या

पर्यावरण संकट आज मानवता के समक्ष सबसे गंभीर और बहुआयामी चुनौती के रूप में उभरकर सामने आया है। प्रकृति के सीमित संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, औद्योगिक प्रदूषण और बेलगाम उपभोग की प्रवृत्ति ने पृथ्वी का संतुलन बुरी तरह बिगाड़ दिया है। पिछले कुछ दशकों में इसका प्रभाव संभावित चेतावनी मात्र न रहकर प्रत्यक्ष अनुभव बन चुका है। प्रचंड चक्रवाती तूफान मोंथा, पहली बार मानसून का हिमालय पार कर तिब्बत पहुंचना, रिकॉर्ड तोड़ तापमान, समुद्र के जल स्तर में वृद्धि, विनाशकारी चक्रवात, अप्रत्याशित वर्षा चक्र, बादलों का फटना, इससे लोगों की मौतें आदि घटनाएं यह स्पष्ट करती हैं कि पृथ्वी का प्राकृतिक चक्र गंभीर असंतुलन की ओर अग्रसर है। यह संकट अब पर्यावरणीय मुद्दा मात्र नहीं रहा, बल्कि हमारे अस्तित्व, स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा से जुड़ा सीधा प्रश्न बन गया है। वनों की कटाई और जैव-विविधता का क्षरण इस संकट की गंभीरता को और गहरा बना रहा है।

भारत जैसे विकासशील देश के लिए यह संकट दोहरी चुनौती है। एक ओर आर्थिक प्रगति जरूरी है, तो वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विकसित देशों ने भी विकास के तेजी से बढ़ते पहिए के कारण पर्यावरण को होने वाले व्यापक विनाश को रोकने की आवश्यकता महसूस की है। उद्योगों की तेज गति, शहरों का विस्तार और बढ़ती आबादी ने पर्यावरण को और अधिक नुकसान पहुंचाया है। बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के कारण समस्याएं और भी बदतर हो रही हैं, जो दैनिक दिनचर्या और देश की अर्थव्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर रही हैं। इनसे पर्यावरण के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य और जीविकोपार्जन के उनके अवसरों को भी नुकसान पहुंच रहा है।

देश में बढ़ते शहरीकरण, प्रदूषित नदियां और ठोस कचरे का अंबार पर्यावरणीय चुनौतियों को रेखांकित करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी 17 सितंबर को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम), केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को न सिर्फ वायु प्रदूषण से निपटने की कार्य योजना तीन सप्ताह में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, अपितु सीएक्यूएम, सीपीसीबी आदि में रिक्त पड़े पदों को भरने में देरी पर भी नाखुशी जाहिर की।

प्रदूषण के कारण वायु और जल की गुणवत्ता निरंतर गिर रही है और इसके दुष्परिणाम मानव स्वास्थ्य पर प्रत्यक्ष रूप से देखे जा सकते हैं। वायु प्रदूषण खतरनाक होता जा रहा है। वाहनों व कारखानों से निकलने वाले धुएं, फसलों को जलाने और निर्माण स्थलों पर होने वाली गतिविधियों के कारण वायु की गुणवत्ता कम हो रही है। हवा में कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और अन्य कणों की मात्रा बढ़ने से और PM 2.5 कणों की अधिकता के कारण लोगों को सांस और हृदय संबंधी बीमारियां हो रही हैं। दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे शहरों में हवा में सांस लेना बेहद खतरनाक हो गया है। भारत में पानी की गंभीर कमी है, क्योंकि इसका अत्यधिक उपयोग किया गया। इसका उचित प्रबंधन नहीं किया गया। गंगा और यमुना नदियों का जल असुरक्षित औद्योगिक अपशिष्ट, सीवेज उत्सर्जन और प्लास्टिक प्रदूषण के कारण प्रदूषित है, जिससे यह पीने योग्य नहीं रह गया है।

गौरतलब है कि देश के 15वें राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू ने पहली बार देश को संबोधित करते हुए कहा था कि मेरा तो जन्म उस जनजातीय परंपरा में हुआ है, जिसने हजारों वर्षों से प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर जीवन को आगे बढ़ाया है। मैंने जंगल और जलाशयों के महत्व को अपने जीवन में महसूस किया है। हम प्रकृति से जरूरी संसाधन लेते हैं और उतनी ही श्रद्धा से प्रकृति की सेवा भी करते हैं। उससे पहले निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने जब आखिरी बार देश को संबोधित करते हुए कहा था कि प्रथम नागरिक के रूप में अगर मुझे अपने देशवासियों को कोई एक सलाह देनी हो तो मैं उनसे कहना चाहूंगा कि प्रकृति माता गहरी तकलीफ में हैं और जलवायु संकट इस समूचे ग्रह के भविष्य को खतरे में डाल सकता है। दोनों राष्ट्रपतियों द्वारा पर्यावरण के मुद्दे को अपने भाषण में शामिल करना अकारण नहीं हो सकता। पर्यावरण आज हर मनुष्य के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहा है।

इस सचाई से इनकार नहीं किया जा सकता कि पर्यावरण संरक्षण के मामले में हम बहुत पीछे हैं। हमें बहुत कुछ करना है। वर्तमान में जरूरत है, नीतियों के क्रियान्वयन में कठोरता और व्यवहारिक बदलाव की। इस संकट का हल आधे-अधूरे प्रयासों से संभव नहीं है। वनों के संरक्षण के साथ-साथ पौधरोपण और उनकी देखभाल को औपचारिकता मात्र नहीं राष्ट्रीय प्राथमिकता का दर्जा देना होगा। प्रदूषण नियंत्रण के कठोर कानूनों को सख्ती से लागू करना होगा।

वैश्विक स्तर पर सहयोग और जलवायु न्याय सुनिश्चित किए बिना, यह संकट टल नहीं सकता। पर्यावरण संकट अब आने वाले कल का नहीं, वर्तमान का जीवंत प्रश्न है। यदि हम इसे नजरअंदाज करेंगे तो आने वाली पीढ़ियां केवल हमारे उपेक्षापरक दृष्टिकोण की विरासत पाएंगी। समय आ गया है कि देश की सरकारें, व्यवस्था से जुड़े जिम्मेदार और प्रत्येक नागरिक पृथ्वी के संरक्षण का संकल्प ले। यह हमारी नैतिक, सामाजिक और मानवीय जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी को मिलकर गंभीरता से न सिर्फ काम करना होगा, अपितु नियमों को और सख्ती से लागू करना होगा। पर्यावरण की रक्षा के लिए एक दीर्घकालिक योजना बनानी होगी। स्वच्छ भारत अभियान जैसे प्रयास सराहनीय हैं, किंतु यह पर्याप्त नहीं हैं। नागरिक और सरकार तालमेल बनाए रखते हुए, तेजी से आगे बढ़ें और दुनिया के सामने मिसाल पेश करें।

> प्रकृति का अंधाधुंध दोहन, औद्योगिक प्रदूषण और बेलगाम उपभोग की प्रवृत्ति ने पृथ्वी का संतुलन बुरी तरह बिगाड़ दिया है। इसका प्रभाव प्रत्यक्ष अनुभव बन चुका है।

नरेंद्र मोदी वोट के लिए ड्रामा करते हैं। नरेंद्र मोदी को छठ पूजा से कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें सिर्फ आपका वोट चाहिए। आप वोट के लिए उनसे कोई भी ड्रामा करवा लो वो कर देंगे। नीतीश कुमार खुद कोई फैसला नहीं ले रहे हैं। वो रिमोट से चल रहे हैं।
–**राहुल गांधी**, कांग्रेस नेता

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपनी हालिया टिप्पणी और छठी मईया और उनके भक्तों का अपमान करने की कीमत चुकानी पड़ेगी। राहुल ने मोदी के बारे में अपमानजनक तरीके से बात की। जब भी उन्होंने ऐसा किया है, हर बार कीचड़ से कमल खिला है। –**अमित शाह**
केंद्रीय गृहमंत्री

शिक्षा से दूर क्यों हैं गणित और विज्ञान!

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

स्कूली शिक्षा में जब तब सुधार की बात होती है, तो भाषा या फिर इतिहास पर आकर विवाद खड़े होते हैं और बच्चे की न्यूनतम अधिगम क्षमता वहीं की वहीं खड़ी रह जाती है। यह सच है कि भाषा पर पकड़ मजबूत होने पर ही बच्चा अन्य कोई विषय को भलीभांति समझ सकता है, लेकिन असली दिक्कत भाषा को सही तरीके से सिखाने से कहीं अधिक भाषा की राजनीति में भटक जाना है। शुरुआती शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण और वैश्विक स्तर का होने का मूल आधार तार्किकता, वैज्ञानिक समझ और गणना है।

प्राथमिक स्तर पर किताबों के मूल चार उद्देश्य हैं– बच्चा वर्णमाला पहचान सके और उसका इस्तेमाल कर सके, अंक को पहचाने और चार आधारभूत प्रक्रिया(जोड़-बाकी-गुणा-भाग) भली-भांति कर सके, रंग और आकृति को पहचाने और फिर मानवीय गुणों के प्रति संवेदनशील हो। हमारी पाठ्य पुस्तकें एकालाप करती हैं। सशंकित और उत्तर न देने पर असफल घोषित होने के भय से सहमा हुआ बच्चा। ऐसे में राजनेता इस बात पर लड़ते हैं कि अकबर को वीर कहें या राणा सांगा को अधिक बड़ा लड़ैया या फिर मद्रास का बच्चा हिंदी क्यों पढ़े? स्कूल से निराश 12.3% लड़कियां माध्यमिक विद्यालय आते-आते स्कूल छोड़ देती हैं। वहीं लड़कों में यह ड्रॉपआउट 13 फीसद है।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के 'परख (PARAKH) सर्वेक्षण 2025' और वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (ASER) 2024 से उजागर होता है कि कक्षा तीन से पांच के लगभग 38% बच्चे और कक्षा 6 से 8 के लगभग 46% बच्चे गणित के बुनियादी सवालों को हल करने में असमर्थ हैं। दस तक के पहाड़े भी नहीं जानते। यह बात सरकार स्वीकार करती है कि कक्षा छह के 71% छात्र गणित में फ्रेक्शन अर्थात भिन्न को पहचानने और तुलना करने में असमर्थ हैं। गणित का इतना भय है कि कक्षा नौ में 63% छात्र बुनियादी गणित में असफल रहे। विज्ञान विषयों जैसे रासायनिक परिवर्तन, विद्युत प्रवाह व जटिल जैविक प्रक्रियाओं में भी काफी बच्चों को परेशानी होती है।

रिपोर्ट में राज्य-स्तर पर भी अंतर दिखा है। जैसे- केरल, हिमाचल प्रदेश, पंजाब जैसे राज्य बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि झारखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़, लक्षद्वीप, पुडुचेरी, गोवा, त्रिपुरा जैसे राज्यों के बच्चे गणित और विज्ञान में सबसे कमजोर हैं। वहीं सरकारी स्कूलों के बच्चों का इस संबंध में प्रदर्शन निजी स्कूलों की तुलना में कमजोर है, हालांकि निजी स्कूलों के बच्चे भी गणित में अपेक्षाकृत पिछड़े हैं। शिक्षा मंत्रालय के 'निपुण भारत मिशन' के तहत आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में बच्चे बुनियादी गणित व विज्ञान के कौशल में पिछड़े हैं।

गणित को 'तर्क की भाषा' और 'विज्ञान की रीढ़' कहा जाता है, लेकिन भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां हर पांचवा बच्चा सीखने की मूलभूत चुनौतियों से जूझ रहा है, वहां गणित प्राथमिक शिक्षा की सबसे कठिन और डरावनी इकाई बनकर उभरी है। समाज यह मान बैठा है कि विज्ञान और गणित कठिन विषय हैं और यह सभी के बस की बात नहीं। इसी के चलते बच्चों में बचपन से ही विज्ञान-गणित के प्रति डर पैदा हो जाता है। यह डर उन्हें सीखने से रोकता है। जब बच्चों को सीखने में मजा नहीं आता, तो उनकी रुचि कम हो जाती है और वे इस विषय से दूर भागने लगते हैं। चूंकि यह सोच, समूचे समाज में घर की हुई है, सो कई अभिभावक बच्चों को गणित में मदद नहीं कर पाते, क्योंकि वे खुद इन दोनों विषयों से डरे हुए होते हैं, जिससे बच्चों को घर पर पर्याप्त सहायता नहीं मिल पाती। अक्सर बच्चे को ट्यूशन में धकेल दिया जाता है, जहां की शिक्षण प्रणाली विद्यालय से अधिक अलग नहीं होती।

हालांकि बच्चों का गणित और विज्ञान में कमजोर होने के कारण किसी से छुपे नहीं हैं। सबसे बड़ा कारण तो विज्ञान और गणित को पढ़ाते समय समझने के बजाय सवालों को रटने पर जोर दिया जाता है। इससे बच्चों में अवधारणात्मक समझ विकसित नहीं हो पाती है और वे केवल यांत्रिक तरीके से सवालों को हल करते हैं। प्राथमिक स्तर पर बच्चों को मूर्त अनुभवों के माध्यम से सिखाना बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन कई स्कूलों में यह कमी देखी जाती है। बच्चों को खेल-खेल में या दैनिक जीवन से जोड़कर विज्ञान- गणित सिखाने के बजाय सीधे फॉर्मूले और नियम बताए जाते हैं। वैसे भी हमारे यहां दूरस्थ अंचलों में प्राथमिक शिक्षा भवन, शिक्षक और मूलभूत सुविधा के अभाव से आहत है।

स्कूल में शिक्षण के अलावा मध्यान्ह भोजन और ऐसी ही गतिविधियों पर अधिक चिंता रहती है। बच्चे को उत्तीर्ण करना भी अनिवार्य है। यह समझना होगा कि हर कक्षा में अलग-अलग स्तर के बच्चे होते हैं। कुछ जल्दी सीखते हैं और कुछ देर से, लेकिन शिक्षक अक्सर एक ही विधि प्रयोग करते हैं, जबकि बच्चों की सीखने की क्षमता और शैली अलग होती है। वह भी क्या करें जब एक ही शिक्षक को पांच कक्षा पढ़ानी हो तो नवाचार से अधिक कक्षा प्रबंधन अनिवार्य होता है। यह बात भी बच्चे को भयभीत करती है कि गणित और विज्ञान को केवल संख्याओं और संक्रियाओं तक सीमित रखा जाता है, जिससे बच्चों में तार्किक सोच और समस्या-समाधान कौशल विकसित नहीं हो पाता।

> एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि कक्षा तीन से पांच के लगभग 38 प्रतिशत बच्चे और कक्षा छह से आठ के लगभग 46 फीसदी बच्चे गणित के बुनियादी सवालों को हल करने में असमर्थ हैं।

सोशल फोरम

'सरहदी गांधी' की छोटी गठरी और इंदिरा जी

रवि माथुर
सेवानिवृत इंजीनियर

खान अब्दुल गफ्फार खान हमेशा अपने साथ एक कपड़े की गठरी (थैला) रखते थे। आखिर क्या था उनकी गठरी में, जिसे वह किसी को नहीं सौंपते थे। जब 1969 में गांधी जन्म शताब्दी पर इंदिरा जी के विशेष आग्रह पर खान अब्दुल गफ्फार खान इलाज के लिए भारत आए तो हवाई अड्डे पर उन्हें लेने इंदिरा जी और जेपी नारायण जी खुद आए। खान साहब जब हवाई जहाज से बाहर आए तो उनके हाथ में वही पोटली थी, जिसके बारे में गांधी जी मजाक करते थे। मिलते ही श्रीमती गांधी ने पोटली की तरफ हाथ बढ़ाया- इसे हमें दीजिए, हम ले चलते हैं। खान साहब ठहरे, बड़े ठंडे मन से बोले- यही तो बचा है, इसे भी ले लोगी?

बंटवारे का पूरा दर्द खान साहब की इस बात से बाहर आ गया। जेपी नारायण और इंदिरा जी दोनों ने सिर झुका लिया। जेपी अपने आप को संभाल न पाए। उनकी आंख से आंसू गिर रहे थे।

1985 में कांग्रेस स्थापना शताब्दी के अवसर पर तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने उन्हें विशेष अतिथि के रूप में पुनः आमंत्रित किया और इसके लिए तत्कालीन पाकिस्तान के तानाशाह जिया उल हक को उन्हें भारत आने की इजाजत देने के लिए कहा। जब खान साहब भारत आए, तब भी उनके हाथों में वही पोटली थी, जो पिछली बार 1969 में इंदिरा गांधी के आमंत्रण पर वो साथ लाए थे। राजीव गांधी इस पोटली के बारे जानते थे। उन्होंने खान साहब से कहा- आपने कभी महात्मा गांधी और इंदिरा जी को ये पोटली को हाथ भी नहीं लगाने दिया, लेकिन अगर आप चाहें तो क्या मैं इस पोटली को खोल कर देख सकता हूं? खान साहब ने हंस कर अपने पठानी अंदाज में कहा- तू तो हमारा बच्चा है... देख ले... नहीं तो सभी सोचते होंगे, पता नहीं खान इस पोटली में क्या छुपाए फिरता है। जब राजीव गांधी ने पोटली खोल कर देखा, तो उसमें सिर्फ दो जोड़ी लाल कुर्ता-पाजामा थे।

सामयिकी

नेपाल: राजदूतों को वापस बुलाने पर उठते सवाल

नेपाल में चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में संशय बढ़ता जा रहा है। अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने शपथ ग्रहण के फौरन बाद छः महीने के भीतर चुनाव कराकर सत्ता नई सरकार के हवाले करने का वादा किया था, लेकिन जिस तरह प्रशासनिक हलकों में फेरबदल और राजदूतों को वापस बुलाने में तेजी दिख रही है, उस रफ्तार में चुनाव को लेकर सरकार की तैयारी नहीं दिख रही। बता दें कि नेपाल की अंतरिम सरकार ने विभिन्न देशों में राजनीतिक आधार पर नियुक्त 11 राजदूतों को वापस बुलाने का निर्णय लिया है।

एमाले और नेपाली कांग्रेस ने विदेशों में तैनात नेपाली राजदूतों को थोक में वापस बुलाने के अंतरिम सरकार के फैसले को अनुचित

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

करार देते हुए कहा कि इससे हमारी विदेश नीति का संतुलन गड़बड़ाएगा नेपाल की साख पर भी सवाल खड़ा होगा। वहीं सूचना एवं प्रसारण मंत्री जगदीश खरेल का कहना है कि सरकार ने यह कदम कूटनीतिक संतुलन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उठाए हैं। नेपाल सरकार ने जिन 11 देशों के राजदूतों को वापस बुलाने का फरमान जारी किया है, उसमें भारत का नाम नहीं है। इसे लेकर नेपाल के राजनीतिक गलियारों में अलग तरह की चर्चा है।

नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रकाश शरण महत ने कहा है कि अंतरिम सरकार द्वारा विभिन्न देशों में कार्यरत नेपाली राजदूतों को बार-बार वापस बुलाए जाने से नेपाल के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर प्रतिकूल असर पड़ना तय है। कांग्रेस की केंद्रीय समिति की बैठक के बाद सरकार के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए महत ने कहा कि सरकार लगातार अलग-अलग देशों से राजदूतों को वापस बुला रही है। इस तरह की जल्दबाजी और अस्थिर नीति से न केवल कूटनीतिक साख कमजोर होती है, बल्कि हमारे अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

उन्होंने अंतरिम सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपनी सारी शक्ति और ऊर्जा आगामी निर्वाचन की तैयारी में लगाने के बजाय राजनीतिक प्रतिशोध में उलझी हुई है। महत के अनुसार, देश में शांति और सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित करना सरकार की पहली जिम्मेदारी है, लेकिन सरकार इस दिशा में गंभीर दिखाई नहीं देती। उन्होंने कहा कि केवल निर्वाचन आयोग की कार्य तालिका जारी कर देने से चुनाव संभव नहीं होगा, इसके लिए शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण बनाना आवश्यक है।

एमाले ने अंतरिम सरकार के इस फैसले पर हैरानी जताते हुए कहा कि इससे सरकार के छः महीने में चुनाव कराने के उसके दावे पर संदेह होता है। एमाले के निवर्तमान सांसद मंगल प्रसाद गुप्ता ने कहा कि इससे राजदूतों की स्थिति फुटबाल जैसी हो जाएगी और उनमें अनिश्चितता का भाव पैदा होगा। उन्होंने कहा कि छः महीने में चुनाव कराने के सरकार के वादे के अनुरूप अब समय सीमा घट कर चार ही महीने रह गई।

इस दौरान सरकार का प्रशासन और राजदूतों में भारी फेरबदल करने की तैयारी संदेहास्पद है। इससे अंतरिम सरकार के अपने वादे के मुताबिक तय समय सीमा में चुनाव कराने में संदेह है और यदि चुनाव हो भी जाए तो क्या गारंटी है कि संसद का विघटन कर अंतरिम सरकार का गठन करने वालों के मनमाफिक सरकार ही सत्ता रूढ़ हो? ऐसा नहीं हो पाया तो जाहिर है, जिसकी सरकार बनेगी, वह फिर अपने हिसाब से राजदूतों की नियुक्ति करेगा। मंगल प्रसाद गुप्ता ने कहा कि अंतरिम सरकार को समझना होगा कि चुनाव में आखिर राजदूतों की क्या भूमिका है?

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

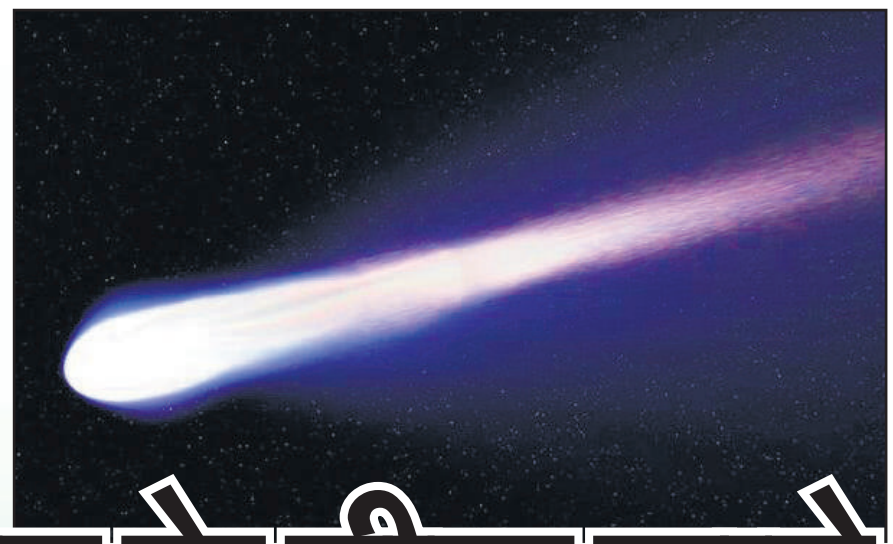

जीवन के बीज लाते धूमकेतु

पुच्छल तारों के विषय में भला कौन नहीं जानना चाहता। आजकल ऐसे कई पिंड सूर्य के करीब आ रहे हैं और धरती से उन्हें उनकी लंबी पूंछ से पहचाना जा सकता है। धूमकेतु (कॉमेट), जिन्हें पुच्छल तारा कहा जाता है, प्राचीनकाल से ही मानव के लिए कौतुहल का विषय रहे हैं। ग्रह और उपग्रहों की तरह इन पिंडों के भी नाम होते हैं। खास बात यह है कि कुछ पिंड सूर्य के पास नियमित आते हैं और कुछ को आने में हजारों या लाखों वर्ष का समय लग सकता है। धूमकेतु को सौर मंडल का प्राचीन अवशेष माना जाता है। आधुनिक विज्ञान धूमकेतु को बर्फ, धूल और गैस का मिश्रण मानता है, जो सूर्य के पास आने पर पूंछ विकसित करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये जीवन के मूल बीज जैसे अमीनो एसिड, पानी और अन्य रासायनिक तत्व पृथ्वी पर ला सकते हैं। यह विचार 'पैनस्पर्मिया' सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें कहा जाता है कि जीवन के निर्माण ब्लॉक्स अंतरिक्ष से धूमकेतुओं या उल्कापिंडों के माध्यम से पृथ्वी पर पहुंचे। यह कनेक्शन दशकों से विवादास्पद रहा है, लेकिन हाल के अध्ययनों ने इसे मजबूत प्रमाण दिए हैं।

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

पैनस्पर्मिया के अनुसार जीवन पृथ्वी पर स्वतः उत्पन्न नहीं हुआ, बल्कि अंतरिक्ष से आया है। धूमकेतु, जो सौर मंडल के बाहरी हिस्सों से आते हैं, कार्बनिक अणु जैसे अमीनो एसिड, पेप्टाइड्स और फॉस्फोरस ले जाते हैं। प्रारंभिक पृथ्वी पर इनकी टक्कर से ये तत्व सतह पर जमा हुए, जो जीवन की शुरुआत के लिए 'प्रीबायोटिक सूप' बनाते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि सौर मंडल के निर्माण के दौरान बने कार्बनिक पदार्थ पृथ्वी पर धूमकेतुओं से पहुंचे यानी पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत करने में धूमकेतुओं का महत्वपूर्ण योगदान है।

पहले भी आ चुका है स्वान

धूमकेतु C/2025 R2 (स्वान), जिसे सामान्यत: स्वान धूमकेतु के नाम से जाना जाता है, एक लंबी अवधि का धूमकेतु है, जो सूर्य मंडल के बाहरी क्षेत्र से आया। यह 2025 के अक्टूबर महीने में पृथ्वी के निकट पहुंचने के कारण खगोलप्रेमियों के लिए विशेष रूप से रोचक रहा। यह धूमकेतु ओर्ट क्लाउड से उत्पन्न माना जाता है। ओर्ट क्लाउड सूर्य से हजारों खगोलीय इकाई दूर एक बर्फीली संरचना है। इसे 11 सितंबर, 2025 व्लादिमीर बेजुगली को खोजा गया, जो सोहो उपग्रह के स्वान कैमरे की छवियों का विश्लेषण कर रहे थे। यह गैर-आवर्ती धूमकेतु है अर्थात् यह सूर्य की परिक्रमा के लिए 200 वर्ष से अधिक समय लेता है। सोहो मुख्य रूप से सौर हवा का अध्ययन करता है, लेकिन इसकी छवियां धूमकेतुओं की खोज के लिए उपयोगी साबित हुई हैं। इस धूमकेतु की कक्षा अंडाकार है, लेकिन उच्च विकेंद्रीकरण के कारण लगभग परवलयिक जैसी है। यह सूर्य के चारों ओर एक लंबी यात्रा करने वाला धूमकेतु है। वर्तमान में (अक्टूबर के अंत में), यह लगभग 6 वीं परिमाण की चमक के साथ नग्न आंखों से सीमित रूप से दिखाई दे सकता है, विशेष रूप से दूरबीनों से इसे देखा जा सकेगा। इस धूमकेतु को देखना एक दुर्लभ अवसर होगा, क्योंकि फिर यह हजारों वर्षों बाद लौटेगा।

पहली बार दिखा लेमन

धूमकेतु C/2025 A6 (लेमन), जिसे सामान्यत: लेमन धूमकेतु के नाम से जाना जाता है, एक लंबी अवधि का धूमकेतु है, जो सूर्य मंडल के बाहरी क्षेत्र, संभवत: ओर्ट क्लाउड से उत्पन्न हुआ है। यह 2025 के अक्टूबर-नवंबर में पृथ्वी के निकट पहुंचने और चमकदार होने के कारण खगोलप्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना। अक्टूबर में यह धूमकेतु उत्तरी गोलार्ध में पूर्वोत्तर आकाश में सूर्योदय से पहले दिखाई दिया और इसकी चमक लगभग 7-8 मैग्निट्यूड के आसपास पहुंची, जो बाइनोकुलर से आसानी से दृश्यमान बनाती है। यह धूमकेतु C/2025 R2 (स्वान) के साथ अक्टूबर के अंत में डबल धूमकेतु घटना का हिस्सा बना। यह धूमकेतु माउंट लेमन सर्वे, जो कैटलीना स्काई सर्वे का हिस्सा, 3 जनवरी, 2025 को खोजा गया। यह सर्वे एरिजोना, अमेरिका में स्थित है और क्षुद्रग्रहों व धूमकेतुओं की खोज के लिए जाना जाता है। ज्ञात हुआ है कि यह एक गैर-आवर्ती धूमकेतु है अर्थात् इसकी कक्षीय अवधि 200 वर्ष से अधिक है। इसकी चरम चमक अक्टूबर के अंत या नवंबर की शुरुआत में 31 अक्टूबर या 1 नवंबर के आसपास होगी और सूर्य के सबसे निकट 8 नवंबर को होगा। मध्य नवंबर तक यह दृश्यमान रहेगा, उसके बाद चमक कम हो जाएगी। यह लगभग 1,000 वर्षों में एक बार लौटता है।

दो एटलस धूमकेतु

- 3I/ATLAS (जिसे C/2025 N1 भी कहा जाता है) और C/2025 K1 (ATLAS) दोनों ही 2025 में खोजे गए धूमकेतु हैं, लेकिन ये मूल रूप से अलग-अलग प्रकार के हैं। 3I/ATLAS एक अंतरतारकीय धूमकेतु है, जो सौर मंडल से बाहर से आया है, जबकि C/2025 K1 एक लंबी अवधि का सौर मंडलीय धूमकेतु है, जो ओर्ट क्लाउड से उत्पन्न हुआ है। नीचे इनके मुख्य अंतरों की तुलना दी गई है। पहला एटलस धूमकेतु, जिसे अंतरतारकीय धूमकेतु 3I/ATLAS कहा जाता है। जुलाई 2025 में एटलस (Asteroid Terrestrial-impact Last Alert System) से खोजा गया। यह सौर मंडल से बाहर से आया है और हाइपरबोलिक कक्षा में है। यह कन्या नक्षत्र में स्थित है। सूर्य के सबसे निकट पहुंचने की तारीख 30 अक्टूबर 2025 है (1.4 खगोलीय इकाई दूरी पर), लेकिन दिसंबर 2025 की शुरुआत में सूर्य के दूसरी ओर से फिर दिखाई देगा। इसकी पृथ्वी के सबसे निकट पहुंच 19 दिसंबर 2025 को 1.8 खगोलीय इकाई (लगभग 269 मिलियन किमी) पर होगी।
- दूसरा धूमकेतु C/2025 K1, जिसे सामान्यत: एटलस धूमकेतु के नाम से जाना जाता है, एक हाइपरबोलिक (अवर्ती) धूमकेतु है, जो सूर्य मंडल के बाहरी क्षेत्र से आया है। यह ओर्ट क्लाउड से उत्पन्न माना जाता है और 2025 के अक्टूबर में सूर्य के अत्यंत निकट पहुंचने के कारण खगोलप्रेमियों के लिए रोचक, लेकिन चुनौतीपूर्ण है। यह धूमकेतु स्वान और लेमन के साथ अक्टूबर के 'ट्रिपल धूमकेतु' घटना का हिस्सा है, लेकिन इसकी चमक अपेक्षाकृत कम है। यह 25 मई 2025 को चिली में खोजा गया। यह एक गैर-आवर्ती धूमकेतु है, लेकिन इसकी विकेंद्रीकरण होने से हाइपरबोलिक कक्षा है अर्थात् यह सूर्य मंडल से बाहर चला जाएगा और फिर कभी लौटेगा नहीं। इसके पृथ्वी के निकटतम दृष्टिकोण की बात करें, तो यह 25 नवंबर 2025, 0.40 खगोलीय इकाई (60 मिलियन किमी) पर रहेगा। यह धूमकेतु अवर्ती होने के कारण कभी लौटेगा नहीं, इसलिए 2025 में इसे देखने का यह एक सुनहरा अवसर है।
- इन दोनों एटलस धूमकेतुओं के ये अंतर मुख्य रूप से उनकी उत्पत्ति, कक्षा और अवलोकन क्षमता पर आधारित हैं। 3I/ATLAS सौर मंडल के बाहर की दुनिया की झलक देता है, जबकि C/2025 K1 सूर्य के निकट आने से उज्ज्वल, लेकिन जोखिमपूर्ण है। वर्तमान में दोनों ही दूरबीनों से देखे जा सकते हैं। स्टेलेरियम जैसे ऐप से आप घर बैठे इन धूमकेतुओं की वर्तमान स्थिति जांच सकते हैं।

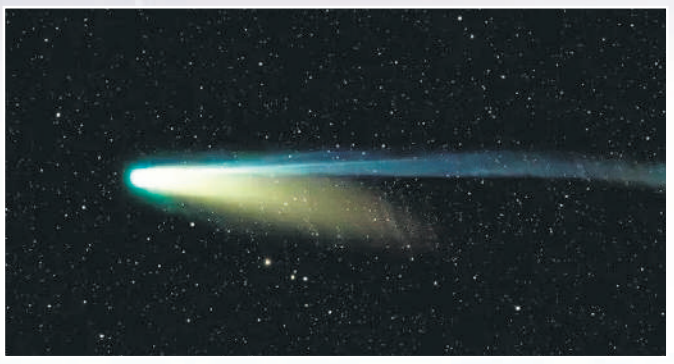

जंगली हाथियों की घटती आबादी

हाथियों पर डीएनए आधारित जनगणना के नतीजे आ गए हैं। सार्वजनिक हुए नजीते सुखद नहीं, दुखद हैं? भारत के जंगलों से गजराजों की आबादी तेजी से घटी बताई गई है। घटने की तेजी में अगर रफ्तार ऐसी ही रही, तो जंगलों से गजराजों का गर्जना भविष्य में शांत भी हो सकता है। निश्चित रूप से यह रिपोर्ट सोचने पर विवश करती है। ये रिपोर्ट, पर्यावरणविदों की उन बातों पर मुहर लगाती है, जिनमें वह केंद्र और राज्य सरकारों से लंबे समय से हाथियों को बचाने की मांग करते आए हैं। पीलीभीत के जंगल में नेपाल से जंगली हाथियों का आना कम हुआ है, वहीं रामनगर के जंगल में हाथियों की संख्या बढ़ी है।

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में पहली मर्तबा डीएनए आधारित इस नई टेक्नोलॉजी द्वारा हाथियों की गिनती हुई है, जिसमें यह चिंतनीय रिपोर्ट सामने निकलकर आई है। नई डीएनए तकनीक प्रत्येक हाथी की उसके जेनेटिक सिग्नेचर से पहचान करती है। इससे गिनती बिल्कुल सटीक बाहर निकलती है। इसे दुनिया की पहली व्यापक डीएनए-आधारित हाथी गणना का तगमा हासिल है। रिपोर्ट ने सबसे ज्यादा हाथी कर्नाटक में बताए हैं, वहां 6,013 हाथी हैं। दूसरे स्थान पर असम को रखा है, जहां 4,159 हाथी हैं। इसके अलावा तमिलनाडु में 3,136, केरल में 2,785, उत्तराखंड में 1,792 और ओडिशा में 912 हाथी शेष बचे हैं। उत्तराखंड, तराई क्षेत्र, हिमाचल क्षेत्रों के हालात बहुत खराब दर्शाते हैं, जो संख्या जांची गई है, उसमें हाथियों की कोई प्रजाति ऐसी नहीं बची, जिनमें कमी न दर्ज की गई हो। मौजूदा गणना की मानें तो पिछले 8 सालों में करीब 25 फीसदी हाथियों की संख्या भारत में सिमट गई है।

हाथियों की गणना

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने हाथियों को लेकर पिछली गणना साल-2017 में कराई गई थी, जिसमें 29964 हाथी बताए गए थे। वहीं, मौजूदा गणना में संख्या घटकर मात्र 22446 रह गई। यानी वर्ष 2017 से 2025 के बीच इन 8 वर्षों में करीब साढ़े सात हजार हाथी कम हो गए। हाथियों की कम होती आबादी जंगलों के सिकुड़ते आकार और इंसानों व हाथियों के बीच बढ़ते टकराव की ओर इशारा आज से नहीं, बल्कि बहुत पहले से कर रही है, लेकिन हम बेखबर थे। असम के जंगलों में हाथियों की संख्या सर्वाधिक हुआ करती थी। वहां उनका अवैध शिकार बड़े स्तर पर आज भी जारी है। हाथियों की कुछ प्रजातियां ऐसी हैं, जो सिर्फ भारत में ही पाई जाती हैं। उन हाथियों के दांत व अन्य शरीर के अंग अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारी डिमांड रहती है। मोटी कमाई के लालच में तस्कर बेजुबान हाथियों का शिकार करते हैं। इस कृत्य में कई मर्तबा फॉरेस्ट कर्मचारियों की भी मिलीभगत सामने आती आई है।

जनमानस का सहयोग भी आवश्यक

अभी कुछ नहीं बिगड़ा, हाथियों को अभी भी बचाया जा सकता है। क्योंकि विश्व के 90 देशों के मुकाबले भारत में गजराजों की आबादी अभी भी सर्वाधिक है। भारत के पश्चिमी घाट अभी भी हाथियों के सबसे बड़े गढ़ हैं, वहां 11,934 हाथी हैं, जबकि 2017 में संख्या 14,587 थी। उत्तर-पूर्वी पहाड़ियों और ब्रह्मपुत्र के बाढ़ वाले मैदानों में 6,559 हाथी हैं, जो 2017 के 10,139 से कम हैं। मध्य भारत के ऊंचे इलाके और पूर्वी घाट में कुल मिलाकर 1,891 हाथी हैं, जो 2017 की रिपोर्ट में बताए गए 3,128 हाथियों से कम हैं। आबादी बढ़ाने के लिए सबसे पहले सुरक्षित आवासों को संरक्षित करना होगा और अवैध शिकार करने वाले तस्करों पर लगाम लगानी होगी। साथ ही सबसे जरूरी ध्यान मादा हथनियों के स्वास्थ्य देखभाल और उनके आवश्यक रखरखाव पर ध्यानकार्षण करना होगा। इससे प्रजनन क्रियाओं को बढ़ावा मिलेगा। असम, कर्नाटक जैसे राज्यों को 'टाइगर रिजर्व' की भांति 'हाथी रिजर्व परियोजना' या 'प्रोजेक्ट एलीफेंट' जैसे विंग गठित होने चाहिए। इन जरूरी तथ्यों पर ध्यान दिए बिना हाथी को नहीं बचाया जा सकता। इसमें सामाजिक स्तर पर प्रत्येक इंसान को भी अपनी भागीदारी निभानी होगी, क्योंकि बिना जनमानस के सहयोग से कोई भी सरकारी योजना सफल नहीं होती।

टेक अपडेट्स

व्हाट्सएप का नया फीचर: चैट स्टोरेज मैनेजमेंट

आपका फोन बार-बार "स्टोरेज फुल" का नोटिफिकेशन दिखाता है और आप व्हाट्सएप का डेटा डिलीट करते-करते परेशान हो चुके हैं, तो अब राहत मिलने वाली है। व्हाट्सएप जल्द ही एक ऐसा नया फीचर लेकर आ रहा है, जिसकी मदद से यूजर हर चैट की स्टोरेज को अलग-अलग मैनेज कर सकेंगे। यानी अब किसी खास चैट या ग्रुप में कौन-सी फोटो, वीडियो या डॉक्यूमेंट सबसे ज्यादा जगह ले रही है, यह जानकारी सीधे उसी चैट से मिल जाएगी।

क्या है फीचर

WaBetaInfo की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाट्सएप अपने नए अपडेट में "मैनेज स्टोरेज" नाम का एक विकल्प जोड़ने की तैयारी कर रहा है। यह फीचर हर चैट या ग्रुप के चैट इंफो पेज पर मिलेगा। इसके जरिए यूजर यह देख पाएंगे कि किसी विशेष चैट या ग्रुप ने फोन की कितनी स्टोरेज घेर रखी है। यूजर को यह समझना आसान होगा कि कौन-सी फाइलें ज्यादा जगह ले रही हैं और किन्हें हटाया जा सकता है।

क्यों खास है यह फीचर

अभी तक व्हाट्सएप में केवल एक ग्लोबल स्टोरेज मैनेजमेंट फीचर मौजूद है, जो पूरी ऐप की मीडिया फाइल्स को एक साथ दिखाता है। इससे बार-बार सेटिंग्स में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और बड़ी फाइल्स को हटाना बहुत आसान हो जाएगा। यह फीचर खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद होगा, जो कई ग्रुप चैट्स में एक्टिव रहते हैं, जहां रोजाना ढेर सारी फोटो और वीडियो शेयर होती हैं, जो मिलकर फोन की मेमोरी जल्दी भर देती हैं।

कब मिलेगा यह नया अपडेट

फिलहाल यह फीचर iOS बीटा वर्जन में कुछ चुनिंदा यूजर्स के लिए उपलब्ध है। कंपनी ने इसे धीरे-धीरे Android और iPhone दोनों यूजर्स के लिए रोलआउट करना शुरू कर दिया है। आने वाले कुछ हफ्तों में यह अपडेट सभी यूजर्स तक पहुंचने की संभावना है।

पृथ्वी गतिशील है फिर पता क्यों नहीं चलता

पृथ्वी की गति एक दिलचस्प और रहस्यमयी विषय है। हम सभी जानते हैं कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती रहती है और साथ ही सूर्य के चारों ओर भी चक्कर लगाती है। फिर भी हम यह क्यों नहीं महसूस करते कि पृथ्वी गति कर रही है? इसका उत्तर प्राकृतिक नियमों और हमारे पर्यावरण से जुड़ा हुआ है। पृथ्वी की गति मुख्यत: दो प्रकार की होती है: एक अपनी धुरी पर घूमना (रोटेशन) और दूसरी सूर्य के चारों ओर घूमना (ऑर्बिट)। पृथ्वी अपनी धुरी पर 24 घंटे में एक पूरा चक्कर लगाती है और इस गति का आभास हमें दिन-रात के परिवर्तन से होता है। जब हम सूर्य को आकाश में बदलते हुए देखते हैं, तो हम समझ पाते हैं कि पृथ्वी घूम रही है, लेकिन यह गति हमें महसूस नहीं होती। इसका कारण यह है कि पृथ्वी का घूमना बहुत समान और स्थिर गति से होता है। जब किसी वस्तु की गति स्थिर और समान होती है, तो हम उस गति को महसूस नहीं कर पाते। जैसे किसी गाड़ी में हम सफर करते हैं, तो अचानक गाड़ी की गति में परिवर्तन होने पर हमें इसकी गति का अहसास होता है, लेकिन जब गाड़ी समान गति से चलती है, तो हमें कोई फर्क नहीं लगता। ठीक इसी तरह, पृथ्वी की गति में कोई भी बदलाव नहीं होता है, जिससे हम इसे महसूस नहीं कर पाते। एक और कारण है, हमारा आकार और पृथ्वी का आकार। पृथ्वी इतनी बड़ी है कि हम जैसे छोटे जीव इसके मुकाबले कण के समान हैं। हमारी गति पृथ्वी के साथ एक जैसी होती है और हम उसके साथ घूम रहे होते हैं, जिससे हमें किसी भी प्रकार की अस्थिरता का एहसास नहीं होता। साथ ही पृथ्वी के घूमने का वातावरण पर भी कोई स्पष्ट असर नहीं होता, क्योंकि हमारे चारों ओर का वायुमंडल भी पृथ्वी के साथ उसी गति से घूमता है। इसके अलावा, पृथ्वी के घूमने से पैदा होने वाली गुरुत्वाकर्षण शक्ति भी हमारे शरीर को स्थिर रखती है। यह शक्ति हमें पृथ्वी की सतह से चिपकाए रखती है और इसके चलते हमें किसी प्रकार की गति का आभास नहीं होता। अगर पृथ्वी अचानक अपनी गति बदलती, तो हमें इसका एहसास हो जाता, लेकिन यह इतनी धीरे-धीरे और समान गति से होती है कि हम इसे महसूस नहीं कर पाते। इसलिए पृथ्वी का घूमना और उसकी गति हमें महसूस नहीं होती, क्योंकि यह गति बहुत ही धीमी, स्थिर और समान होती है। इसका आभास हमें केवल सूर्य की स्थिति से होता है, जो दिन और रात के रूप में हमें दिखाई देती है।

विज्ञान फैक्ट

-फीचर डेस्क

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,404.46	25,877.85
बढ़त	592.67	176.05
प्रतिशत में	0.70	0.68

सोना 1,23,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,55,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1820, फॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2475, फॉर्चुन 13 किग्रा 1980, जय जवान 2005, सचिन 2040, सूरज 1990, अवसर 1925, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1945, क्लासिक (किग्रा) 2160, मोर 2200, चक्र टिन 2330, ब्लू 2175, आशीर्वाद मस्टर्ड 2410, स्वास्तिक 2520

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 10800

चीनी : पीलीभीत 4400, सितारगंज 4300

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5000, मसूरी- 1700, बासमती- 9000, परमल- 3300

दाल दलहन : काला चना- 6000, साबुत चना दाल- 6100, मूंग साबुत- 7900, राजमा- 11000-14000, दाल उड़द- 8100, साबुत मसूर दाल- 7200, मसूर दाल- 5000, उड़द साबुत- 8100, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 10500, लोबिया/करमानी- 6900

भारत समुद्री क्षेत्र में निवेश के लिए आदर्श स्थान

प्रधानमंत्री मोदी बोले- हमारे पास बुनियादी ढांचा एवं नवाचार, कानूनों को बनाया सरल और वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनने का इरादा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों को भारत के समुद्री क्षेत्र में निवेश करने के लिए गुरुवार को आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि भारत के पास बुनियादी ढांचा एवं नवाचार है और वह इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनने का इरादा भी रखता है। मोदी ने पेशेवर मंच 'लिंक्डइन' में लिखा कि सरकार ने कानूनों को सरल बनाया है। बंदरगाहों का विकास किया है और समुद्री क्षेत्र के लिए 70,000 करोड़ रुपये के एक व्यापक 'पैकेज' को मंजूरी दी है जिसमें जहाज निर्माण को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

प्रधानमंत्री ने बुधवार शाम मुंबई में 'मैरीटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव' को संबोधित किया था और इस क्षेत्र के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) तथा अग्रणी हितधारकों के साथ बातचीत की थी। उन्होंने कहा कि 2014 में उनके पदभार ग्रहण करने के बाद से समुद्री क्षेत्र ने बुनियादी ढांचे, सुधारों और जन

- कहा- बंदरगाहों का विकास और समुद्री क्षेत्र के लिए 70,000 करोड़ के पैकेज को दी मंजूरी

समुद्री क्षेत्र पर अधिक ध्यान देने की जरूरत : मांडविया

मुंबई। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने गुरुवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए समुद्री क्षेत्र पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। मंत्री ने भारत समुद्री सप्ताह 2025 में दावा किया कि पुर्तगाल के वास्को डी गामा ने भारत के लिए समुद्री मार्ग की खोज नहीं की थी, बल्कि उन्होंने केवल गुजराती नाविकों का पीछा किया था। समुद्री क्षेत्र में पर्याप्त रोजगार सृजन की क्षमता है और 11 वर्ष में भारत में इस क्षेत्र में प्रगति हुई है। मांडविया ने कहा कि समुद्री क्षेत्र वैश्विक क्षेत्र है, भारत को इस पर अधिक ध्यान केंद्रित करना होगा। भारत 18वीं शताब्दी तक एक बड़ी समुद्री शक्ति था, जिसे बाद में ब्रिटिश शासन ने नष्ट कर दिया। भारत का मात्रा के हिसाब से 95 प्रतिशत व्यापार तथा मूल्य के हिसाब से 70 प्रतिशत व्यापार समुद्र के रास्ते होता है। जो देश समुद्र पर राज करते हैं, वे दुनिया पर राज करते हैं।

भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई बदलाव देखे हैं। मोदी ने कहा कि आज यह क्षेत्र आधुनिक बुनियादी ढांचे, वैश्विक विश्वास और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में तब्दील हो गया है। मैं विश्वास से कह सकता हूं कि भारत निवेश के लिए एक आदर्श स्थान है। हमारे पास बहुत लंबी तटरेखा है। हमारे पास रणनीतिक वैश्विक व्यापार मार्ग हैं, हमारे पास विश्वस्तरीय बंदरगाह हैं और हमारे पास नीली अर्थव्यवस्था की वृद्धि के लिए एक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण है। हमारे पास बुनियादी ढांचा, नवाचार और उसे हासिल करने का जज्बा है।

मोदी ने कहा कि 'बिल ऑफ लैडिंग बिल' से लेकर भारतीय बंदरगाह विधेयक (2025) तक पांच ऐतिहासिक विधेयकों ने समुद्री शासन को आधुनिक बनाया है। व्यापार को सरल बनाया है, राज्यों को सशक्त बनाया है और भारत को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाया है। इस वृद्धि को गति देने के लिए सरकार ने समुद्री क्षेत्र के लिए 70,000 करोड़ के व्यापक पैकेज को मंजूरी दी है। मोदी ने कहा कि जहाज निर्माण सहायता योजना, समुद्री विकास कोष और जहाज निर्माण विकास योजना से 4.5 लाख करोड़ से अधिक का निवेश आकर्षित होगा। साथ ही 2,500 से अधिक जहाजों के निर्माण में मदद मिलेगी। मोदी ने कहा कि यह पहल भारत को जहाज निर्माण और समुद्री नवाचार में वैश्विक अग्रणी देशों में शामिल करेगी। भारत की बंदरगाह क्षमता 1,400 से दोगुनी होकर 2,762 एमएमटीपीए हो गई है और माल ढुलाई (कार्गो हैंडलिंग) 972 से बढ़कर 1,594 एमएमटी हो गई है। जहाज से माल ढुलाई का समय (टर्नअराउंड) 93 से घटाकर 48 घंटे हो गया। शुद्ध अधिशेष 1,026 करोड़ रुपये से नौ गुना होकर 9,352 करोड़ रुपये हो गया। परिचालन अनुपात 73 से बढ़कर 43% हो गया, जो दक्षता के नए युग का प्रतीक है। भारत का नाविक कार्यबल 1.25 लाख से बढ़कर तीन लाख से अधिक है जो वैश्विक नाविक कार्यबल का 12% है। मोदी ने कहा कि भारत दुनिया में प्रशिक्षित नाविकों के शीर्ष तीन आपूर्तिकर्ताओं में है। विझिंजम बंदरगाह भारत का पहला गहरे पानी का ट्रांसशिपमेंट केंद्र है। कांडला बंदरगाह पहली हरित हाइड्रोजन सुविधा युक्त और जेएनपीटी ने अपनी क्षमता दोगुनी कर ली है। बंदरगाह ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित किया है।

फेडरल रिजर्व के अस्पष्ट रुख से बाजार में गिरावट सेंसेक्स 593 अंक लुढ़का

मुंबई। विदेशी कोषों की ताजा बिकवाली और अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दरों पर स्पष्ट रुख न आने से बृहस्पतिवार को स्थानीय शेयर बाजार में खासी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 593 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी में 176 अंक की गिरावट रही।

बीएसई का सेंसेक्स 592.67 अंक टूटकर 84,404.46 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 176.05 अंक टूटकर 25,877.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ लार्सन एंड टुब्रो, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और मारुति के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,540.16 करोड़ के शेयरों की बिकवाली की। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,692.81 करोड़ के शेयर खरीदे। बीएसई स्मॉलकैप 0.06 प्रतिशत नुकसान में रहा जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप अपरिवर्तित रहा। क्षेत्रवार सूचकांकों में दूरसंचार खंड में 2.52% की गिरावट रही जबकि प्रौद्योगिकी में 1.02%, बैंकिंग में 0.72% और वित्तीय सेवा खंड में 0.59 प्रतिशत की गिरावट रही।

यूपी वेस्ट सर्किल में जियो के 2.5 करोड़ से ज्यादा मोबाइल सब्सक्राइबर : ट्राई

संवाददाता, मेरठ

अमृत विचार : यूपी वेस्ट सर्किल में रिलायंस जियो के मोबाइल यूजर्स का आंकड़ा बढ़कर 2 करोड़ 51 लाख के पहुंचा गय है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (ट्राई) द्वारा जारी टेलीकॉम सब्सक्रिप्शन डेटा में यह बात सामने आई।

रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर में 2 लाख से ज्यादा नए मोबाइल सब्सक्राइबर जियो से जुड़े। इसी दौरान, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने क्रमशः 13 हज़ार और 1.88 लाख सब्सक्राइबर खो दिए, जबकि सरकारी कंपनी बीएसएनएल का प्रदर्शन ठीक रहा, उसने 67 हज़ार नए सब्सक्राइबर जोड़े। ट्राई के अनुसार यूपी वेस्ट सर्किल में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य हैं।

जियो नंबर-वन पर कायम, एयरटेल से 63 लाख अधिक

- 1.88 करोड़ के साथ एयरटेल दूसरे, 1.39 करोड़ के साथ वोडाफोन आइडिया तीसरे पर
- सितंबर में जियो ने 2 लाख से ज्यादा लोग जोड़े, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया के घटे

भारती एयरटेल 1.88 करोड़ मोबाइल सब्सक्राइबर बेस के साथ यूपी वेस्ट सर्किल में दूसरे नंबर पर है। वोडाफोन-आइडिया के साथ जुड़े यूजर्स की तादाद 1.39 करोड़ रही। वहीं बीएसएनएल का मोबाइल सब्सक्राइबर बेस 52 लाख दर्ज किया गया। यूपी वेस्ट में मोबाइल सब्सक्राइबर के मामले में जियो नंबर वन बनी हुई है। जियो का मोबाइल सब्सक्राइबर बेस, दूसरे नंबर पर काबिज एयरटेल से 63 लाख ज्यादा है। 30 सितंबर 2025 तक यूपी वेस्ट सर्किल में कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस लगभग 6.30 करोड़ रहा। जियो, यूपी वेस्ट सर्विस एरिया में होम ब्रॉडबैंड सेगमेंट में भी सबसे आगे बना हुआ है। जियो का कुल सब्सक्राइबर बेस 14.78 लाख से ज़्यादा है, जिसमें 8.07 लाख जियोफाइबर और 6.71 लाख जियोएयरफाइबर यूज़र हैं।

बीएसएनएल ने लक्षित राजस्व का 93% किया हासिल : सिंधिया

नई दिल्ली। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को कहा कि बीएसएनएल ने 2025-26 की दूसरी तिमाही में अपने लक्षित राजस्व का 93 प्रतिशत यानी 5,347 करोड़ रुपये हासिल कर लिया। बीएसएनएल की तिमाही समीक्षा के बाद मंत्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में कंपनी का राजस्व 11,134 करोड़ रुपये रहा।

सिंधिया ने कहा कि इस (जुलाई-सितंबर) तिमाही में हमने अपने लक्ष्य का 93 प्रतिशत राजस्व हासिल कर लिया। हमने 5,740 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था जिसमें से हमने 5,347 करोड़ रुपये हासिल कर लिए। इसलिए, हम उस बड़े लक्ष्य के काफी करीब हैं जो हमने पिछले साल की आय में उछाल के आधार पर अपने लिए तय किया था। समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में बीएसएनएल का लक्ष्य राजस्व को 20 प्रतिशत बढ़ाकर 27,500 करोड़ रुपये करना है। हमारा एआरपीयू भी बढ़ा है। इस वर्ष की पहली तिमाही में यह 81 रुपये था, जो इस वर्ष की दूसरी तिमाही में बढ़कर 91 रुपये हो गया है। इस प्रकार एआरपीयू में 12 प्रतिशत का सुधार हुआ है। प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) किसी दूरसंचार संचालक की वृद्धि को मापने का एक प्रमुख पैमाना है।

अनिल अंबानी के समूह ने किया 41,900 करोड़ रुपये का दुरुपयोग : कोबरापोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

खोजी ऑनलाइन मंच 'कोबरापोस्ट' ने गुरुवार को दावा किया कि अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह की कंपनियों ने अपने कोष को दूसरी जगह भेजकर 2006 से अब तक 41,921 करोड़ रुपये का वित्तीय फर्जीवाड़ा किया है। हालांकि, रिलायंस समूह ने इन आरोपों को 'दुष्प्रचार अभियान एवं साजिश' बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया।

कोबरापोस्ट ने रिपोर्ट में कहा कि 28,874 करोड़ रुपये बैंक ऋण, आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) और बॉण्ड से जुटाए गए थे। इस रकम को रिलायंस कम्युनिकेशंस, रिलायंस कैपिटल, रिलायंस होम फाइनेंस, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस और रिलायंस कॉरपोरेट एडवाइजरी सर्विसेज जैसी सूचीबद्ध कंपनियों से निकालकर प्रवर्तक से जुड़ी फर्मों में भेज दिया गया। रिपोर्ट में आरोप है कि 1.535 अरब डॉलर (13,047 करोड़ रुपये)

- रिलायंस समूह ने आरोपों को दुष्प्रचार अभियान एवं साजिश बताते हुए किया खारिज

विदेशी मुखौटा कंपनियों के मार्फत भारत में धोखाधड़ीपूर्ण तरीके से भेजे गए। सिंगापुर, मॉरीशस, साइप्रस, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड, अमेरिका और ब्रिटेन में पंजीकृत इकाइयों का इस्तेमाल किया गया। कोबरापोस्ट का दावा है कि सिंगापुर स्थित कंपनी 'इमर्जिंग मार्केट इन्वेस्टमेंट्स एंड ट्रेडिंग पीटीई (ईएमआईटीएस)' को रहस्यमयी कंपनी नेक्सजेन कैपिटल से 75 करोड़ डॉलर मिले थे जिन्हें रिलायंस इनोवेंचर्स को स्थानांतरित हुआ। यह रिपोर्ट कहती है कि ये निष्कर्ष सरकारी अभिलेखों, मंत्रालयों, नियामकीय संस्थाओं और विदेशी न्यायालयों के आदेशों पर आधारित हैं।

राष्ट्रीय

ईवीएम का बटन इतनी जोर से दबाएं झटके इटली तक महसूस किए जाएं

नालंदा, लखीसराय और मुंगेर जिले की रैलियों को केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने किया संबोधित

चुनाव रैली में शामिल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी।

नालंदा/लखीसराय/मुंगेर, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि बिहार चुनाव में विपक्षी गठबंधन का सफाया हो जाएगा क्योंकि लोग कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की मां का अपमान करने और राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री एवं 'छठी मैया' का उपहास किए जाने का बदला लेंगे। नालंदा, लखीसराय और मुंगेर जिलों में एक के बाद एक रैलियों को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने यह दावा कर 'छठी मैया' का अपमान किया है कि छठी मैया की पूजा करने वाले मोदी एवं अन्य लोग नाटक कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर कटाक्ष करते हुए शाह ने लोगों से ईवीएम पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के चुनाव चिह्न वाले बटन को इतनी जोर से दबाने का आह्वान किया कि उसके झटके इटली तक महसूस किए जाएं। गृह मंत्री ने दावा किया कि लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के मुख्यमंत्री रहने के दौरान बिहार में जंगल राज था। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को दिया गया प्रत्येक वोट राज्य में विकास लाएगा। 1992 से 2004 तक लालू-राबड़ी शासन के दौरान बिहार में 32,000 से अधिक अपहरण और 12 बड़े नरसंहार हुए... नीतीश कुमार ने जंगल राज को समाप्त किया... लेकिन राजद एक नए चेहरे के साथ राज्य में जंगल राज को वापस लाने की कोशिश कर रहा है। शाह ने नीतीश शासन और राजद राज की तुलना करते हुए कहा कि जहां कुमार के 20 साल के शासन में 'एक भी नरसंहार नहीं हुआ', वहीं राजद के सत्ता में रहने के दौरान '38 नरसंहार' हुए थे। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) ने 10 साल में 12 लाख करोड़ के घोटाले किए जबकि मोदी और नीतीश पर भ्रष्टाचार के लिए कोई भी उंगली नहीं उठा सकता।

बिहार विस चुनाव

राजग के शासन में बिहार प्रगति के पथ पर: नड्डा

नालंदा (बिहार)। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार के तहत बिहार के विकास ने गति पकड़ी है, जिसने राज्य को अंधकार के युग से निकालकर प्रगति के पथ पर ला दिया है। नालंदा जिले के बख्तियारपुर विस क्षेत्र की रैली में उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और उसकी सहयोगी कांग्रेस को लोगों के कल्याण की फ्रिक नहीं है। 2005 से पहले, बिहार अंधकार के युग में जी रहा था, लेकिन अब चारों ओर प्रगति है। बिहार 'बीमारू' राज्य से एक अग्रणी राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ा है, और यह लोगों की वोट देने की शक्ति के माध्यम से संभव हुआ है। बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश को इंगित करने वाला बीमारू संक्षिप्त शब्द है, जो सामाजिक और आर्थिक मापदंडों पर पीछे रहते थे। नड्डा ने कहा कि राजद और कांग्रेस को आपके कल्याण की चिंता नहीं है। लालू जी को अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाने की चिंता है, जबकि सोनिया जी को अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाने की चिंता है। राजमार्ग, इंटरनेट, रेलवे और हवाई अड्डे (एचआईआरए) बिहार में विकास के प्रतीक हैं और राजग सरकार द्वारा इनमें सुधार किया जा रहा है। नड्डा ने कहा, "राजग के कार्यकाल में बिहार का रेल बजट नौ गुना बढ़ गया है।

मोदी में ये कहने का दम नहीं कि ट्रंप झूठे हैं: राहुल

नालंदा/शेखपुरा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ऑपरेशन सिंदूर रुकवाने का दावा कर प्रधानमंत्री मोदी का 50 बार अपमान किया है, लेकिन मोदी में ये कहने का दम नहीं है कि ट्रंप झूठे हैं। उन्होंने दूसरे दिन दो जनसभाओं को संबोधित किया और दावा किया कि बिहार में सरकार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नहीं चला रहे हैं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और 'नागपुर' (आरएसएस) चला रहे हैं। राहुल ने दावा किया कि मोदी के हाथ में नीतीश का रिमोट कंट्रोल है। वह जो बटन दबाते हैं, वही चैनल नीतीश चालू कर देते हैं। आखिरी मिनट पर वोट चोरी का प्रयास होगा, लेकिन युवाओं को इसे रोकना है। उन्होंने जनता से वादा किया कि केंद्र में गठबंधन की सरकार बनने पर नालंदा को फिर शिक्षा का वैश्विक केंद्र बनाया जाएगा तथा महागठबंधन की सरकार सभी वर्गों के लिए काम करेगी।

प्रधानमंत्री पर अपमानजनक टिप्पणी के लिए राहुल के विरूद्ध शिकायत दर्ज

पटना। भाजपा ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ उनके उस बयान को लेकर बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के पास लिखित शिकायत दर्ज कराई जिसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वोट के लिए कुछ भी करेंगे, यहां तक कि नाच भी सकते हैं। भाजपा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी के खिलाफ तत्काल और कठोर कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री ही थे जिन्होंने पूर्वाद्ध में अपने विरोधियों पर निशाना साधते हुए मुजरा जैसे शब्द का इस्तेमाल किया था। गांधी ने मुजफ्फरपुर और दरभंगा की जनसभाओं में कहा था कि नरेन्द्र मोदी हर तरह का नाटक करने को तैयार हैं। आप चुनावी रैली में उनसे यह कहकर देखिए कि प्रधानमंत्री, अगर आप नाचेंगे तो हम आपको वोट देंगे। वह खुशी-खुशी भरतनाट्यम करने लगेंगे। भाजपा के निर्वाचन आयोग समन्वय विभाग के संयोजक बिध्याचल राय ने शिकायत में कहा कि ऐसी टिप्पणियां उपहासपूर्ण हैं तथा गणराज्य के सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा का अपमान हैं। आदर्श आचार संहिता और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के उल्लंघन, प्रधानमंत्री के पद का अपमान और सार्वजनिक शिष्टाचार और नैतिक मानदंडों के उल्लंघन को शिकायत का आधार बनाया गया है।

बहाने बनाकर मुआवजा देने से नहीं बच सकतीं बीमा कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बीमा कंपनियां दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा देने से सिर्फ इसलिए इन्कार नहीं कर सकतीं कि वाहन का मार्ग बदला गया था और यह परमिट का उल्लंघन था। न्यायमूर्ति संजय करोल और प्रशांत मिश्रा की पीठ ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बीमा पॉलिसी का उद्देश्य मालिक या संचालक को ऐसी अप्रत्याशित या दुर्भाग्यपूर्ण घटना होने पर प्रत्यक्ष उत्तरदायित्व से बचाना है।

पीठ ने कहा कि केवल इसलिए पीड़ित या आश्रितों को मुआवजा देने से इन्कार करना कि दुर्घटना परमिट सीमा के बाहर हुई और इसलिए बीमा पॉलिसी के दायरे से बाहर है, न्याय की भावना के लिए अपमानजनक होगा। बीमा कंपनी को निश्चित रूप से भुगतान करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने वाहन मालिक और बीमा कंपनी 'द न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड' द्वारा दायर अपील को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। सात अक्टूबर 2014 को एक मोटरसाइकिल चालक को तेज गति व लापरवाही से चलाए जा रहे वाहन ने टक्कर मार दी थी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने ब्याज सहित 18.86 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया था। मुआवजे की राशि से असंतुष्ट होकर याचिकाकर्ता ने कर्नाटक हाईकोर्ट में इस आधार पर अपील दायर की कि न्यायाधिकरण ने मुआवजे की गणना सही ढंग से नहीं की थी। बीमा कंपनी ने न्यायाधिकरण के आदेश को इस आधार पर चुनौती दी कि बीमाकर्ता ने पॉलिसी में उल्लिखित शर्तों का उल्लंघन किया है।

- अदालत ने द न्यू इंडिया इंश्योरेंस की अपील को किया खारिज

पुलिस ने किया उमर, शरजील की जमानत का विरोध

दिल्ली दंगा 2020

दिल्ली पुलिस ने फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों के कथित षडयंत्र से संबंधित यूएपीए मामले में कार्यकर्ताओं उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं का गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में विरोध किया। पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की आड़ में सत्ता परिवर्तन अभियान (रिजीम चेंज ऑपरेशन) के जरिए देश की संप्रभुता और अखंडता पर हमला करने की साजिश रची। दिल्ली पुलिस ने हलफनामे में दलील दी कि कथित अपराधों में देश को अस्थिर करने का जानबूझकर किया गया प्रयास शामिल है, जिसके लिए जमानत नहीं बल्कि जेल उचित है। पुलिस ने कहा कि उसने आरोपियों के खिलाफ प्रत्यक्ष, दस्तावेजी और तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए हैं, जो सांप्रदायिक आधार पर देशव्यापी दंगों को अंजाम देने में उनकी गहरी और संगठित संलिप्तता को दर्शाते हैं। खालिद, इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं पर शुक्रवार को न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ के समक्ष सुनवाई होनी है।

न्यायिक अधिकारी से जुड़े 'हिट-एंड-रन' मामले की सुनवाई पंजाब से दिल्ली स्थानांतरित की

सुप्रीम कोर्ट ने परिवीक्षाधीन न्यायिक अधिकारी से जुड़े कथित 'हिट एंड रन' मामले को पंजाब से रोहिणी की अदालत में स्थानांतरित करने की गुरुवार को अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मृतक के परिवार द्वारा मुकदमे में पक्षपात का आरोप लगाए जाने के बाद मामले को स्थानांतरित कर दिया। मृतक के परिजन का कहना है कि आरोपी न्यायिक अधिकारी है, जिससे मुकदमे में पक्षपात हो रहा है। सुनवाई के दौरान न्यायिक अधिकारी के वकील ने कहा कि यदि मुकदमे को पंजाब से दिल्ली स्थानांतरित किया जाता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि मुकदमे को उत्तर प्रदेश के नोएडा में स्थानांतरित किया जाए क्योंकि मृतक की रिश्तेदार दिल्ली में वकील हैं।

डिजिटल अरेस्ट में 1.2 करोड़ गंवाने के कुछ हफ्ते बाद बुजुर्ग की मौत

पुणे। डिजिटल अरेस्ट में 1.2 करोड़ रुपये गंवाने वाले 83 वर्षीय बुजुर्ग की एक माह बाद दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि धोखाधड़ी करने वालों ने खुद को पुलिस और सीबीआई कर्मी बताकर बुजुर्ग और उनकी पत्नी को फंसाया था। जालसाजों ने सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी को धमकी देकर दावा किया कि उनका नाम प्रमुख व्यक्ति से जुड़े धन शोधन मामले में आया है। बुजुर्ग व्यक्ति की पत्नी ने दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत के एक सप्ताह बाद इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई।

बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या में 11 के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

नई दिल्ली। एनआईए ने कर्नाटक में बजरंग दल के सदस्य सुहास शेट्टी की नृशंस हत्या में गिरफ्तार हुए 11 लोगों के खिलाफ बुधवार को आरोपपत्र विशेष अदालत में दाखिल किया गया है। उसने गुरुवार को कहा कि इस साल एक मई को सात लोगों ने तलवारों एवं अन्य हथियारों से हमलाकर शेट्टी की निर्ममता से हत्या की थी। यह लक्षित हत्या खुलेआम हुई। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देश पर एनआईए ने जांच में हत्या के पीछे बड़ी साजिश का पता लगाया। कई महीनों तक शेट्टी की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखी गई और उस दिन दो कारों में सवार सात लोगों ने शेट्टी की इनोवा कार का पीछा किया। आरोपियों ने शेट्टी द्वारा चलाई जा रही इनोवा को दो वाहनों से टक्कर मारी, जिससे भागने के सभी रास्ते बंद हो गए।

भारत में 2022 में पीएम 2.5 प्रदूषण से 17 लाख से अधिक मौतें : लांसेट

नई दिल्ली, एजेंसी

- लांसेट में प्रकाशित वैश्विक रिपोर्ट अनुसार 44% मौतों के लिए जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार
- 71 संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के 128 विशेषज्ञों ने तैयार की रिपोर्ट

वर्ष 2022 में भारत में मानवजनित पीएम 2.5 वायु प्रदूषण से 17 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई जो 2010 की तुलना में 38% अधिक है। इनमें से 44% मौतों के पीछे जीवाश्म ईंधन का उपयोग जिम्मेदार रहा। यह जानकारी द लांसेट पत्रिका में प्रकाशित वैश्विक रिपोर्ट में दी गई है।

'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025 रिपोर्ट' के अनुसार, सड़क परिवहन में पेट्रोल के उपयोग से ही 2.69 लाख मौतें हुईं। 2022 में बाहरी वायु प्रदूषण के कारण समय से पहले होने वाली मौतों से भारत को 339.4 अरब डॉलर (जीडीपी का 9.5%) का आर्थिक नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के नेतृत्व में 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के 128 विशेषज्ञों की अंतर्राष्ट्रीय टीम ने तैयार की है। यह रिपोर्ट 30वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (सीओपी30) से पहले प्रकाशित की गई है और जलवायु परिवर्तन तथा स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक का सबसे व्यापक आकलन मानी जा रही है।

रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब दिल्ली में लगातार वायु गुणवत्ता खराब से बेहद खराब श्रेणी के बीच बनी हुई है। बीते सप्ताह प्रदूषण से निपटने को कई इलाकों में कृत्रिम वर्षा के प्रयोग हुए, लेकिन पर्यावरण विशेषज्ञों ने कहा कि यह वायु गुणवत्ता में गिरावट के मूल कारणों को हल नहीं करता। भारत में 2022 में मानवजनित वायु प्रदूषण (पीएम2.5) से 17,18,000 मौतें हुईं, जो 2010 की तुलना में 38% अधिक हैं। इनमें 7,52,000 (44%) मौतें जीवाश्म ईंधन (कोयला व तरल गैस) से जुड़ी थीं।

वर्ल्ड ब्रीफ

कनाडा के एडमंटन में भारतीय मूल के व्यक्ति की हत्या

ओटावा। कनाडा के एडमंटन में भारतीय मूल के व्यवसायी की उस समय हत्या कर दी गई, जब उन्होंने अपनी कार पर पेशाब कर रहे एक अजनबी का विरोध किया। एडमंटन पुलिस सेवा के मुताबिक मृतक की पहचान अरवी सिंह सग्गू के रूप में की गई है, जिन्होंने घटना के पांच दिन बाद दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल पर अरवी को बेहोशी की हालत में पाया गया था। उसे प्राथमिक उपचार देने के बाद अस्पताल ले जाया गया। अरवी ने 24 अक्टूबर को अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि 40 वर्षीय काइल पैपिन को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बयान में कहा गया, दोनों व्यक्ति एक-दूसरे को नहीं जानते थे।

अमेरिका से तहव्वुर राणा के पाकिस्तानी संबंधों की जांच में मांगी मदद

नई दिल्ली। भारत ने 2008 के मुंबई हमलों में भूमिका के लिए अमेरिका में दोषी ठहराए गए पाकिस्तानी-कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर हुसैन राणा के पाकिस्तान के साथ संबंधों की जांच के सिलसिले में अमेरिका से मदद मांगी है। एनआईए ने गृह मंत्रालय के जरिए अमेरिकी अधिकारियों से औपचारिक संपर्क किया है। यह कदम मुंबई आतंकवादी हमलों के पीछे के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने और जरूरी सबूत जुटाने के भारत के प्रयासों का हिस्सा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एनआईए ने अपने अमेरिकी समकक्षों को कुछ विशिष्ट प्रश्न भेजे हैं, जिनमें राणा के पाकिस्तानी संस्थाओं के साथ संबंधों के बारे में जानकारी मांगी गई है।

नेपाल : अन्नपूर्णा आधार शिविर में फंसे 17 भारतीय बचाए गए

काठमांडू। नेपाल के म्यागदी स्थित अन्नपूर्णा आधार शिविर में फंसे 17 भारतीय पर्यटकों समेत 72 पर्वतारोहियों को सुरक्षाकर्मियों ने बृहस्पतिवार को बचा लिया। सशस्त्र पुलिस बल के सूत्रों के अनुसार, अन्नपूर्णा आधार शिविर पहुंचे सभी विदेशी पर्यटक भारतीय नागरिक थे। 'हिडन वैली' के नाम से प्रसिद्ध धौलागिरी सर्किट मार्ग पर भारी बर्फबारी के कारण ट्रैक रूट अवरुद्ध हो गया था। यह मार्ग म्यागदी और मुस्तांग जिलों को जोड़ता है। पहाड़ी क्षेत्र में फंसे लोगों की सहायता के लिए मुस्तांग से एक बचाव दल तैनात किया गया। एपीएफ सूत्रों ने बताया कि फंसे हुए लोगों को 4,190 मीटर की ऊंचाई से बचाया गया और सुरक्षित रूप से अन्नपूर्णा ग्रामीण नगर पालिका में लाया गया। यहां सोमवार रात से हो रही भारी बारिश और बर्फबारी से ट्रैक रूट बाधित हो गया और इस कारण समूह वापस नहीं लौट सका।

अमेरिका: निर्दोष होकर भी 43 साल जेल, और अब निर्वासन

फिलाडेल्फिया, एजेंसी

- भारतीय मूल के वेदम पर लगा था मित्र की हत्या करने का आरोप

अपने मित्र की 1980 में हुई हत्या के आरोप से बरी होने का इंतजार करते हुए 43 वर्ष जेल में बिताने के बाद भारतीय मूल के सुब्रमण्यम वेदम को इस महीने पेंसिल्वेनिया की जेल से रिहा होना था। लेकिन उन्हें संघीय अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया, क्योंकि उनके खिलाफ 1999 का एक पुराना निर्वासन आदेश अभी प्रभावी है।

पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के प्राध्यापकों के पुत्र वेदम और थॉमस किंसेर की उम्र 1980 में करीब 18 वर्ष थी। किंसेर की हत्या के मामले में प्रत्यक्षदर्शी या कोई ठोस कारण न होने के बावजूद वेदम को दो बार दोषी ठहराया गया था। अगस्त में एक न्यायाधीश ने वेदम की सजा रद्द कर दी जब उनके वकीलों को नए साक्ष्य मिले, जिन्हें अभियोजन पक्ष ने पहले उजागर नहीं किया था। तीन अक्तूबर को 64 वर्षीय वेदम की बहन उन्हें घर ले जाने की तैयारी कर रही थीं, तभी आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया। अब उन्हें निर्वासन के खिलाफ एक नई कानूनी लड़ाई लड़नी होगी।

वेदम नौ महीने की उम्र में भारत से अमेरिका आए थे। निर्वासन पर ट्रंप प्रशासन के कड़े रुख के बीच, वेदम के वकीलों को यह साबित करना होगा कि 1980 के दशक में मादक पदार्थ के मामले में उनकी दोषसिद्धि के बजाय उनकी गलत सजा के 43 वर्ष को तवज्जो दी जानी चाहिए।

जलवायु परिवर्तन की एक और चेतावनी

पहले से ज्यादा विनाशकारी तूफान

वैसे तो दुनिया में तूफानों की संख्या में पिछले वर्षों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है लेकिन जलवायु परिवर्तन ने उन्हें पहले से ज्यादा शक्तिशाली और विनाशकारी जरूर बनाया है। वैज्ञानिक दावों के मुताबिक दुनिया में आने वाले तूफानों की तीव्रता लगातार बढ़ रही है, वे अपने साथ पहले से ज्यादा वर्षा भी ला रहे हैं। तूफान गर्म महासागरों से उत्पन्न होते हैं, जहां हवा में नमी के कारण कम दबाव वाला क्षेत्र बनता है जो तेज़ हवाओं और भारी बारिश का कारण बनता है। श्रेणी पांच के चक्रवातों को सबसे घातक तूफान माना जाता है जिनकी हवा की गति 252 किमी प्रति घंटा से भी अधिक होती है। वैज्ञानिक पूर्वानुमान हैं कि जलवायु परिवर्तन के कारण निकट भविष्य में तूफानों की तीव्रता और वर्षा और भी बढ़ेगी। भारत फिलहाल मोंथा तूफान का कहर झेल रहा है। दुनिया के कई और देश भी अलग-अलग तूफानों की विनाशलीला का सामना कर रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव

- समुद्र की सतह के गर्म होने से तूफानों को अधिक ऊर्जा मिलती है, जिससे उनकी हवा की गति बढ़ जाती है।
- गर्म हवा अधिक नमी धारण कर सकती है, इससे तूफान अधिक बारिश लाते हैं और बाढ़ का खतरा बढ़ाते हैं।
- जलवायु परिवर्तन से तूफानों को बाधित करने वाली हवा धीमी हो रही है, इससे तूफान और तीव्र होने लगते हैं।
- जलवायु परिवर्तन से श्रेणी 4 और श्रेणी 5 के तूफानों की संख्या में वृद्धि हुई है जो काफी खतरनाक माने जाते हैं।

कैसे पैदा होते हैं तूफान

- गर्म महासागरों पर हवा गर्म होकर ऊपर उठती है और एक कम दबाव वाला क्षेत्र बनाती है।
- इससे खाली हुई जगह भरने के लिए नम हवा तेजी से ऊपर आती है, जिससे बादल बनते हैं।
- हवा का यह घूमने वाला पैटर्न बड़ा चक्रवात बनाता है, तेज हवा के साथ भारी बारिश होती है।
- हवा की गति 63 किमी प्रति घंटा से अधिक होने पर इसे उष्णकटिबंधीय तूफान कहा जाता है।
- 119 किमी से तेज तूफान अटलांटिक-प्रशांत में हरिकेन, हिंद महासागर में चक्रवात कहलाते हैं।

भारत में कब कितनी तबाही

- वर्ष 1999 में आए ओडिशा सुपर साइक्लोन की गति 260 किमी/घंटा थी, इसमें 10,000 से अधिक लोगों की मौत और बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान हुआ।
- वर्ष 1977 में आए आंध्र तटीय चक्रवात की भी रफ्तार 250 किमी/घंटा थी, इससे भी 10,000 से अधिक मौतें होने के साथ लाखों लोगों को बेघर होना पड़ा।
- वर्ष 1971 में आए ओडिशा चक्रवात भी विनाशकारी था, इससे हजारों लोगों की जान चली गई थी और 10 लाख से ज्यादा लोगों को बेघर होना पड़ा था।

- दुनिया भर में हर साल आते हैं करीब 80 उष्णकटिबंधीय चक्रवात

सबसे विनाशकारी तूफान

- बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) में 1970 में आए ग्रेट भोला चक्रवात से 5 लाख लोगों की मौत हुई थी।
- अमेरिका में 2024 में हरिकेन मिल्टन से भारी तबाही, अनुमानित तौर पर 60 बिलियन डॉलर से अधिक क्षति।
- वर्ष 2013 में फिलीपींस में हरिकेन हैयान ने रिकॉर्डतोड़ गति और तूफानी लहरों के साथ बड़े पैमाने पर विनाश।
- वर्ष 2024 में ही हरिकेन हेलेन से अमेरिका, क्यूबा, मैक्सिको में 55 बिलियन डॉलर का नुकसान, 232 मौत।

शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद ट्रंप ने चीन पर टैरिफ घटाकर 47% किया

बीजिंग दुर्लभ धातुओं के निर्यात और अमेरिका से सोयाबीन खरीदने पर सहमत

एयर फोर्स वन विमान से, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हुई आमने-सामने की मुलाकात को बेहद सफल बताते हुए कहा कि वह चीन पर लगाए गए टैरिफ में कटौती करेंगे जबकि बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात की अनुमति देने और अमेरिका से सोयाबीन खरीदने पर सहमति जताई है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से कहा कि अमेरिका इस वर्ष की शुरुआत में चीन पर लगाए गए 20 प्रतिशत के दंडात्मक टैरिफ में कटौती कर इसे 10 प्रतिशत करेगा। ये टैरिफ फेंटानिल बनाने में उपयोग होने वाले रसायनों की बिक्री को लेकर लगाए गए थे। इसके साथ ही चीन पर कुल संयुक्त टैरिफ दर 57 प्रतिशत से घटकर 47 प्रतिशत रह जाएगी। ट्रंप ने कहा, अगर मैं इस बैठक का शून्य से 10 के पैमाने पर आकलन करूं तो 10 अंक दूंगा, बल्कि मैं बैठक को 12 अंक दूंगा। उन्होंने बताया कि वह अप्रैल में चीन की यात्रा करेंगे और शी चिनफिंग उसके कुछ समय बाद अमेरिका आएंगे।

ट्रंप ने कहा कि दोनों नेताओं ने उन्नत कंप्यूटर चिप्स के निर्यात पर भी चर्चा की। एनविडिया कंपनी इस मुद्दे पर चीनी अधिकारियों से बातचीत करेगी। ट्रंप ने कहा कि वह जल्द ही चीन के साथ एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हमारे बीच अब बहुत कम बड़े अवरोध बचे हैं। ट्रंप और शी जिनपिंग की बैठक दक्षिण कोरिया के बुसान में हुई, जो ग्योंगजू से लगभग 76 किमी दक्षिण में स्थित है।

दक्षिण कोरिया के बुसान में हुई ट्रंप और शी जिनपिंग के बीच बैठक।

टिकटॉक के स्वामित्व पर फैसला नहीं, वार्ता जारी

बुसान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन के शीर्ष नेता शी जिनपिंग के साथ बृहस्पतिवार को हुई बैठक में व्यापार तनाव कम करने के लिए कई फैसले लिए गए लेकिन टिकटॉक के स्वामित्व पर कोई समझौता नहीं हो सका। बैठक के बाद चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, चीन टिकटॉक से संबंधित मुद्दों को उचित तरीके से हल करने के लिए अमेरिका के साथ काम करेगा। इसमें अमेरिका में लोकप्रिय 'वीडियो-शेयरिंग' मंच के भाग्य के बारे में अनिश्चितता को समाप्त करने की दिशा में किसी भी प्रगति के बारे में कोई विवरण नहीं दिया गया। ट्रंप प्रशासन संकेत दे रहा था कि वह अंततः अमेरिका में टिकटॉक को चालू रखने के लिए बीजिंग के साथ एक समझौते पर पहुंच गया है। राजस्व मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने रविवार को सीबीएस टीवी चैनल के कार्यक्रम में कहा था कि दोनों नेता बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया में इस समझौते को अंतिम रूप देंगे।

- दक्षिण कोरिया में 100 मिनट लंबी बैठक के बाद ट्रंप ने आशावादी रुख दिखाया लेकिन दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तनाव की आशंका अब भी बनी हुई है। दोनों देश उद्योग, एआई जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के विकास और यूक्रेन युद्ध जैसे वैश्विक मामलों में प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। ट्रंप ने दूसरे कार्यकाल आक्रामक रूप से टैरिफ लगाए थे और इसके जवाब में चीन ने दुर्लभ मृदा तत्वों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया, जिसके मद्देनजर यह बैठक आवश्यक हो गई थी।

भारत के प्रतिकूल फैसला

विदेशी गैरप्रवासी श्रमिकों के लिए वर्क परमिट का स्वतः विस्तार समाप्त

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की पिछली सरकार के एक नीतिगत फैसले को वापस ले लिया और वर्क परमिट के विस्तार का अनुरोध करने वाले विदेशी गैरप्रवासी वीजा धारकों के दोबारा सत्यापन को अनिवार्य कर दिया है। यानी अब उन्हें वर्क परमिट बढ़वाने के लिए फिर से सुरक्षा जांच या सत्यापन प्रक्रिया से गुजरना होगा। इस कदम का असर भारतीय नागरिकों पर भी पड़ने की संभावना है। कुछ श्रेणियों के विदेशी कामगारों के लिए रोजगार अनुमति पत्र (ईएडी) की वैधता को स्वतः बढ़ाने की प्रक्रिया को समाप्त करने वाले नए नियम बृहस्पतिवार से लागू हो गए। बाइडन प्रशासन ने मई 2022 में उन नियमों में संशोधन किया था, जिनके तहत रोजगार अनुमति पत्र के नवीनीकरण के लिए नए आवेदन दाखिल करने पर आवेदकों को बिना किसी सत्यापन प्रक्रिया के स्वतः ही 540 दिनों का विस्तार मिल जाता था। बिना किसी सत्यापन प्रक्रिया के विस्तार देने का बाइडन सरकार का निर्णय उस दौरान वर्क परमिट प्रदान करने के लिए लंबित 15 लाख अनुरोधों को देखते हुए लिया गया था क्योंकि ऐसी आशंका थी कि इन अनुरोधों को सत्यापित और संसाधित करने में देरी से बेरोजगारी बढ़ सकती है।

रूस से तेल आयात कम करने के मुद्दे पर बहुत अच्छा रहा है भारत का रुख: ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि रूस से तेल आयात कम करने के मुद्दे पर भारत का रुख बहुत अच्छा रहा है। उन्होंने अपने इस दावे को दोहराया कि मॉस्को से अपनी ऊर्जा खरीद में भारत उल्लेखनीय कमी लाएगा।

ट्रंप बुसान में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक के बाद वाशिंगटन लौटते समय एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उनसे रूसी तेल खरीद के बारे में पूछा गया। ट्रंप ने कहा, शी लंबे समय से रूस से तेल खरीद रहे हैं। यह चीन के एक बड़े हिस्से की देखभाल करता है। और, आप जानते हैं, मैं कह सकता हूँ कि भारत इस मोर्चे पर बहुत अच्छा रहा है। लेकिन हमने तेल पर ज्यादा चर्चा नहीं की। हमने साथ मिलकर काम करने पर चर्चा की ताकि यह देखा जा सके कि क्या हम उस युद्ध को ख़त्म कर सकते हैं।

परमाणु हथियारों का फिर से परीक्षण शुरू करेगा अमेरिका

बुसान, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि उनका देश तीन दशकों में पहली बार परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह परीक्षण रूस और चीन के समान स्तर पर किया जाएगा।

ट्रंप ने अपने बयान में अमेरिकी नीति में संभावित बड़े बदलाव की बहुत कम जानकारियां दी हैं। ट्रंप ने यह घोषणा बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात से कुछ मिनट पहले अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर की। अमेरिकी सेना पहले से ही परमाणु मुखास्त्र ले जाने में सक्षम मिसाइलों के परीक्षण करती रही है, लेकिन 1992 से अमेरिका ने परमाणु विस्फोट परीक्षणों पर रोक लगा रखी है। ट्रंप ने कहा कि अब बदलाव जरूरी है क्योंकि अन्य देश हथियारों का परीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि वह किन देशों की बात कर रहे हैं, लेकिन यह बयान शीत युद्ध काल जैसी परमाणु होड़ की याद दिलाता है।

- ट्रंप ने बुसान में किया एलान, अन्य देशों के परीक्षणों को बताया कारण

उन्होंने कहा, दूसरे देशों के परीक्षण कार्यक्रमों के कारण मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि हमारे परमाणु हथियारों का समान स्तर पर परीक्षण शुरू करें। यह प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। व्हाइट हाउस ने इस बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन के अधिकारियों ने भी परमाणु मिसाइल परीक्षणों पर ट्रंप की घोषणा पर सवालों का जवाब नहीं दिया।

चीन अंतरिक्ष में चूहों पर करेगा शोध अध्ययन

जिक्वान। चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन तियांगोंग पर चूहों पर वैज्ञानिक शोध करेगा। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी 'चाइना मैन्ड स्पेस स्पेस एजेंसी' (सीएमएसए) ने बताया कि दो नर और दो मादा चूहों को शेनझोउ-21 अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष स्टेशन ले जाया जाएगा और उन पर शोध किया जाएगा।

शेनझोउ-21 को शुक्रवार रात 11:44 बजे उत्तर-पश्चिम चीन के जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा। इस यान से अंतरिक्ष यात्री झांग लू, वू फी और झांग होंगझांग रवाना होंगे। सीएमएसए के प्रवक्ता झांग जिंगबो ने शेनझोउ-21 के उड़ान भरने से एक दिन पहले कहा कि यह पहली बार है जब चीन चूहों पर अंतरिक्ष में प्रयोग करने जा रहा है। कक्षा में सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण जैसी अंतरिक्ष की स्थितियों का इन चूहों के व्यवहार पर पड़ने वाले असर का अध्ययन किया जाएगा। झांग ने कहा कि बाद में चूहों को अन्य अंतरिक्ष यान से वापस पृथ्वी पर लाया जाएगा। यहां पृथ्वी पर उन पर फिर से वैज्ञानिक शोध किया जाएगा कि अंतरिक्ष वातावरण में चूहों के विभिन्न ऊतकों और अंगों पर क्या प्रभाव पड़ा।

- आज रात अंतरिक्ष रवाना होगा चीन का शेनझेउ- 21 यान

रूस के हमलों के बाद पूरे यूक्रेन में बिजली गुल

कीव, एजेंसी

रूस ने एक बार फिर ड्रोन और मिसाइल से बड़े पैमाने पर हमला करके यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया, जिसके कारण बृहस्पतिवार को पूरे देश में बिजली गुल हो गई। यूक्रेनी प्रधानमंत्री ने रूस की इस रणनीति को 'व्यवस्थित ऊर्जा आतंक' करार दिया है।

इन हमलों में कम से कम दो लोगों की मौत भी हो गई और 17 घायल हो गए। रूस कड़ाके की सर्दी शुरू होने के साथ ही यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे को नुकसान पहुंचा रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने हमले में 650 से ज्यादा ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 50 से अधिक मिसाइलें दागीं। यूक्रेन के शहर पानी, सीवेज और 'हीटिंग सिस्टम' चलाने के लिए केंद्रीकृत सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का उपयोग करते हैं और बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण ये काम नहीं कर पाते। यूक्रेन की प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने कहा, रूस व्यवस्थित ऊर्जा आतंक जारी रखे हुए है और सर्दियां शुरू होते ही यूक्रेनवासियों के जीवन और गरिमा पर प्रहार कर रहा है। उसका लक्ष्य यूक्रेन को अंधकार में डुबोना है, हमारा लक्ष्य प्रकाश बरकरार रखना है। उन्होंने कहा, इस आतंक को रोकने के लिए यूक्रेन को और अधिक वायु रक्षा प्रणालियों, मॉस्को के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों और अधिकतम दबाव बनाने की आवश्यकता है।

- सर्दी शुरू होने से पहले यूक्रेन को भीषण संकट में लाने की रणनीति

पुतिन का यूक्रेन के दो शहरों को घेरने का दावा

कीव। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को दावा किया कि रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के दो प्रमुख पूर्वी शहरों में यूक्रेनी सेना को घेर लिया है और उनसे आत्मसमर्पण करने को कहा है, वहीं यूक्रेन के सैन्य अधिकारियों ने पुतिन के इस दावे का खंडन किया है। पुतिन ने मॉस्को के एक सैन्य अस्पताल में घायल सैनिकों के साथ बातचीत में कहा कि रूसी सैनिक यूक्रेन और पश्चिमी देशों के पत्रकारों के लिए सुरक्षित गलियारे खोलने के लिए तैयार है ताकि वे अपनी आंखों से देख सकें कि क्या हो रहा है।

कनाडा में मनी दिवाली, उत्तराखंडी संस्कृति की जगमग

अमृत विचार संवाददाता, टोरेंटो

कनाडा में उत्तराखंड कल्चरल एसोसिएशन ऑफ कनाडा की तरफ से दिवाली धूमधाम के साथ मनाई गई। मेयर पैट्रिक ब्राउन ने दीप प्रज्वलित कर इसका आगाज किया और उत्तराखंड परिवार को बधाई भी दी। इस दौरान सभी अपने पारंपरिक परिधानों में आए।

आयोजन में कनाडा भर से उत्तराखंडी समुदाय के सदस्यों के साथ अन्य भारतीय समुदायों के प्रतिनिधियों व स्थानीय अतिथियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। शुरुआत भारत और कनाडा के राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसने आपसी सम्मान और सांस्कृतिक एकता का संदेश प्रसारित किया। मेयर ने भारतीय समुदाय की सक्रियता, योगदान और सांस्कृतिक विविधता की सराहना की। दीप प्रज्वलन के बाद गणेश वंदना तथा उत्तराखंड के लोकनृत्य झोड़ा, चांचरी और छपेली की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। बच्चों और युवाओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर वातावरण को उल्लास से भर दिया।

दिवाली के आयोजिन में मेयर पैट्रिक ब्राउन और उत्तराखंडी समुदाय के सदस्य।

संघ के अध्यक्ष संजय जोशी ने कहा कि ऐसे आयोजन कनाडा में बसे उत्तराखंडवासियों को जड़ों से जोड़ते हैं और आने वाली पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराते हैं। कार्यक्रम सफल बनाने में संजय जोशी, राज कोठियाल, मनु जखवाल, मुकेश रावत, कोषाध्यक्ष, नीरजा जोशी, सीमा कांती पराशर, बबीता तिवारी कपूर, गीतू बहुगुणा और श्वेता कोठियाल ने योगदान दिया।

- उत्तराखंड कल्चरल एसोसिएशन ऑफ कनाडा ने किया आयोजन

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 31 अक्टूबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 10.03 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

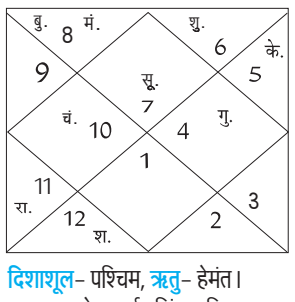

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- धनिष्ठा 18.51 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष आज राजनीति से जुड़े लोगों को अत्यधिक यश प्राप्त होगा। मित्रों से सुखद समाचार मिल सकता है। अधिकारी वर्ग से अपने संबंध मधुर रखें। धार्मिक कार्यों में आप धन खर्च कर सकते हैं। बच्चों के साथ बहुत ही अच्छा समय बिताएंगे।

वृष आज पूरा दिन उत्साह से भरपूर रहेगा। परिवार में कुछ कलह हो सकती है। सोशल मीडिया पर आप आप सक्रिय रहेंगे। लोग आपके व्यवहार से प्रभावित रहेंगे। व्यर्थ की गतिविधियों में ध्यान न दें। संतान पक्ष से हर्षदायक समाचार प्राप्त होगा।

मिथुन आज उच्च अधिकारियों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। नकारात्मक विचारों से दूरी बनाकर रखें। दूसरों के साथ मिलकर किए गए कार्यों में तालमेल को लेकर समस्या हो सकती है। धैर्य से निर्णय न लेने के कारण आपको नुकसान हो सकता है।

कर्क आज दिन की शुरुआत में आलस्य हो सकता है। राजनीतिक लोगों के लिए का दिन शुभ नहीं है। अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान अवश्य रखें। दांपत्य सुख में कमी आ सकती है। मित्रों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलेगा।

सिंह आज आर्थिक उन्नति होने के योग बन रहे हैं। कानूनी अड़चनों को दूर करने में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपको आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। बुद्धिमान व्यक्तियों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रेम संबंधों को आप काफी समय देंगे।

कन्या आज पुराने कार्यों को पूरा करने की चिंता रहेगी। विदेश से नए जॉब के ऑफर मिलने के योग बन रहे हैं। परिवार को आप अत्यधिक महत्व देंगे। उधार में लिया हुआ धन वापस लौटा सकते हैं। सेहत के मामले में काफी फिट रहेंगे।

तुला आज शेयर मार्केट और म्यूचुअल फंड में निवेश से लाभ मिलेगा। दूसरों के सामने अपनी बातें खुलकर रखें। आपको नए स्रोतों से धन प्राप्त होगा। घर के वातावरण में थोड़ी गंभीरता रहेगी। गृहस्थ जीवन में प्रेम और सद्भावना बढ़ेगी।

वृश्चिक आज परिजनों का अपेक्षित सहयोग नहीं मिलेगा। अधिक बोलने से आपका अनादर हो सकता है। आपको अधिक भागदौड़ नहीं करनी चाहिए। दुविधा के कारण काम प्रभावित हो सकते हैं। विरोधी आपको भ्रमित करने का प्रयास कर सकते हैं।

धनु आज जॉब की तलाश कर रहे व्यक्तियों को सफलता मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति बेहतरीन रहने वाली है। व्यवसाय में आशा के अनुरूप लाभ मिलेगा। अपने महत्वपूर्ण लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में अग्रसर होंगे।

मकर आज सिर्फ अपने काम पर ध्यान दें। लोग आपका मनोबल भी गिराने का प्रयास कर सकते हैं। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार खराब न करें। उधार लेन-देन से बचें। व्यर्थ की भागदौड़ करने से आपका स्वास्थ्य कमजोर हो सकता है।

कुंभ आज आपको सुखद समाचार प्राप्त होंगे। आपके द्वारा दी गई सलाह से लोगों को लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे। नए व्यवसाय में आप जुड़ने का प्रयास कर सकते हैं। दोस्तों के साथ पुरानी यादें साझा करेंगे।

मीन आज आपका मन थोड़ा विचलित रहेगा। संपत्ति के दस्तावेजों को संभालकर रखें। अत्यधिक श्रम करने के कारण आपको थकान महसूस होगी। अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखें। वाणी में संयम रखें। प्रतिद्वंद्वियों से आपको सावधान रहना चाहिए।

सुडोकू-146

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			2		3
	2				3			4
	5							7
		3	4					
		8				9		
		1		7	9	6		
6			8				1	
4			9					
7		9						

सुडोकू - 145 का हल

9	5	1	2	6	7	4	3	8
2	7	8	3	4	5	6	1	9
6	4	3	9	8	1	2	7	5
3	2	5	1	7	9	8	4	6
4	8	9	6	2	3	1	5	7
7	1	6	8	5	4	3	9	2
5	6	7	4	1	2	9	8	3
1	3	2	7	9	8	5	6	4
8	9	4	5	3	6	7	2	1

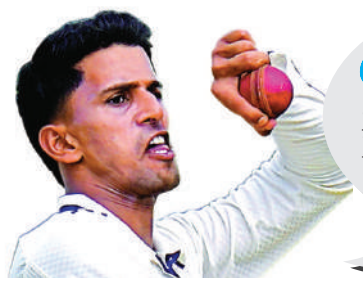

मुंबई के अनुभवी बल्लेबाजों जैसे अजिंक्य रहाणे को नेट्स पर गेंदबाजी करने से उनके ऑफ-स्पिन कौशल को निखारने में मदद मिली। मुंबई रणजी टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो भारत के लिए खेल चुके हैं और वे स्पिन के खिलाफ किसी भी टीम में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं।
-तनुश कोटियन

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

कनाडा ओपन में अनाहत का सफर थमा

टोरंटो : भारत की युवा स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह के कनाडा ओपन में शानदार अभियान पर विराम लग गया जब वह सेमीफाइनल में इंग्लैंड की जिना कैनेडी से सीधे गेम में हार गई। सत्रह वर्ष की अनाहत को दुनिया की दसवें नंबर की खिलाड़ी कैनेडी ने 96250 डॉलर ईनामी राशि के पीएसए सिल्वर टूर्नामेंट में 11 .5, 11 . 8, 12 . 10 से हराया। अनाहत ने प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस की मेलिसा अल्वेस को हराया था। वहीं क्वार्टर फाइनल में दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी और गत चैम्पियन बेल्जियम की टिन्ने गिलिस को मात दी थी।

किरण ने पोपोव को हराकर उलटफेर किया

सारब्रकेन (जर्मनी) : भारत के किरण जॉर्ज ने बृहस्पतिवर को यहां 475000 डॉलर इनामी हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंट टूर्नामेंट में उलटफेर करते हुए दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को हराकर पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी किरण ने 69 मिनट चले मुकाबले में आठवें वरीय पोपोव को 18-21, 21-18, 21-19 से हराया। प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी में ट्रेनिंग करने वाले 25 साल के किरण जनवरी में इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। ओडिशा ओपन 2022 और इंडोनेशिया मास्टर्स 2023 के रूप में दो सुपर 100 टूर्नामेंट जीतने वाले किरण अगले दौर में दूसरे वरीय इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी और चीनी ताइपे के ची यू जेन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराते ही रो पड़ीं जेमिमा

आईसीसी महिला विश्व कप : भारत खिताब से एक कदम दूर, रॉड्रिग्स ने खेली ऐतिहासिक यादगार पारी, टीम हुई भावुक

नवी मुंबई, एजेंसी

भारतीय महिला टीम विश्व विजेता बनने से महज एक कदम दूर है। आज जेमिमा रॉड्रिग्स के बल्ले से रन निकलते रहे और एक ऐसी पारी उन्होंने खेल डाली जो क्रिकेट की किवदंतियों में शुमार हो जाएगी। जीत के बाद उनके जज्बात का सैलाब भी रूक नहीं सका। जेमिमा ने अपने शतक पर जश्न नहीं मनाया। उनके चेहरे पर मुस्कुराहट और खुशी के आंसू विजयी शॉट लगाने के बाद ही नजर आए। मैच खत्म होने के बाद एक क्षण को वह जड़वत खड़ी रही। दूधिया रोशनी में उनकी आंखों की नमी साफ नजर आ रही थी। यह मैच जिताने वाला शतक ही नहीं था बल्कि जिम्मेदारी निभाने का भाव भी इसमे समाहित था। ईसामसीह पर अगाध आस्था रखने वाली जेमिमा ने विश्व कप के नॉकआउट मैच के इतिहास की सबसे यादगार पारियों में से एक खेली। मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में भावनाओं पर काबू पाने की कोशिश करते हुए जेमिमा ने कहा आखिर में बस मैं बाइबिल में लिखी हुई वह बात याद कर रही थी कि चुपचाप खड़े रहो और खुदा मेरे लिये लड़ेगा। इस मैच से पहले तक अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पाने के लिए आलोचना झेल रही जेमिमा ने विश्व रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए 127 रन की पारी खेली।

विजयी शॉट लगाने के बाद जेमिमा रॉड्रिग्स और अमनजोत कौर ने एक-दूसरे को गले लगा लिया। खुशी के पलों में जेमिमा रॉड्रिग्स भावुक हो गईं। एजेंसी

भाग्य ने भारतीय टीम का खूब निभाया साथ : भारतीय टीम के साथ भाग्य भी था। ऑस्ट्रेलियाई क्षेत्ररक्षकों ने कैच करने के कई मौके गंवाए जिसका फायदा मेजबान टीम को मिला। रॉड्रिग्स और हरमनप्रीत ने संयम से खेलते हुए तीसरे विकेट के लिए 156 गेंद में 167 रन की भागीदारी निभाई जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। हरमनप्रीत ने 88 गेंद में 10 चौके और दो छक्के जड़े।

शेफाली वर्मा अपेक्षा पर खरी नहीं उतरीं : फॉर्म में चल रही प्रतिका रावल के चोटिल होने के कारण अंतिम एकादश में शामिल हुईं शेफाली वर्मा (10) दूसरे ही ओवर में किम गार्थ की गेंद पर पगबाधा हो गईं। मेजबान टीम ने फिर पावरप्ले में अपनी स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना (24 रन) का विकेट गंवा दिया। गार्थ की गेंद पर विकेटकीपर हीली ने कैच लपका लेकिन अंपायर ने इसे वाइड करार दिया। पर हीली ने रिव्यू लेने का फैसला किया जिसमें गेंद मंधाना के बल्ले के किनारे से छूती हुई दिखी और ऑस्ट्रेलिया को 10वें ओवर में अहम विकेट मिल गया। इस समय भारत का स्कोर 59 रन था।

जेमिमा और हरमनप्रीत ने रखी जीत की नींव : रॉड्रिग्स ने अपनी पारी के दौरान कट शॉट और स्वीप शॉट लगाने के साथ बीच-बीच में एक दो रन लेकर सतर्कता से पारी को आगे बढ़ाया। तो वहीं हरमनप्रीत ने अर्धशतक पूरा करते ही आक्रामकता बरतते हुए तहलिया मैकग्रा पर एक्स्ट्रा कवर में और एशले गार्डनर पर काउ कॉर्नर पर छक्का जड़ा। भारत ने 30 ओवर में दो विकेट पर 189 रन बना लिए थे।

हरमनप्रीत को पैर की मांसपेशियों में खिंचाव से परेशानी हो रही थी और पर कुछ देर बाद उन्होंने अनाबेल सदरलैंड की गेंद को पुल किया लेकिन यह उनके बल्ले के ऊपर हिस्से से लगकर हवा में चली गई और गार्डनर ने कैच लपकने में कोई गलती नहीं की। भारत को 36वें ओवर में तीसरा झटका 226 रन पर लगा।

श्री चरणी ने ऑस्ट्रेलिया की पारी को थामा : इससे पहले अगर बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी (49 रन देकर दो विकेट) ने 3-0-9-2 के तीसरे स्पैल में शानदार गेंदबाजी नहीं की होती तो ऑस्ट्रेलियाई टीम इससे भी विशाल स्कोर तक पहुंच गई होती। श्री चरणी ने बेथ मूनी (24) और फॉर्म में चल रही एनाबेल सदरलैंड (03) को आउट किया। श्री चरणी ने भारत को पारी पर नियंत्रण लाने में मदद की क्योंकि अन्य भारतीय गेंदबाजों को पिच पर संघर्ष करना पड़ रहा था जिस पर उन्हें कोई मदद नहीं मिल रही थी। वहीं कुछ गलतियां क्षेत्ररक्षण में भी हुईं जिससे मेजबान टीम के लिए चीजें और मुश्किल हो गईं। बल्कि श्री चरण के इस स्पैल से ऑस्ट्रेलियाई रन गति धीमी हुई। मेहमान टीम दो विकेट पर 220 रन के स्कोर से छह विकेट पर 265 रन तक पहुंच गई लेकिन इसके बाद गार्डनर की 45 गेंद में चार चौके और इतने ही छक्के जड़ित पारी ने टीम को 300 रन के पार करा दिया। टीम एक गेंद रहते 338 रन के स्कोर पर सिमट गई। लिचफील्ड ने 119 रनों की पारी के दौरान 17 चौके और तीन छक्के जड़े। पैरी ने 88 गेंद में छह चौके और दो छक्के जमाए।

ऑस्ट्रेलिया

338/10 (49.5 ओवर)

एलिसा हीली बो गौड़	05
फोबे लिचफील्ड बो अमनजोत	119
एलिस पैरी बो राधा	77
बेथ मूनी का रोड्रिग्स बो श्री चरणी	24
अनाबेल का एवं बो श्री चरणी	03
एशले गार्डनर रन आउट	63
तहलिया मैकग्रा रन आउट	12
किम गार्थ रन आउट	17
अलाना किंग का रिचा बो दीप्ति	04
सोफी मोलिनू बो दीप्ति	00
मेगान शट नाबाद	01

गेंदबाजी : रेणुका सिंह 8-0-39-0, क्रांति गौड़ 6-0-58-1, श्री चरणी 10-0-49-2, दीप्ति शर्मा 9 .5-0-73-2, अमनजोत कौर 8-0-51-1, राधा यादव 8-0-66-1

भारत

341/5 (48.3 ओवर)

शेफाली वर्मा पगबाधा बो गार्थ	10
स्मृति मंधाना का हीली बो गार्थ	24
जेमिमा रॉड्रिग्स नाबाद	127
हरमनप्रीत का गार्डनर बो सदरलैंड	89
दीप्ति शर्मा रन आउट	24
रिचा घोष का गार्थ बो सदरलैंड	26
अमनजोत कौर नाबाद	15

गेंदबाजी : मेगान शट 6-0-40-0, किम गार्थ 7-0-46-2, एशले गार्डनर 8-0-55-0, सोफी मालिनू 6 .3-0-44-0, अनाबेल सदरलैंड 10-0-69-2, अलाना किंग 9-0-58-0, तहलिया मैकग्रा 2-0-19-0

सूर्यकुमार के फॉर्म में लौटने से टीम के हौसले बुलंद

मेलबर्न, एजेंसी

कप्तान सूर्यकुमार यादव के फॉर्म में लौटने के बाद भारतीय टीम शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक एमसीजी मैदान पर होने वाले दूसरे टी-20 मैच के लिए यहां बुलंद हौसलों के साथ पहुंच गई है। अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और शिवम दुबे अपने आक्रामक खेल से टी-20 क्रिकेट में बल्लेबाजी की नई परिभाषा गढ़ने के बाद आस्ट्रेलिया पहुंचे हैं लेकिन पिछले कुछ समय से कप्तान सूर्यकुमार का बल्ला खामोश रहना चिंता का सबब बना हुआ था।

पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में हालांकि सूर्यकुमार ने 24 गेंद में 39 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की। उन्होंने जोश हेजलवुड को 125 मीटर ऊंचा छक्का लगाया जो लंबे समय तक याद रहेगा। बारिश के कारण हालांकि कैनबरा में दूसरा मैच धुल गया जब भारत ने 9.4 ओवर में एक विकेट पर 97 रन बनाये थे। सूर्यकुमार और शुभमन गिल दोनों आस्ट्रेलियाई आक्रमण की बखिया उधेड़ने को तत्पर लग रहे थे। मेलबर्न में भी शुक्रवार को बारिश होने का अनुमान है हालांकि भारतीय टीम अपनी लय बनाये रखने की पूरी कोशिश करेगी।

समयः दोपहर 1:45 बजे से

दूसरे मैच से पहले भारत के लिये अच्छी बात सूर्यकुमार का फॉर्म में लौटना है। विश्व कप से पहले मुख्य कोच गौतम गंभीर अपनी टीम से बेखौफ खेल की उम्मीद करते हैं और उसके लिये सूर्यकुमार का फॉर्म अहम होगा। गंभीर चाहते हैं कि उनकी टीम नियमित तौर पर 250, 260 और उससे अधिक स्कोर बनाये। हाल ही में भारतीय बल्लेबाजों के आक्रामक प्रदर्शन से जाहिर है कि बल्लेबाज गंभीर का फलसफा बखूबी समझ गए हैं। भारत की नजरें श्रीलंका के साथ सह मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप में खिताब बरकरार रखने पर लगी होंगी। भारत ने पिछली बार रोहित शर्मा की कप्तानी में वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुआ टी20 विश्व कप जीता था। भारत को कैनबरा में गेंदबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन जसप्रीत बुमराह, वरूण चक्रवतर्ह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल की मौजूदगी में भारत का गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत है। उन्हें हालांकि मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड के बल्लों पर अंकुश लगाना होगा जो अतीत में उनके लिये परेशानी का सबब बन चुके हैं।

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा टी-20 मुकाबला आज

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, जोश हेज़लवुड, ग्लेन मैक्सवेल, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस

टी-20 लीग के चेयरमैन बने डॉ. संजय कपूर

कानपुर। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की 20वीं वार्षिक आमसभा में कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर को यूपी टी-20 लीग का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। गाजीपुर के संजीव सिंह को लीग का कंवीनियर बनाया गया है। इसके अलावा संघ के लाइफ मेंबर राजीव शुक्ला ही बीसीसीआई में यूपीसीए का प्रतिनिधित्व करेंगे।

होटल लैंडमार्क में हुए यूपीसीए के चुनाव में बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला की मौजूदगी में नई कार्यकारणी व समितियों की घोषणा की गई। सभी पदों पर केवल एक ही नामांकन थे। डॉ. निधिपति सिंघानिया ने दोबारा अध्यक्ष पद संभाला। पिछली कार्यकारणी में कोषाध्यक्ष रहे कानपुर के प्रेम मनोहर गुप्ता यूपीसीए के नए सचिव बने हैं। गाजियाबाद के राकेश मिश्रा उपाध्यक्ष, उमर मुस्तफा हसन संयुक्त सचिव और कानपुर के सचिन आनंद शुक्ला कोषाध्यक्ष बने हैं, जो राजीव शुक्ला के भतीजे हैं।

भारत ए ने पहले दिन दक्षिण अफ्रीका ए को 299 रनों पर रोका

बेंगलुरु, एजेंसी

जोर्डन हरमान और जुबैर हमजा की शतकीय साझेदारी के बावजूद तनुष कोटियान की अगुवाई में भारत ए के स्पिनरों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेते हुए दक्षिण अफ्रीका ए को चार दिवसीय मैच के पहले दिन नौ विकेट पर 299 रन पर रोक दिया। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर दक्षिण अफ्रीका ए के लिए हरमान (71) और हमजा (66) ने दूसरे विकेट के लिये 130 रन की साझेदारी की। हमजा को तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने आउट किया जो विकेट के पीछे ऋषभ पंत को कैच दे बैठे। इसके बाद से भारतीय गेंदबाजों ने पकड़ बना ली।

हरमान को आफ स्पिनर कोटियान ने पगबाधा आउट किया। कोटियान ने 83 रन लेकर चार विकेट चटकाए। सलामी बल्लेबाज लेसेगो सेनोकवाने ने तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज की गेंद पर पहली स्लिप में आयुष म्हात्रे को कैच थमाया। वहीं रिवाल्डो मूनसैमी ने बायें हाथ के स्पिनर मानव सुतार की गेंद पर स्लिप में आयुष बडोनी को कैच दिया।

भारत ए के कप्तान ऋषभ पंत टीम के साथियों के साथ। एजेंसी

गुवाहाटी में लंच से पहले हो सकता है चाय सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी : देश के पूर्वोत्तर हिस्से में सर्दियों के महीनों में जल्दी सूर्यास्त होने के चलते भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुवाहाटी के बरसापारा में 22 नवंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में ब्रेक में फेरबदल करते हुए पहले सत्र के बाद चाय का सत्र और दूसरे सत्र के दौरान लंच का सत्र कराया जा सकता है। भारत में टेस्ट मैच सुबह 9 :30 बजे शुरू होते हैं और शाम 4 :30 बजे समाप्त होते हैं लेकिन गुवाहाटी में मैच सुबह नौ बजे शुरू होकर शाम चार बजे समाप्त होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''ऐसी संभावना है कि पहला ब्रेक सुबह 11 बजे से 11 :20 बजे तक चाय का ब्रेक होगा जबकि दोपहर 1 :20 बजे से 2 :00 बजे तक लंच हो सकता है। चाय के बाद का सत्र दोपहर 2 :00 बजे से शाम 4 :00 बजे तक होगा। गुवाहाटी में आमतौर पर सूरज 4 :15 बजे तक डूब जाता है। ब्रेक की अदला-बदली एक संभावना है जिसे खेल की परिस्थितियों में शामिल किया जा सकता है।

जीत का जश्न

इंडोनेशिया की जेनिस टीजेन गुरुवार को चेन्नई के एसडीएटी टेनिस स्टेडियम में डब्ल्यूटीए चेन्नई ओपन 2025 में चेकिया एल. फ्रुहविर्टोवा के खिलाफ महिला एकल राउंड ऑफ 16 मैच जीतने के बाद जश्न मनाती हुईं। ● एजेंसी

केकेआर के मुख्य कोच बने अभिषेक नायर

नई दिल्ली : कोलकाता नाइट राइडर्स ने भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया। इस तरह वह आईपीएल फ्रेंचाइजी में चंद्रकांत पंडित की जगह लेंगे जिन्होंने तीन सत्र तक यह जिम्मेदारी संभाली थी।

नायर 2018 से केकेआर से जुड़े हुए हैं और उनके टीम प्रबंधन के अहम सदस्यों में से एक हैं। टीम चयन के मामले में ड्रेसिंग रूम में उनका दबदबा रहा है। लगभग नौ महीने तक नायर भारतीय टीम में गौतम गंभीर के कोचिंग दल का हिस्सा थे लेकिन भारत के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद उन्हें बिना किसी औपचारिकता के बर्खास्त कर दिया गया। केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने कहा अभिषेक 2018 से नाइट राइडर्स टीम का अहम हिस्सा रहे हैं।

दु:खद टी-20 मैच से पहले नेट अभ्यास कर रहे थे बेन ऑस्टिन, 2014 में फिल ह्यूज की मौत की यादें हो गई ताजा

ऑस्ट्रेलियाई युवा क्रिकेटर की गले पर गेंद लगने से मौत

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के 17 वर्ष के क्रिकेटर बेन ऑस्टिन की यहां अभ्यास के दौरान गले में गेंद लगने से मौत हो गई जिससे 2014 में फिल ह्यूज की मौत की दुखद यादें ताजा हो गई।

ऑस्टिन को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। उन्हें फर्नट्री गली में अभ्यास के दौरान गेंद गले और सिर में लगी थी। वह टी-20 मैच से पहले नेट अभ्यास कर रहे थे। उन्हें हादसे के बाद वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। फर्नट्री गली क्रिकेट क्लब ने बृहस्पतिवार को उनकी मौत की पुष्टि की।

क्लब ने कहा हम बेन की मौत से बहुत दुखी हैं। उसके परिवार, दोस्तों और जानने वालों के प्रति हमारी संवेदनाएं। अभ्यास के वक्त उन्होंने हेलमेट पहना था लेकिन

बेन ऑस्टिन।

'नेकगार्ड' नहीं। इस हादसे के बाद एक बार फिर हर स्तर पर खेल में सुरक्षा उपकरणों के प्रयोग की मांग जोर पकड़ने लगी है। इससे पहले क्रिकेट विक्टोरिया ने बेन के पिता जेस आस्टिन के हवाले से परिवार की ओर से एक बयान जारी किया था। बयान में कहा गया हम अपने चहेते बेन के निधन से बेहद दुखी हैं। ट्रेसी और मेरे लिये बेन लाड़ला बेटा था और कूपर तथा जाश का चहेता भाई था। वह हमारे परिवार और दोस्तों के जीवन का उजाला था। इस हादसे ने उसे हमने छीन लिया।

उसे क्रिकेट से प्यार था और यह खेल उसके जीवन की खुशी था। इसमें यह भी कहा गया हम उस गेंदबाज के भी साथ खड़े हैं जो उस समय नेट्स पर गेंदबाजी कर रहा था। इस हादसे ने दो युवाओं को प्रभावित किया है। उसके और उसके परिवार के साथ भी हमारी संवेदनायें हैं। बेन हमेशा हमारी यादों में रहेगा। नवंबर 2014 को सिडनी में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर फिल ह्यूज ने दम तोड़ा था जब एक प्रथम श्रेणी मैच के दौरान उन्हें बल्लेबाजी करते समय बाउंसर कान के पास लगा था।

प्रतिदिन स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है : श्रेयस

सिडनी, एजेंसी : भारत के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह प्रतिदिन बेहतर हो रहे हैं और चोट से उबरने की राह पर हैं। श्रेयस को आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान एलेक्स कैरी का कैच लपकते समय तिल्ली की चोट (स्प्लीनिक रप्चर) के साथ पसली में चोट लगी थी। उन्होंने चोट लगने के बाद पहली बार एक्स और अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट में लिखा, '' मैं रिकवरी की राह पर हूं और प्रतिदिन स्वास्थ्य बेहतर हो रहा है। उन्होंने लिखा इतनी शुभकामनाओं और समर्थन से मैं अभिभूत हूं। मुझे याद रखने के लिये धन्यवाद। श्रेयस मैच के दौरान फिजियो की मदद से मैदान से बाहर चले गए, लेकिन बाद में उनकी हालत बिगड़ गई, जिसके कारण उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराना

पड़ा। बाद में किए गए परीक्षणों से पता चला कि तिल्ली में चोट लगने के कारण आंतरिक रक्तस्राव हुआ था, जिसके बाद उन्हें गहन निगरानी के लिए आईसीयू में भर्ती कराया गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बयान में कहा चोट का तुरंत पता चल गया और खून बहने को तुरंत रोका गया। उसकी हालत अब स्थिर है और वह अब भी निगरानी में है। मंगलवार 28 अक्टूबर को दोबारा किए गए स्कैन में काफी सुधार दिखा और श्रेयस ठीक हो रहा है।